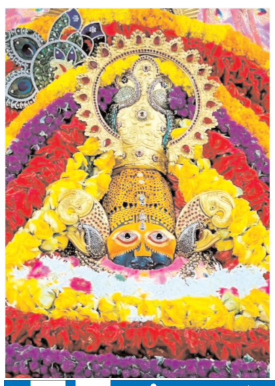

RNI No. GUJHIN/2010/35230

महानगर मेट्रो

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें

सरबजीत माकन +91-9638877700

mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 | अंक: 22| पेज:12| mahanagarmetro7@gmail.com || अहमदाबाद,18 सितंबर 2026 (शुक्रवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

'7 दिन में माफी मांगो...'

●दिशा सालियान के पिता ने आदित्य ठाकरे-अनिल देशमुख को भेजा 500 करोड़ का नोटिस

नोटिस में दोनों नेताओं की ओर से दिए गए कुछ बयानों पर आपत्ति जताई गई है।

एजेंसी

मुंबई । दिशा सालियान मौत मामले में एक बार फिर बड़ा कानूनी मोड़ सामने आया है। दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान ने शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे और महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को 500 करोड़ रुपए का मानहानि नोटिस भेजा है। नोटिस में दोनों नेताओं की ओर से दिए गए कुछ बयानों पर आपत्ति जताई गई है। सतीश सालियान ने मांग की है कि इन बयानों को वापस लिया जाए, सार्वजनिक रूप से माफी मांगी जाए और उन्हें 500 करोड़ रुपए का हर्जाना दिया जाए। इसके लिए दोनों को 7 दिन का समय दिया गया है। यह नोटिस ऐसे समय आया है, जब दिशा सालियान की मौत का मामला एक बार फिर चर्चा में है और केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) इसकी जांच कर रही है। बॉम्बे हाईकोर्ट के आदेश के बाद सीबीआई ने मामले में एफआईआर दर्ज की है और पुराने जांच रिकॉर्ड, पुलिस की कार्रवाई, गवाहों के बयान, फॉरेंसिक और पोस्टमॉर्टम से जुड़े दस्तावेजों समेत कई पहलुओं की नए सिरे से जांच शुरू की है।

मानहानि नोटिस में सतीश सालियान ने आदित्य ठाकरे और अनिल देशमुख के कुछ बयानों

को लेकर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि इन बयानों से उनकी और उनके परिवार की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचा है। इसी वजह से उन्होंने दोनों नेताओं से बयान वापस लेने और माफी मांगने की मांग की है। नोटिस में 500 करोड़ रुपए के हर्जाने की मांग भी की गई है। फिलहाल इस नोटिस पर दोनों नेताओं की ओर से प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। अब पूरे मामले की बात करें तो दिशा सालियान अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर थीं। 8 जून 2020 को मुंबई के मलाड इलाके में एक इमारत से गिरने के बाद उनकी मौत हुई थी। शुरुआती जांच में मुंबई पुलिस ने इसे आत्महत्या माना था और कहा था कि जांच के दौरान हत्या या किसी साजिश के पर्याप्त सबूत नहीं मिले। हालांकि, दिशा के पिता सतीश सालियान लगातार इस निष्कर्ष पर सवाल उठाते रहे हैं। उन्होंने अपनी बेटी की मौत की परिस्थितियों की नए सिरे से जांच की मांग की और मामले को बॉम्बे हाईकोर्ट तक ले गए।

अन्नपूर्णा योजना की नई किस्त जारी

●पीएम मोदी बोले-इससे महिलाओं का बढ़ता है आत्मविश्वास

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 76वें जन्मदिन पर पश्चिम बंगाल में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए अन्नपूर्णा योजना की नई किस्त जारी की गई। पीएम मोदी ने गुरुवार को कहा कि अन्नपूर्णा योजना के रूप में बंगाल की माताओं-बहनों से नया सामर्थ्य जुड़ा है। उन्होंने इस योजना से लाभ पाने वाली हर महिला को बधाई और शुभकामनाएं दीं। पीएम

बंगाल की बहनों के बैंक खातों में हर महीने एक निश्चित राशि पहुंचेगी, जिसके लिए उन्हें किसी से कहना नहीं पड़ेगा।

मोदी ने कहा, 'घर में हमारी माताओं-बहनों के कंधों पर बहुत सारी जिम्मेदारियां होती हैं। अनेक छोटे-बड़े फैसलों के बीच, एक महिला हर तरीके से परिवार का ख्याल रखती है और जब उनके पास जरूरी खर्चों की चिंता कम होती है, तो उनका आत्मविश्वास और बढ़ जाता है। अन्नपूर्णा योजना बंगाल की महिलाओं के आत्मविश्वास को मजबूती देने का ऐसा ही महत्वपूर्ण प्रयास है।' प्रधानमंत्री ने बताया कि बंगाल की बहनों के बैंक खातों में हर महीने एक निश्चित राशि पहुंचेगी, जिसके लिए उन्हें किसी से कहना नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि ये उनके लिए बहुत बड़ा संबल है।

पीएम मोदी ने कहा, 'आज करीब 1.5 करोड़ बहनों के खातों में अन्नपूर्णा योजना की चौथी किस्त पहुंच रही है यानी हर महीने 3,000 रुपए। ये किसी मां के लिए बच्चे की पढ़ाई का खर्च हो सकता है। किसी बहन के लिए दवा या घर की कोई जरूरी चीज खरीदने

का सहारा हो सकता है। हमारी सोच है, बंगाल की महिलाओं के पास फैसले की ताकत भी हो और आगे बढ़ने का हौसला भी हो।'

पीएम मोदी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि एक भी पात्र महिला अन्नपूर्णा योजना के लाभ से वंचित न रहे और इसके लिए तेजी से काम हो रहा है। उन्होंने कहा, 'सरकार बनने के कुछ ही दिनों के भीतर अन्नपूर्णा योजना पर काम शुरू हो गया था। आज कई महिलाओं को सीधे उनके बैंक खातों में वित्तीय सहायता मिल रही है। इसमें कोई बिचौलिया नहीं है और कोई 'कट मनी' नहीं है।' उन्होंने कहा कि माताओं, बहनों, बेटियों के जीवन चक्र से जुड़ी हर समस्या का समाधान करना भाजपा सरकार की प्राथमिकता रही है। उन्होंने बताया, 'गर्भावस्था के दौरान शिशु को पौष्टिक खाना मिले, इसके लिए हमने मातृ वंदना योजना चलाई, माताओं के खातों में पैसा भेजना शुरू किया। बेटी को कोख में ही न समाप्त कर दिया जाए, इसके लिए बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना शुरू की।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'बेटी जब बड़ी होकर स्कूल जाने लगे तो शौचालय न होने की वजह से स्कूल न छोड़े, इसके लिए करोड़ों शौचालय बनाए। बेटी की शिक्षा जारी रहे, इसके लिए सुकन्या समृद्धि योजना में इतना ब्याज दिया। बेटी के लिए सैनिक स्कूलों के द्वार खोले। बेटी अपना काम शुरू कर सके, इसके लिए बिना ब्याज मुद्रा योजना शुरू की।' जानकारी के मुताबिक, पश्चिम बंगाल सरकार ने पीएम मोदी के 76वें जन्मदिन पर अन्नपूर्णा योजना के तहत पात्र महिलाओं के बैंक खातों में 3000 रुपए की वित्तीय सहायता डीबीटी के जरिए भेजी है। पश्चिम बंगाल सरकार की अन्नपूर्णा योजना के तहत 25 से 60 वर्ष की महिलाएं जो पश्चिम बंगाल की स्थायी निवासी हैं, उन्हें हर महीने सीधे उनके बैंक खाते में 3,000 रुपए की आर्थिक सहायता दी जाती है।

पीडीएस चावल तस्करी मामले में 5 लाख की रिश्वत लेते एसआई गिरफ्तार

एजेंसी

हैदराबाद। तेलंगाना भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने पीडीएस चावल तस्करी के एक मामले में कथित रूप से पांच लाख रुपये की रिश्वत लेते केसरा पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर (एसआई) ज्ञानेद्र रेड्डी को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी की कार्रवाई की गई। एसीबी के अनुसार, एसआई ने मामले में मदद करने और पुलिस स्टेशन में आगे किसी तरह के उत्पीड़न से बचाने का आश्वासन देकर शिकायतकर्ता से कथित तौर पर रिश्वत की मांग की थी। बताया गया कि रिश्वत की शुरुआती मांग आठ लाख रुपये थी, जिसे बाद में घटाकर छह लाख रुपये कर दिया गया। शिकायतकर्ता ने अंततः पांच लाख रुपये की व्यवस्था कर एसआई को देने की सहमति जताई। इसके बाद एसीबी ने जाल बिछाकर कार्रवाई की। एसआई को केसरा लेक के पास एक कार में नकदी लेते समय रंगे हाथों पकड़ा गया।

जम्मू-कश्मीर के उधमपुर में चल रहे अभियान में दो आतंकवादी ढेर

●मारे गए आतंकवादियों की पहचान की जा रही है।

एजेंसी

जम्मू । जम्मू-कश्मीर के उधमपुर जिले में संयुक्त बलों ने कम से कम दो आतंकवादियों को मार गिराया है। अधिकारियों ने बताया कि उधमपुर जिले के माजलता से संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद, संयुक्त बलों ने घेराबंदी और तलाशी अभियान शुरू किया, जिसके बाद आतंकवादियों के साथ मुठभेड़ (गोलीबारी) हुई। अधिकारियों ने बताया, 'इसके बाद हुई गोलीबारी में दो आतंकवादी मारे गए हैं। इलाके में अभियान अभी भी जारी है। मारे गए आतंकवादियों की पहचान की जा रही है।'

इस अभियान की शुरुआत जम्मू-कश्मीर पुलिस और सेना के विशेष पैराट्रूपर्स ने की थी। मुठभेड़ शुरू होते ही तुरंत अतिरिक्त बल मौके पर भेजे गए। भारतीय सेना, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) की

एक संयुक्त टीम इलाके में तलाशी अभियान चला रही थी।

राजौरी में लश्कर-ए-तैबा (एलईटी) से जुड़े एक कथित ओवरग्राउंड वर्कर (ओजीडब्ल्यू) नेटवर्क का हाल ही में भंडाफोड़ होने के बाद पीर पंजाल क्षेत्र में सुरक्षा गतिविधियों को तेज कर दिया गया है, इसी बीच यह अभियान चलाया गया है। 15 सितंबर को राजौरी पुलिस ने पीर पंजाल क्षेत्र में सक्रिय एक कथित आतंकी मॉड्यूल के संबंध में तीन लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों की पहचान जाकिर हुसैन, मोहम्मद आजम और मोहम्मद मुश्ताक के रूप में हुई है।

शेड्यूल दवाओं की बिक्री पर सरकार सख्त

मेडिकल स्टोर पर सीसीटीवी लगाना होगा जरूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने शेड्यूल एच, एच1 और एक्स दवाओं पर निगरानी को और सख्त करने का फैसला किया है। गुरुवार को सरकार ने कहा कि उसने मेडिकल स्टोर पर अनिवार्य रूप से सीसीटीवी निगरानी लगाने का प्रस्ताव रखा है, ताकि इन दवाओं की अवैध बिक्री को रोका जा सके। स्वास्थ्य मंत्रालय ने 'ड्रग्स रूल्स, 1945' में संशोधन का प्रस्ताव दिया है। इसके लिए 8 सितंबर को एक ड्राफ्ट गजट नोटिफिकेशन जारी किया गया है। इस प्रस्तावित संशोधन का मकसद शेड्यूल एच, एच1 और एक्स दवाओं की अनधिकृत पहुंच और बिक्री से जुड़ी चिंताओं को दूर करना है। भारत में ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स रूल्स (1945) के तहत शेड्यूल एच, एच1 और एक्स ऐसी दवाएं हैं जिनके दुरुपयोग को रोकने के लिए सरकार ने बिक्री और पर्ची पर कड़े नियम बनाए हैं। मंत्रालय ने कहा कि इस संशोधन के लागू होने के बाद शेड्यूल एच, एच1 और एक्स दवाओं की बिक्री और वितरण की निगरानी मजबूत होगी और बिना वैध पर्ची के इनकी

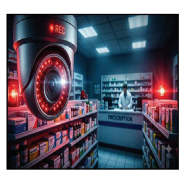

अनधिकृत बिक्री पर रोक लगेगी। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, 'प्रस्तावित सीसीटीव निगरानी प्रणाली से फार्मा सप्लाई चेन में पारदर्शिता और जवाबदेही भी बढ़ेगी, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा और मजबूत होगी।' बताया गया कि इस प्रस्ताव पर पहले ड्रग्स कंसल्टेटिव कमेटी (डीसीसी) में विचार किया गया था और बाद में इसे ड्रग्स टेक्निकल एडवाइजरी बोर्ड (डीटीएबी) के सदस्यों के बीच चर्चा के लिए भेजा गया था।

रूस से तेल खरीद पर अमेरिकी कानून को लेकर भारत सतर्क

●कहा-हितों की रक्षा के लिए उठाएंगे कदम

एजेंसी

नई दिल्ली। रूस से तेल-गैस खरीद पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने वाले अमेरिकी कानून 'सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट' पर भारत ने कहा कि सरकार घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रही है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि सरकार 140 करोड़ नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी कांग्रेस ने एक ऐसा कानून पारित किया है, जिसके तहत रूस से तेल और गैस खरीदने वाले प्रमुख देशों के सामान पर 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाया जा सकता है। भारत सरकार ने अमेरिकी कांग्रेस में 'सैंक्शनिंग रशिया एंड ईरान एक्ट' पर ध्यान रख रही है। मंत्रालय ने कहा कि जैसा कि भारत पहले भी कई बार स्पष्ट कर चुका है, देश अपने 140 करोड़ नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भारत आगे भी

विभिन्न स्रोतों से ऊर्जा हासिल करने और बाजार की बदलती परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यही नीति जारी रखेगा।

मंत्रालय ने बताया कि पिछले कुछ महीनों में इस मुद्दे पर अमेरिका के विभिन्न अधिकारियों के साथ उच्च स्तर पर चर्चा की गई है। भारत ने स्पष्ट रूप से बताया है कि इस कानून का असर केवल भारत-अमेरिका संबंधों पर ही नहीं बल्कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार पर भी पड़ सकता है।

भारत ने यह भी साफ कर दिया है कि वह अपने व्यापारिक और आर्थिक हितों की रक्षा के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने के लिए दृढ़ संकल्पित है। सरकार इन घटनाक्रमों के संभावित प्रभावों से निपटने के लिए भारतीय व्यापार और उद्योग संगठनों के साथ मिलकर काम करेगी।

प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर नितिन नवीन ने किया रक्तदान शिविर का उद्घाटन

'प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में बड़ी संख्या में लोगों के जीवन में बदलाव आया है।'

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर गुरुवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए उनके दीर्घायु और निरंतर सफलता की कामना की। पार्टी मुख्यालय में मीडिया को संबोधित करते हुए

नितिन नवीन ने कहा कि 17 सितंबर भगवान विश्वकर्मा की पूजा का दिन भी है और आधुनिक भारत के शिल्पकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन भी है। उन्होंने प्रधानमंत्री को देश का 'प्रधान सेवक' बताते हुए कहा कि उनके जन्मदिन के अवसर पर भाजपा 'सेवा संकल्प अभियान' की शुरुआत कर रही है और इस दिन को 'सेवा दिवस' के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन के अवसर पर देशभर में भाजपा कार्यकर्ता रक्तदान अभियान शुरू कर रहे हैं। उन्होंने रक्तदान कार्यक्रम में शामिल होने को अपना सौभाग्य बताया। भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश में बड़ी संख्या में लोगों के जीवन में बदलाव आया है। उनके मुताबिक यह बदलाव केवल लोगों की जीवन परिस्थितियों तक सीमित नहीं है, बल्कि करोड़ों भारतीयों की सोच में भी परिवर्तन आया है। आज देशवासी 'नेशन फर्स्ट' की भावना के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि देशभर में लोग प्रधानमंत्री को शुभकामनाएं और आशीर्वाद दे रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री के दीर्घायु और निरंतर सफलता की कामना करते हुए कहा कि भारत तेजी से विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है और 'विकसित भारत' के लक्ष्य की दिशा में बढ़ते हुए वैश्विक मंच पर अपनी अलग पहचान बना रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य को हासिल करेगा।

मराठा आरक्षण : मनोज जरांगे ने वापस ली भूख हड़ताल

सरकार को तीन महीने का दिया समय

एजेंसी

मुंबई। मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे पाटिल ने गुरुवार को सुबह बीड़ जिले के पाटोदा में राज्य सरकार से मिले आश्वासन के बाद अपनी 20 दिनों से चल रही भूख हड़ताल को वापस लेने का निर्णय लिया है। हालांकि, जरांगे ने स्पष्ट किया है कि भूख हड़ताल सिर्फ स्थगित की गई है और मराठा आरक्षण को लेकर आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर सरकार ने 90 दिनों यानी तीन महीने के अंदर उनकी मांगों को पूरा नहीं किया तो वे अब सीधे मुंबई के आजाद मैदान पर भूख हड़ताल करेंगे। मनोज जरांगे से मिलने के

लिए आज सुबह करीब पांच बजे महाराष्ट्र सरकार के मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटिल, दादा भूसे, विधायक सुरेश धस, प्रसाद लाड बीड़ जिले के पाटोदा में पहुंचे थे। राज्य सरकार के प्रतिनिधिमंडल के साथ करीब डेढ़ घंटे तक चर्चा करने के बाद जरांगे ने मंत्री विखे पाटिल के हाथ से जूस पीकर भूख हड़ताल खत्म करने की घोषणा की है। बैठक के बाद जरांगे पाटिल ने सरकार को अपनी मांगों को लागू करने के लिए 90 दिनों का समय दिया है। उन्होंने इस अवधि में सातारा गजट को सख्ती से लागू करने की मांग की है। साथ ही उन्होंने कहा कि अगर सरकार की ओर से इस दौरान किसी तरह की धमकी या ऐसी कोई कार्रवाई की गई, जिसे आंदोलन के खिलाफ माना जाए, तो वे पूरी ताकत के साथ दोबारा मुंबई पहुंचेंगे। उन्होंने मुंबई की ओर निकल चुके मराठा प्रदर्शनकारियों से भी अपने-अपने घर लौटने की अपील की है। भूख हड़ताल खत्म करने के बाद वे आगे के इलाज के लिए जालना जिले के अंतरवाली सराटी की ओर रवाना हो गए। दरअसल, मनोज जरांगे ने मराठा आरक्षण और उससे संबंधित 15 मांगों को लेकर जालना जिले के अंतरवाली सराटी में 29 अगस्त से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल शुरू की थी।

स्टेम सेल थेरेपी को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय की एडवाइजरी, ऑटिज्म में इलाज केवल क्लिनिकल ट्रायल तक सीमित

'नियमों का उल्लंघन होने पर संबंधित डॉक्टरों के खिलाफ पेशेवर कदाचार की कार्रवाई हो सकती है।'

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने स्टेम सेल थेरेपी के नियमन को लेकर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए एडवाइजरी जारी की है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि स्टेम सेल थेरेपी को नियमित और मानक इलाज के तौर पर केवल उन्हीं बीमारियों और स्थितियों में इस्तेमाल किया जा सकेगा, जिन्हें मंत्रालय ने मंजूरी दी है। मंत्रालय द्वारा 16 सितंबर को जारी एडवाइजरी में कहा कि ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (एएसडी) के इलाज के लिए किसी भी प्रकार की स्टेम सेल थेरेपी को फिलहाल केवल विधिवत मंजूर क्लिनिकल ट्रायल के तहत ही किया जा सकेगा। इसके लिए 2017 की आईसीएमआर- डीबीटी नेशनल गाइडलाइंस फॉर स्टेम सेल रिसर्च और समय-समय पर जारी अन्य सरकारी निर्देशों का पालन जरूरी होगा। स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों को सभी संबंधित राज्य और जिला नियामक प्राधिकरणों तथा सरकारी और निजी क्लिनिकल संस्थानों

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

तक व्यापक रूप से पहुंचाया जाए। खासतौर पर उन संस्थानों को इन नियमों का पालन करना होगा जो स्टेम सेल रिसर्च, इलाज, प्रचार या इसके इस्तेमाल से जुड़े हैं। एडवाइजरी में साफ किया गया है कि बिना प्रमाण वाली स्टेम सेल थेरेपी, जिसमें ऑटिज्म के लिए स्टेम सेल उपचार भी शामिल है, को नियमित, मानक या व्यावसायिक क्लिनिकल सेवा के रूप में पेश नहीं किया जा सकता। यह एडवाइजरी उच्चतम न्यायालय के 30 जनवरी, 2026 के यश चेरिटेबल ट्रस्ट और अन्य बनाम भारत सरकार मामले में दिए गए फैसले के बाद जारी की गई है। कोर्ट ने नियमों का पालन नहीं करने पर पेशेवर कदाचार सहित कानूनी और नियामकीय कार्रवाई की बात कही थी। मंत्रालय ने बताया कि नियमों का उल्लंघन होने पर संबंधित डॉक्टरों के खिलाफ पेशेवर कदाचार की कार्रवाई हो सकती है। इसके अलावा क्लीनिकल इस्टैब्लिशमेंट एक्ट, 2010 के तहत संस्थान का पंजीकरण रद्द करने और जुर्माने जैसी कार्रवाई का भी प्रावधान है।वहीं, राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग ने भी 5 सितंबर, 2026 की अपनी एडवाइजरी में दोहराया है कि स्टेम सेल थेरेपी को मानक चिकित्सा सेवा के तौर पर केवल स्वीकृत बीमारियों और संकेतों के लिए ही दिया जा सकता है। स्वीकृत दायरे से बाहर स्टेम सेल थेरेपी का बिना अनुमति इस्तेमाल, उसका प्रिस्क्रिप्शन, प्रचार या विज्ञापन पेशेवर कदाचार माना जा सकता है।

स्वच्छता के नाम पर आनंद नगर निगम में करोड़ों की लूट

आनंद में 'क्लीन सिटी' के नाम पर 'क्लीन स्वीप'

क्या 1 डस्टबिन की कीमत 33,000 से ज्यादा?

महानगर मेट्रो सुपर एक्सक्लूसिव स्टोरी

केवल 295 डस्टबिन 1 करोड़ में खरीदकर किया बड़ा घोटाला!

RTI में भ्रष्टाचार का बड़ा पर्दाफाश: सरकारी GeM पोर्टल की मूल कीमत से 4 से 6 गुना अधिक दाम चुकाए गए

अधिकारियों और ठेकेदार की मिलीभगत से लगभग 75 लाख की हेराफेरी का गंभीर आरोप!

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

आनंद। चरोटर के मुख्य मुख्यालय और नवगठित आनंद नगर निगम में 'स्वच्छता अभियान' और 'क्लीन सिटी' के नाम पर जनता के टैक्स के पैसों की खुलेआम लूट चलाए जाने का चौकाने वाला मामला सामने आया है। नगर निगम के अधिकारियों ने ठेकेदारों के साथ मिलकर कचरा पेटी (डस्टबिन) खरीद में करोड़ों का घोटाला किया है, जिसका पर्दाफाश सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत मिले आधिकारिक दस्तावेजों से हुआ है। केवल 295 कचरा पेटियां खरीदने के लिए नगर निगम प्रशासन ने 1 करोड़ जितनी भारी रकम पानी की तरह बहा दी है।

RTI के चौकाने वाले आंकड़े: GeM पोर्टल की कीमत से 4 से 6 गुना कीमत चुकाई गई!

केंद्र और राज्य सरकार द्वारा सरकारी खरीद में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए GeM पोर्टल से खरीदारी अनिवार्य की गई है। लेकिन आनंद नगर निगम के अधिकारियों ने अपनी जेबें भरने के लिए कानूनों और नियमों की धज्जियां उड़ा दीं:

भारी अंतर: RTI के तहत मिली जानकारी के अनुसार, जिस गुणवत्ता और क्षमता के डस्टबिन तद्दरू पोर्टल पर उचित और निर्धारित मूल्य पर उपलब्ध थे, उनके लिए 4 से 6 गुना अधिक कीमत चुकाकर इस खरीद को मंजूरी दी गई!

75 लाख का सीधा घोटाला: बाजार मूल्य और सरकारी पोर्टल की दरों की तुलना करने पर यह स्पष्ट होता है कि 295 डस्टबिन की वास्तविक कीमत बहुत कम होती है। इसके बावजूद 1 करोड़ का बिल बनाकर लगभग 75 लाख रुपये का सीधा घोटाला और कमीशनखोरी करने के गंभीर आरोप लगे हैं।

करदाताओं के पैसों पर चोट: जनता और विपक्ष में भारी आक्रोश

आनंद के नागरिक और नेता आंकड़ों को देखकर हैरान रह गए हैं। आनंद नगर निगम के अधिकारियों और सत्ताधारियों द्वारा जनता की मेहनत की कमाई के टैक्स के पैसों का दुरुपयोग किया जा रहा है।

1. **गुणवत्ता पर सवाल:** अत्यधिक महंगे दामों पर खरीदे गए इन डस्टबिनों की गुणवत्ता भी घटिया होने और जल्द ही टूटने की आशंका जताई जा रही है।

2. **पसंदीदा ठेकेदार:** खरीद प्रक्रिया के दौरान टेंडर में कुछ पसंदीदा एजेंसियों को ही लाभ मिले, इस तरह की शर्तें तय करके यह घोटाला किए जाने का आरोप है।

उच्च स्तरीय जांच और विजिलेंस जांच की मांग

नगर निगम प्रशासन में हुए इस 'डस्टबिन घोटाले' के बाद पूरे जिले और गांधीनगर प्रशासनिक हलकों में सन्नाटा छा गया है। जागरूक नागरिकों और विपक्ष द्वारा मांग की गई है कि इस पूरी खरीद प्रक्रिया की राज्य के विजिलेंस विभाग या एंटी करप्शन ब्यूरो के जरिए निष्पक्ष और गहन जांच कराई जाए, और भ्रष्टाचार करने वाले अधिकारियों तथा एजेंसियों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेजा जाए।

अहमदाबाद के 28 वर्षीय राकेश परमार की पार्टी के बहाने हत्या, लिव-इन पार्टनर भी साजिश में शामिल!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

साबरकांठा। जिले के पोशीना तहसील के छोछर गांव में एक सुनसान जगह से मिले अज्ञात शव के मामले में साबरकांठा पुलिस ने बड़ा खुलासा करते हुए इस सनसनीखेज हत्या की गुत्थी को सुलझा लिया है। पार्टी करने के बहाने युवक को अहमदाबाद से हिम्मतनगर बुलाकर बेरहमी से हत्या करने और सबूत मिटाने के लिए शव फेंकने की भयानक साजिश सामने आई है।

अहमदाबाद के युवक की पहचान और भाई की शिकायत से जांच शुरू

पोशीना पुलिस ने तकनीकी सहायता और जांच के आधार पर मृतक की पहचान अहमदाबाद के 28 वर्षीय राकेशभाई कालाभाई परमार के रूप में की। अपने भाई की अचानक गुमशुदगी और हत्या का भेद खुलने पर मृतक के भाई दिनेशकुमार परमार ने पोशीना पुलिस स्टेशन में औपचारिक रूप से हत्या की शिकायत दर्ज कराई।

पार्टी के बहाने बुलाकर गला घोंटकर दर्दनाक हत्या!

पुलिस की गहन जांच में सामने आए विवरण के अनुसार: 4 सितंबर की काली साजिश: 4 सितंबर को राकेशभाई को पार्टी करने के बहाने हिम्मतनगर की तरफ ले जाया गया था। बेरहमी से हत्या: हिम्मतनगर के पास राकेशभाई का गला घोंटकर तथा सिर के हिस्से में जानलेवा और गंभीर चोटें पहुंचाकर निर्मम हत्या कर दी गई थी। शव का निस्तारण: हत्या करने के बाद आरोपियों ने अपराध छिपाने के इरादे से शव को पोशीना तहसील के छोछर गांव की सीमा में सड़क के किनारे स्थित एक सुनसान जगह पर फेंक दिया था।

लिव-इन पार्टनर गीताबेन उर्फ मोहिनी भी अपराध में भागीदार!

इस हत्या के मामले में सबसे चौकाने वाला मोड़ तब आया जब मृतक के साथ लिव-इन में रहने वाली गीताबेन उर्फ मोहिनीबेन की भूमिका सामने आई। गीताबेन को इस पूरे खूनी खेल और साजिश की पहले से जानकारी थी, फिर भी उसने राकेश के परिवार से यह बात छिपाकर रखी और आरोपियों का साथ दिया।

मुख्य आरोपियों सहित 3 हिरासत में

पोशीना पुलिस ने छापेमारी कर इस अपराध में शामिल सभी मुख्य आरोपियों को हिरासत में ले लिया है: 1. रवीभानसिंह राजपूत (मुख्य आरोपी) 2. भावनाबेन राजपूत 3. गीताबेन उर्फ मोहिनीबेन (मृतक की लिव-इन पार्टनर)

महानगर मेट्रो के तीखे सवाल

लिव-इन में रहने वाली गीताबेन ने किस स्वार्थ या मजबूरी में अपने ही साथी राकेश की हत्या की साजिश में साथ दिया? पार्टी के बहाने बुलाकर इतनी क्रूरता से हत्या करने के पीछे की व्यक्तिगत दुश्मनी या आर्थिक कारण क्या था? पोशीना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए इस हत्या की गुत्थी को सुलझा लिया है, लेकिन महानगर मेट्रो न्यूज मांग करता है कि राकेश परमार के परिवार को न्याय दिलाने के लिए इन तीनों आरोपियों के खिलाफ अदालत में मजबूत सबूत पेश कर सख्त से सख्त सजा दिलाई जाए!

गांधीनगर में नाबालिग पर अत्याचार करने वाले दरिंदे को कड़ी सजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गांधीनगर जिले में 10वीं कक्षा में पढ़ने वाली नाबालिग छात्रा को जाल या लालच में फंसाकर उसका अपहरण करने और दुष्कर्म करने के गंभीर मामले में गांधीनगर की विशेष पोक्सो कोर्ट ने आरोपी को बिना किसी दया के 20 साल के कठोर कारावास और भारी जुर्माने की कड़ी सजा सुनाई है। कोर्ट के इस सख्त रुख से ऐसी विकृत मानसिकता वाले अपराधियों में भारी डर व्याप्त हो गया है। मिली प्राथमिक जानकारी के अनुसार, गांधीनगर इलाके में रहने वाली और 10वीं कक्षा में पढ़ने वाली नाबालिग छात्रा स्कूल या अपने घर से अचानक लापता हो गई थी। अपहरण और अत्याचार: आरोपी ने नाबालिग की भोली उम्र का गलत फायदा उठाकर उसका अपहरण किया और उसे अनजान जगह ले जाकर उसकी मर्जी के खिलाफ बार-बार गंभीर दुष्कर्म किया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई: परिजनों की शिकायत के आधार पर गांधीनगर पुलिस ने तुरंत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने हाई-टेक तकनीकी स्रोतों और मुखबिरों की मदद से नाबालिग को सकुशल मुक्त कराया और आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

जिम लाउंज की सदस्यता के नाम पर बड़ा घोटाला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। फिटनेस के नाम पर और सस्ते दाम में लंबी अवधि की सदस्यता पाने के लालच में अहमदाबाद के हजारों नागरिकों से ठगी का सनसनीखेज मामला सामने आया है! मशहूर 'जिम लाउंज' के कर्मचारियों ने ही अपनी कंपनी से धोखाधड़ी कर फर्जी एग्रीमेंट और मिलता-जुलता बैंक खाता खुलवाकर 1.66 करोड़ से अधिक की बड़ी धोखाधड़ी की है। इस हाई-टेक और शातिर घोटाले का पर्दाफाश होते ही अहमदाबाद के फिटनेस जगत और व्यापारिक वर्ग में सन्नाटा छा गया है। घोटालेबाज कर्मचारियों ने अहमदाबाद के नागरिकों को जाल में फंसाने के लिए एक खतरनाक और लुभावना ऑफर तैयार किया था। उन्होंने लोगों को यह कहकर बहलाया कि केवल 10,000 में 10 साल तक की जिम सदस्यता दी जा रही है! 2500 से अधिक शिकार: इस सस्ते ऑफर के चक्कर में आकर अहमदाबाद के 2500 से अधिक उत्साहित लोगों ने अपनी मेहनत की कमाई लगा दी और ठगी का शिकार बन गए।

90 दिन की सिफारिश, कामकाज सिर्फ 21 दिन!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। संविधान समीक्षा आयोग की 90 दिनों की सिफारिश के बावजूद गुजरात विधानसभा साल में औसतन केवल 21 दिन ही चलती है। हालिया मानसून सत्र में पेश 135 में से सिर्फ 29 प्रश्नों पर मौखिक चर्चा हो सकी और 182 में से केवल 52 विधायकों ने हिस्सा लिया। जनता के टैक्स के पैसों की बर्बादी पर सवाल उठाते हुए महानगर मेट्रो न्यूज सत्र की अवधि बढ़ाने की मांग करता है।

अहमदाबाद में अवैध हथियारों के काले कारोबार पर पुलिस की सर्जिकल स्ट्राइक

दाणीलीमडा के केलिको मिल कंपाउंड से दो देसी तमंचे और कारतूस के साथ 'बड़ा बाबू' गिरफ्तार!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। शहर के कोट क्षेत्र और दक्षिण जोन में असामाजिक तत्वों और अवैध हथियारों की तस्करी करने वालों के खिलाफ पुलिस ने कड़ा रुख अपनाया है। दाणीलीमडा पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर मौत का सामान लेकर घूम रहे एक शातिर आरोपी को रंगे हाथों पकड़कर कानून का पाठ पढ़ाया है। दाणीलीमडा पुलिस टीम को सटीक सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति अवैध हथियारों के साथ इलाके में घूम रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने केलिको मिल कंपाउंड के पास घेराबंदी कर छापेमारी की। पकड़ा गया आरोपी: सोहिलखान उर्फ बड़ा बाबू रियाजुद्दीन पठान। बरामद माल: आरोपी की तलाशी लेने पर उसके पास से 2 देसी तमंचे और 2 जिंदा कारतूस मिले। कुल कीमत: पुलिस ने हथियारों और कारतूस सहित कुल 20,200 का माल जब्त किया है। पुलिस की सख्त पूछताछ में आरोपी सोहिलखान उर्फ बड़ा बाबू ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। उसने बताया कि ये देसी तमंचे और कारतूस उसने आगे बेचने के लिए अहमदाबाद के वटवा इलाके में स्थित ख्वाजानगर के सादाबखान अकीलखान पठान से हासिल किए थे! पुलिस ने इस कबूलनामे के आधार पर हथियार सप्लाई करने वाले सादाबखान को पकड़ने के लिए चारों तरफ जाल बिछा दिया है। ये हथियार कहां से लाए गए थे और शहर में किस बड़े अपराध को अंजाम देने के लिए बेचे जाने थे, इस संबंध में जांच तेज कर दी गई है। पुलिस जांच में सामने आया है कि पकड़ा गया सोहिलखान उर्फ बड़ा बाबू कोई आम नागरिक नहीं बल्कि पक्का अपराधी है। उसके खिलाफ पहले भी नारोल पुलिस स्टेशन में मारपीट, शारीरिक हमले और जुआ अधिनियम के तहत गंभीर मामले दर्ज हो चुके हैं।

महानगर मेट्रो के तीखे सवाल

वटवा और दाणीलीमडा जैसे घने इलाकों में देसी तमंचे और अवैध हथियार घुसाने वाले मुख्य आका कौन हैं? पहले भी अपराधों में शामिल रहे तत्व खुलेआम हथियार लेकर घूम रहे हैं, तो इस पूरी सप्लाई चेन का पर्दाफाश कब होगा? दाणीलीमडा पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की है, लेकिन महानगर मेट्रो न्यूज मांग करता है कि हथियारों के इस काले कारोबार की जड़ तक पहुंचकर सभी आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए!

गांधीनगर में महिला पुलिस आरक्षी का आत्मघात

'मेरी बेटी चेतन कमांडो के कारण मरी, फिर भी सेक्टर-9 पुलिस प्राथमिक प्राथमिकी दर्ज नहीं कर रही!' - पीड़ित मां का कड़ा आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर। गुजरात की राजधानी गांधीनगर से कानून और व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर सवाल खड़े करने वाली अत्यंत चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जनता की सुरक्षा के लिए वर्दी पहनने वाली एक महिला पुलिस आरक्षी द्वारा आत्मघात कर लेने से पूरे पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। परंतु, इस घटना में सबसे हृदयविदारक मोड़ तब आया जब मृतका की मां ने मीडिया के समक्ष आकर गांधीनगर पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए।

खाकी वर्दी भी लाचार: चेतन कमांडो पर आरोप के बावजूद प्राथमिकी क्यों नहीं?

मृतक महिला आरक्षी की पीड़ित मां ने रोते हुए खुलासा किया कि, 'मेरी बेटी ने चेतन कमांडो के उत्पीड़न और मानसिक प्रताड़ना के कारण ही यह आत्मघाती कदम उठाया है!' मां का आरोप है कि वे अपनी बेटी को न्याय दिलाने के लिए गांधीनगर सेक्टर-7 पुलिस थाने के चक्कर काट रही हैं, परंतु स्थानीय पुलिस अपने ही विभाग के आरोपी चेतन कमांडो को बचाने के लिए प्राथमिक प्राथमिकी दर्ज करने से स्पष्ट इनकार कर रही है।

महानगर मेट्रो के सीधे सवाल: यदि महिला पुलिस असुरक्षित, तो आम जनता का क्या?

जिस राज्य में गृह विभाग अपनी सख्त छवि की बात करता है, वहां राजधानी में ही घटी इस घटना से बुनियादी सवाल खड़े होते हैं: पुलिस ही पुलिस की नहीं सुन रही: जो महिला स्वयं पुलिस विभाग में सेवा दे रही थी, उसे आत्महत्या के लिए विवश करने वाले के विरुद्ध यदि पुलिस प्राथमिकी दर्ज नहीं कर रही, तो सामान्य नागरिक या पीड़ित महिला जब शिकायत लेकर जाए तब उसके साथ कैसा व्यवहार होता होगा? किसके इशारे पर चेतन कमांडो को संरक्षण? अपने ही विभाग के एक कमांडो को बचाने के लिए गांधीनगर पुलिस इतनी विवश क्यों दिख रही है? क्या पुलिस विभाग में वर्दी का रोब दिखाकर सहयोगियों का शोषण करने वालों को खुली छूट मिल गई है? गृह विभाग की मौन सहमति? गांधीनगर में ही एक पीड़ित मां न्याय के लिए गुहार लगा रही है, फिर भी प्रशासन क्यों अनदेखा कर रहा है? महानगर मेट्रो प्रशासन से सीधा प्रश्न पूछता है कि - क्या इस मामले में कानून सबके लिए समान रहेगा या फिर पुलिस अपने ही अपराधी को बचाने के लिए ऐसे ही लीपापोती करती रहेगी?

डभोई के वडज में खनन माफियाओं पर ग्रामीणों का धावा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

डभोई। डभोई तहसील के वडज गांव की सीमा में पिछले काफी समय से भू-माफियाओं और खनन माफियाओं द्वारा बेरोक-टोक चलाए जा रहे सफेद रेत के अवैध काले कारोबार के खिलाफ आखिरकार जन-आक्रोश का विस्फोट हो गया है! प्रशासन की ढीली कार्यशैली से तंग आ चुके जागरूक ग्रामीणों ने खुद मोर्चा

संभालते हुए रात के अंधेरे में छापेमारी की। ग्रामीणों ने रेत चोरी करने वाले माफियाओं को सामान और ट्रैक्टर के साथ रंगे हाथों पकड़कर पुलिस तथा खान-खनिज विभाग के हवाले कर दिया। स्थानीय सूत्रों और गांव के प्रमुख लोगों के अनुसार, वडज गांव की सीमा से खनन माफियाओं ने एक सु नियोजित नेटवर्क बनाकर सफेद रेत का काला कारोबार चला रखा था। स्थानीय लोगों का गंभीर आरोप है कि अब तक लगभग 500 से भी अधिक ट्रक रेत अवैध रूप से निकाली जा चुकी है। खजाने और पर्यावरण पर चोट: इस अवैध खनन के कारण सरकारी खजाने को लाखों रुपये के रॉयल्टी नुकसान के साथ-साथ इलाके के पर्यावरण को भी भारी क्षति पहुंच रही थी। रेत चोरी के इस काले कारोबार के पीछे किन बड़े आकाओं, राजनीतिक चेहरों या प्रभावशाली लोगों का हाथ है, इस दिशा में प्रशासन द्वारा गहराई से जांच शुरू कर दी गई है। ग्रामीणों के इस साहसिक कदम से पूरे डभोई इलाके के खनन माफियाओं में भारी हड़कंप मच गया है। महानगर मेट्रो न्यूज इस पूरे घोटाले और जांच पर लगातार कड़ी नजर बनाए रखेगा!

दक्षिण एशियाई गिरोहों की सक्रियता: कैलगरी में 23 वर्षीया कनुरित कौर सहित 3 पर जबरन वसूली का शिकंजा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गांधीनगर/कैलगरी। विदेश की धरती पर अपनी मेहनत से नाम कमा रहे भारतीय और दक्षिण एशियाई समुदाय के लिए कनाडा से अत्यंत चौंकाने वाले और चिंताजनक समाचार सामने आए हैं। कनाडा के कैलगरी शहर में दक्षिण एशियाई समुदाय के धनी और प्रभावशाली लोगों को निशाना बनाकर चलाए जा रहे जबरन वसूली और धमकियों के काले कारोबार का पुलिस ने बड़ा पर्दाफाश किया है। इस चौंकाने वाले मामले में भारतीय मूल के युवक-युवतियों की सीधी संलिप्तता सामने आने से पूरे प्रवासी भारतीय समुदाय में खलबली मच गई है। कैलगरी पुलिस द्वारा की गई गहन जांच में सामने आया है कि मार्च महीने में एक चौंकाने वाली घटना घटी थी। एक पीड़िता का पूरा नाम, रहने का पता और उसके परिवार के सदस्यों की सभी गुप्त जानकारियां प्राप्त करके व्हाट्सएप पर जान से मारने की धमकियां दी गईं। व्यापारी और परिवार से करोड़ों रुपये की रंगदारी मांगी गई। इतना ही नहीं, पैदा किए गए भय को सच साबित करने के लिए पीड़िता के घर के बाहर अंधाधुंध गोलीबारी भी की गई। कनुरित कौर (आयु 23 वर्ष): भारतीय मूल की इस युवती पर पीड़ितों की व्यक्तिगत जानकारी, पते और परिवार की गुप्त सूचनाएं अपराधियों तक पहुंचाने और लीक करने का गंभीर आरोप है। इस आपराधिक तंत्र में नाबालिग किशोर का भी उपयोग किया गया था, जिस पर धमकी भरे संदेश भेजने के लिए तकनीकी सहायता और सुविधा प्रदान करने का आरोप है। इस घटना में शामिल 21 वर्षीय तनवीर सिंह वर्तमान में पुलिस की पकड़ से दूर फरार है, जिसे पकड़ने के लिए पुलिस ने चारों तरफ जाल बिछाया है। कैलगरी पुलिस के आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल 2025 से अब तक दक्षिण एशियाई समुदाय को निशाना बनाने वाली जबरन वसूली और गोलीबारी की 51 से अधिक घटनाएं दर्ज हो चुकी हैं। इस संगठित अपराध को रोकने के लिए पुलिस ने अब तक 19 अपराधियों के विरुद्ध कुल 59 गंभीर मामले दर्ज करके कार्रवाई की है। कनाडा जैसे विकसित देश में पढ़ने और कमाने जाने वाले भारतीय मूल के युवा किस प्रकार कम समय में अमीर बनने के लालच में अंतरराष्ट्रीय अपराध तंत्र और रंगदारी वसूलने वाले गिरोहों के हाथों की कठपुतली बन रहे हैं, यह एक बड़ा सवाल है। विदेश में देश का नाम रोशन करने के बजाय ऐसे आपराधिक कृत्य करके पूरे समुदाय और देश को बदनाम करने वाले तत्वों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई की मांग उठ रही है।

स्कार्पियो गाड़ी से 26.15 लाख रुपए की खांसी की दवा की 1798 बोतलें जब्त!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। सूचना के आधार पर निगरानी रखकर पुलिस ने 26.15 लाख रुपए का माल जब्त किया है। नारोल पुलिस के दल को सटीक और गुप्त सूचना मिली थी कि एक स्कार्पियो गाड़ी में अवैध खांसी की दवा की बड़ी खेप शहर में लाई जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस ने तत्काल घेराबंदी करके स्कार्पियो गाड़ी को रोक लिया। गाड़ी की तलाशी लेने पर अंदर से नशीले तत्वों वाली खांसी की दवा की 1798 बोतलें मिलीं। जब्त की गई खांसी की दवा की कीमत और काले कारोबार में इस्तेमाल की गई स्कार्पियो गाड़ी को मिलाकर पुलिस ने कुल 26.15 लाख रुपए से अधिक का माल कब्जे में लिया है। नवाजहुसैन और सरवर पठान जेल की सलाखों के पीछे हैं और इन दोनों आरोपियों का आपराधिक इतिहास रहा है। पुलिस ने घटनास्थल से ही दो मुख्य आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली है जिनके नाम नवाजहुसैन शेख और सरवर पठान हैं। पुलिस की प्राथमिक जांच में सामने आया है कि पकड़े गए दोनों आरोपी पक्के अपराधी हैं और अतीत में भी असामाजिक तथा अवैध गतिविधियों से जुड़ा उनका आपराधिक इतिहास रहा है। युवाओं को नशे के रास्ते पर धकेलकर अपनी जेबें भरने का यह जाल कितने समय से चल रहा था, इसकी अब गहन पूछताछ शुरू कर दी गई है। महानगर मेट्रो के तीखे सवाल हैं कि इतनी बड़ी मात्रा में नशीली खांसी की दवा की खेप कहां से लाई गई थी और अहमदाबाद के किन-किन इलाकों में इसकी आपूर्ति की जानी थी? क्या खांसी की दवा के इस काले कारोबार के पीछे किसी बड़े चिकित्सा या दवा माफिया की संलिप्तता है? नारोल पुलिस के इस सफल कार्य से नशे के सौदागरों की कमर टूट गई है, लेकिन महानगर मेट्रो समाचार मांग करता है कि इस पूरी आपूर्ति श्रृंखला के मुख्य आकाओं तक पहुंचकर कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए।

अंबाजी धाम में आस्था का अनादर: श्रद्धालुओं के दान के पैसे से सत्तारूढ़ दल का राजनीतिक आयोजन 'कानूनी चंदा चोरी' के समान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बनासकांठा। विश्वभर के करोड़ों श्रद्धालुओं का अपमान करती सरकार, धार्मिक परंपराओं को दरकिनार करके जिलाधिकारी और न्यास द्वारा आस्था का व्यापार होने के गंभीर आरोपों के साथ महानगर मेट्रो ने मोर्चा खोल दिया है। गरीब और मध्यमवर्ग के श्रद्धालु अपने आराध्य माता अंबाजी के चरणों में पेट काटकर एक-एक रुपया समर्पित करते हैं। परंतु उस पवित्र दान की राशि पर राजनीतिक रोटियां सेंकी जा रही होने का आक्रोश महानगर मेट्रो के प्रवक्ता हेमांग रावल ने व्यक्त किया है।

परंपराओं और नियमों की धज्जियां

प्रधानमंत्री के छिहत्तर वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में अंबाजी मंदिर में आयोजित छिहत्तर हजार दीपों के दीपोत्सव के लिए मंदिर के खजाने से बीस लाख रुपये का बड़ा खर्च किया जा रहा है। दलगत कार्यक्रम के लिए मंदिर का पैसा: आयोजन के निमंत्रण पत्र में जिला संगठन का नाम लिखे होने के बावजूद, दस हजार करोड़ रुपये से अधिक का कोष रखने वाला दल अपने खाते से खर्च करने के बजाय मंदिर का पैसा उपयोग कर रहा है। मंदिर की मर्यादाओं का उल्लंघन: मंदिर में तेल का पूरी तरह निषेध होने के बावजूद तेल का उपयोग किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, शाम साढ़े चार से सात बजे तक माताजी के विश्राम का समय होता है, परंतु शाम सवा पांच बजे राजनीतिक दल के कार्यक्रम के लिए नियम तोड़कर आस्था के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। निविदा के बिना कार्य: पचास हजार रुपये से अधिक के कार्य के लिए निविदा अनिवार्य होने के बावजूद लाखों रुपये के कार्य केवल तीन दर-पत्र मंगवाकर पसंदीदा एजेंसी को सौंप दिए जाने की जानकारी सामने आई है।

अति विशिष्ट लोगों की खातिरदारी और पुराने घोटालों का हिसाब बाकी

पहले भी अति विशिष्ट संस्कृति के नाम पर मंदिर के खजाने से चाय के सात सौ बीस रुपये और भोजन की थाली के एक हजार छह सौ चालीस रुपये जैसे अकल्पनीय दरों पर ग्यारह लाख पैंतीस हजार रुपये चुकाए गए थे। सूचना के अधिकार द्वारा यह भी सिद्ध हुआ था कि बाइस लाख रुपये से अधिक की राशि नेताओं और अधिकारियों की खातिरदारी में लुटा दी गई थी, जो आज तक न्यास को वापस नहीं मिली है।

महानगर मेट्रो की मुख्य मांगें

76 हजार दीपों के उत्सव का बीस लाख रुपये का खर्च किसने उठाया उसकी पूरी जानकारी सार्वजनिक की जाए? दर्शन बंद होने के समय राजनीतिक दल को अनुमति देने वाले जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए? मंदिर न्यास की सभी बची हुई लेखा-परीक्षा रिपोर्ट तुरंत सार्वजनिक की जाएं? अति विशिष्ट लोगों की खातिरदारी के नाम पर खर्च किए गए तैंतीस लाख रुपये से अधिक के पैसे ब्याज के साथ न्यास के खाते में वापस जमा कराए जाएं?

पाटन के कठीवाड़ा में दिल दहला देने वाली घटना: बंद मिल से मिली 6 महीने की मासूम बच्ची!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाटन। पुलिस की त्वरित कार्रवाई और मासूम का बचाव करते हुए, घटना की जानकारी मिलते ही सभी पुलिस का दल तुरंत मौके पर पहुंच गया। पुलिस ने मासूम बच्ची को अपने कब्जे में लेकर प्राथमिक उपचार के लिए सभी सरकारी अस्पताल और उसके बाद अधिक देखभाल के लिए धारपुर सामान्य अस्पताल भेज दिया। बच्ची को कौन और क्यों लावारिस छोड़ गया, इसकी जांच के लिए पुलिस ने कठीवाड़ा और आसपास के इलाकों के कैमरों और मोबाइल की स्थिति की गहराई से जांच की। कड़ी निगरानी और कैमरों के दृश्य के आधार पर पुलिस ने मासूम को लावारिस छोड़ने के अपराध में शामिल 2 आरोपियों की पहचान करके उन्हें हिरासत में ले लिया है। महानगर मेट्रो के तीखे सवाल हैं कि फूल जैसी 6 महीने की बेटी को झाड़ियों या बंद मिल के परिसर में लावारिस छोड़ देने वाले क्रूर अपराधियों के पीछे कौन सी मजबूरी या कौन सा काला अध्याय छिपा है? आज के समाज में अभी भी बेटी के प्रति अनादर या अवैध संबंधों को छिपाने की होड़ में मासूमों की जान जोखिम में डालने का पाप कब बंद होगा? पाटन पुलिस ने तकनीक का उपयोग करके 2 आरोपियों को पकड़कर प्रशंसनीय कार्य किया है, लेकिन महानगर मेट्रो समाचार मांग करता है कि ऐसे दरिंदों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए ताकि कोई भी मासूम के साथ फिर से ऐसा पाप करने की हिम्मत न करे।

ऑनलाइन सट्टे की लत ने युवक को बनाया महाठग

पालड़ी उपाश्रय के जैन गुरु के नाम पर व्यापारी से 21.79 लाख की ठगी, तेजस को किया गिरफ्तार!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। ऑनलाइन सट्टा खेलने की तीव्र आदत और छोटे रास्ते से अमीर बनने की सनक किस तरह अच्छे घर के युवक को अपराधी बना देती है, इसका एक ज्वलंत और सनसनीखेज मामला अहमदाबाद से सामने आया है। आस्था और धर्म के नाम पर छल-कपट करके लाखों रुपये ऐंठने वाले शातिर ठग के खिलाफ आनंदनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज होने पर पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है। आनंदनगर पुलिस स्टेशन में दर्ज औपचारिक शिकायत के अनुसार, आरोपी तेजस शाह ने अहमदाबाद के पालड़ी इलाके में स्थित जैन उपाश्रय के पूजनीय जैन गुरु महाराज के नाम का दुरुपयोग करके ठगी की भयानक साजिश रची थी। दान के नाम पर ऐंठे रुपये: आरोपी ने व्यापारी मयूर शाह से संपर्क किया था। उसने खुद को जैन गुरु महाराज का सेवक या प्रतिनिधि बताकर धार्मिक कार्य तथा दान करने के नाम पर व्यापारी का विश्वास जीता था।

महानगर मेट्रो के तीखे सवाल

ऑनलाइन सट्टेबाजी के ऐप्स और नशे के समान गेमिंग की लत अहमदाबाद के युवाओं को किस अंधकार की ओर धकेल रही है? धर्म के नाम पर अंधा विश्वास करने से पहले नागरिक और व्यापारी कब जागरूक होंगे? आनंदनगर पुलिस ने आरोपी तेजस शाह को सलाखों के पीछे भेजकर आगे की कानूनी जांच शुरू कर दी है, लेकिन महानगर मेट्रो न्यूज मांग करता है कि धार्मिक भावनाओं का दुरुपयोग करने वाले ऐसे शातिर ठगों के खिलाफ मिसाल बनने वाली सख्त सजा होनी चाहिए।

बेरोजगारी के मुद्दे पर युवा कांग्रेस का बड़ा विस्फोट

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। देश और राज्य में दिन-ब-दिन विकराल रूप ले रही बेरोजगारी की समस्या के खिलाफ अब युवा कांग्रेस ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है! अहमदाबाद के राजीव गांधी भवन में आयोजित पत्रकार वार्ता में गुजरात प्रदेश युवा कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. प्रवीणसिंह वणोल ने भाजपा सरकार पर कड़े प्रहार करते हुए 'मेरी डिग्री का क्या?' नामक राज्यव्यापी और देशव्यापी अभियान की विधिवत शुरुआत की है। एक तरफ देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन मनाया जा रहा था, वहीं दूसरी तरफ युवा कांग्रेस ने देश के करोड़ों शिक्षित बेरोजगार युवाओं की आवाज उठाई है। डॉ. प्रवीणसिंह वणोल ने सीधा प्रहार करते हुए कहा कि, 'एक तरफ प्रधानमंत्री अपनी डिग्री को लेकर चर्चा में रहते हैं, वहीं दूसरी तरफ देश का लाखों युवा वर्ग महंगी शिक्षा, कर्ज और सालों की कड़ी मेहनत के बाद हासिल की असली डिग्रियों को हाथ में लेकर नौकरी के लिए दर-दर भटकने को मजबूर है। युवा कांग्रेस इस मुद्दे को लेकर 'नौकरी मार्च', 'डिग्री मार्च' और विभिन्न लोकतांत्रिक आंदोलनों के माध्यम से युवाओं को एकजुट करेगी। अगर एक साल में खाली पड़े सभी सरकारी पदों को नहीं भरा गया, तो युवा कांग्रेस द्वारा मुख्यमंत्री आवासों और सचिवालय के घेराव सहित देशव्यापी उग्र आंदोलन छेड़ने की सीधी चेतावनी दी गई है।

फर्जी डॉक्टरों पर कसेगा शिकंजा, 8 फर्जी डॉक्टर गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सूरत। सूरत के घनी आबादी वाले पांडेसरा इलाके में स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीमों ने डमी मरीज भेजकर 8 फर्जी डॉक्टरों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। छापेमारी के दौरान सामने आया कि आरोपी केवल 12वीं पास, पूर्व कंपाउंडर या ओटी असिस्टेंट थे, जो बिना किसी मेडिकल डिग्री के पिछले 2 से 10 वर्षों से क्लीनिक चला रहे थे। जांच के दौरान एक नाबालिग को ड्रिप चढ़ाते हुए भी पकड़ा गया, वहीं हाल ही में एक किशोर की संदिग्ध मौत में आरोपी फर्जी डॉक्टर भी हत्थे चढ़ा है। पुलिस ने क्लीनिकों से 98,825 मूल्य की एलोपैथी दवाएं, इंजेक्शन और उपकरण जब्त कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। महानगर मेट्रो न्यूज मांग करता है कि गरीबों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले इस पूरे नेटवर्क को जड़ से उखाड़ फेंका जाए।

आपस में लड़ना कांग्रेस का प्रिय खेल!

बनासकांठा के विवाद के बीच जयराजसिंह परमार का तीखा प्रहार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बनासकांठा। गुजरात की राजनीति में एक समय कांग्रेस की बड़ी आवाज माने जाने वाले और वर्तमान में भाजपा के प्रखर नेता जयराजसिंह परमार ने महानगर मेट्रो समाचार के साथ एक विशेष बातचीत में कांग्रेस की आंतरिक खींचतान पर ऐसा कटाक्ष किया है जिससे राज्य के राजनीतिक गलियारों में बड़ी गर्माहट आ गई है। प्रदेश से लेकर जिला स्तर तक कांग्रेस में पैदा हुए हालिया विवादों पर बोलते हुए उन्होंने तीखा आरोप लगाया कि कांग्रेस का प्रिय खेल आपस में लड़ना है। बनासकांठा जिला कांग्रेस संगठन को लेकर पैदा हुए आंतरिक मतभेद और गुटबाजी जब हर नुक्कड़ और चौराहे पर चर्चा का विषय बनी हुई है, तब जयराजसिंह का यह बयान कांग्रेस के लिए आग में घी डालने के समान साबित हुआ है। बनासकांठा कांग्रेस का विवाद भाजपा के लिए फायदा उठाने का अवसर बन गया है। बनासकांठा, जो एक समय कांग्रेस का मजबूत गढ़ माना जाता था, वहां संगठन के ढांचे और पदाधिकारियों की नियुक्ति को लेकर नेता आपस में आमने-सामने आ गए हैं। जिला स्तर पर पदों और सत्ता के बंटवारे के मुद्दे पर पैदा हुई दरारें अब केवल बंद दरवाजों के पीछे नहीं, बल्कि सार्वजनिक चर्चा का विषय बन गई हैं। जयराजसिंह परमार स्वयं दशकों तक कांग्रेस के संगठन में रह चुके हैं, इसलिए वे कांग्रेस के भीतर की कमजोरियों और मानसिकता से बहुत अच्छी तरह वाकिफ हैं। जब वे यह बयान देते हैं, तब यह केवल एक राजनीतिक प्रहार नहीं रह जाता बल्कि कांग्रेस की पुरानी बीमारी पर सीधी उंगली उठाने के समान बन जाता है। महानगर मेट्रो का विश्लेषण है कि इस टिप्पणी को दो अलग-अलग दृष्टिकोणों से जांचना आवश्यक है: पहला है कांग्रेस की वास्तविकता और कड़वा सच। कांग्रेस दल के लिए चुनाव जीतने से पहले अपने ही नेताओं को संभालना एक बड़ी चुनौती बन गया है। कार्यकर्ता जब जनता के सवालों के लिए लड़ने के बजाय पदों के लिए आपस में लड़ते हैं, तब जनता का विश्वास डगमगा जाता है। भाजपा इसी कमजोरी का राजनीतिक लाभ उठा रही है। दूसरा है भाजपा की विमर्श बनाने की राजनीति। भाजपा के नेता बहुत ही योजनाबद्ध तरीके से जनता के सामने यह विमर्श स्थापित कर रहे हैं कि कांग्रेस एक बिखरा हुआ घर है जो देश या राज्य का नेतृत्व करने में सक्षम नहीं है। जयराजसिंह जैसे पूर्व कांग्रेसी नेता का उपयोग करके भाजपा इस आवाज को और अधिक धारदार बना रही है। महानगर मेट्रो के तीखे सवाल हैं कि बनासकांठा जैसे महत्वपूर्ण जिले में आंतरिक विवाद शांत करने में प्रदेश कांग्रेस आलाकमान क्यों विफल साबित हो रहा है? विपक्ष के रूप में जनता के मुद्दे उठाने के समय आपस में लड़कर क्या कांग्रेस स्वयं ही भाजपा को निर्विरोध जगह दे रही है? अगर कांग्रेस अपने आंतरिक मतभेदों और आपस में लड़ने के खेल को तत्काल बंद नहीं करती है, तो आगामी राजनीतिक लड़ाइयों में जनता उसे गंभीरता से लेना बिल्कुल बंद कर देगी, इसमें कोई संदेह नहीं है।

भाजपा के ही सदस्य ने सरकार के खिलाफ किया बगावत

गलतेश्वर तहसील पंचायत के भाजपा सदस्य ईश्वरसिंह परमार के कड़े प्रहारों से राजनीति गरमाई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खेड़ा/गलतेश्वर। तहसील पंचायत की ग्रांट काटकर पंचायतों को सीधे आवंटित करने के सरकार के फैसले के खिलाफ भारी विरोध: 'वार्षिक 3 लाख की ग्रांट देकर सरकार ने हमारा मजाक उड़ाया, 5 साल बाद लोगों को क्या मुंह दिखाएंगे?' - ईश्वरसिंह परमार गुजरात सरकार द्वारा तहसील पंचायतों की ग्रांट में कटौती करके ग्रांट सीधे ग्राम पंचायतों को आवंटित करने का जो फैसला लिया गया है, उसके खिलाफ अब सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा के अंदर से ही भारी विरोध और असंतोष का विस्फोट हुआ है! खेड़ा जिले की गलतेश्वर तहसील पंचायत के भाजपा के ही चुने हुए सदस्य ईश्वरसिंह परमार ने सरकार के इस फैसले के खिलाफ खुलेआम बगावत का बिगुल फूंककर अपनी ही सरकार पर सवाल खड़े कर दिए हैं। उनकी इस फेसबुक पोस्ट ने भाजपा की आंतरिक राजनीति में बड़ा भूकंप ला दिया है। ईश्वरसिंह परमार ने अपनी सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से सरकार के इस फैसले को गंभीर अन्याय बताते हुए लिखा है कि: सदस्यों के साथ मजाक: तहसील पंचायत के सदस्य को सालाना केवल 3 लाख की ग्रांट मिलती है। साल में 3 लाख में कौन सा बड़ा विकास कार्य पूरा किया जा सकता है? सरकार को तहसील पंचायत के प्रतिनिधियों के साथ इस तरह का मजाक नहीं करना चाहिए। जनता के बीच जाने का डर: 5 साल के अंत में केवल ?15 लाख का काम करके लोकतंत्र में जनता के सामने किस मुंह से वोट मांगने जाएं और लोगों को क्या मुंह दिखाएं? पूरे गुजरात के सदस्यों के साथ अन्याय: ग्रांट काटकर सीधे पंचायतों को देने के फैसले से सिर्फ गलतेश्वर ही नहीं, बल्कि पूरे गुजरात की सभी तहसील पंचायतों के चुने हुए प्रतिनिधि अन्याय का शिकार हुए हैं। ईश्वरसिंह परमार ने केवल विरोध जताकर रुकने का नाम नहीं लिया है, बल्कि इस मुद्दे पर आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया है। उन्होंने घोषणा की है कि आने वाले दिनों में गुजरात की सभी तहसील पंचायतों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, कार्यकारिणी अध्यक्ष, न्याय समिति के अध्यक्ष और सदस्यों को एक मंच पर इकट्ठा किया जाएगा। इन सभी चुने हुए प्रतिनिधियों की एक मजबूत टीम बनाकर सीधे मुख्यमंत्री से व्यक्तिगत रूप से मिलकर जोरदार ज्ञापन सौंपा जाएगा। अपनी ही पार्टी के चुने हुए प्रतिनिधि द्वारा सरकार के फैसले के खिलाफ इस तरह से सार्वजनिक विरोध दर्ज कराने से खेड़ा जिला भाजपा संगठन और गांधीनगर के राजनीतिक गलियारों में सन्नाटा छा गया है। अब देखना यह होगा कि ईश्वरसिंह परमार के इस झंडे तले गुजरात की अन्य तहसील पंचायतों से भाजपा के कौन-कौन से चुने हुए सदस्य गांधीनगर तक उनके साथ जुड़ते हैं। महानगर मेट्रो न्यूज इस ग्रांट विवाद और तहसील पंचायतों की राजनीति पर लगातार नजर बनाए रखेगा!

दिग्गज अभिनेता सिद्धार्थ रांदेरिया की दिल छू लेने वाली फिल्म 'जिंदगी वंस मोर' का अब ओटीटी पर धमाकेदार आगमन!

धर्मा प्रोडक्शंस की पहली गुजराती फिल्म का डिजिटल प्रीमियर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। गुजराती सिनेमा के मल्टीप्लेक्स और थिएटरों में धूम मचाने के बाद, सिद्धार्थ रांदेरिया अभिनीत सुपरहिट और भावनात्मक फिल्म 'जिंदगी वंस मोर' अब डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दर्शकों का दिल जीतने के लिए तैयार है। थिएटरों में रिलीज हुई इस चर्चित फिल्म का प्रसिद्ध ओटीटी प्लेटफॉर्म 'शेमारूमी' पर एक्सक्लूसिव प्रीमियर होने जा रहा है।

धर्मा प्रोडक्शंस का ऐतिहासिक पदार्पण

करण जौहर के सुप्रसिद्ध बैनर 'धर्मा प्रोडक्शंस' के लिए यह फिल्म बेहद खास है, क्योंकि धर्मा प्रोडक्शंस ने प्रेजेंटर और डिस्ट्रीब्यूटर के रूप में इस फिल्म के जरिए पहली बार गुजराती सिनेमा में प्रवेश करके नया इतिहास रचा है। वार्ताकार फिल्म्स द्वारा निर्मित और वसु ढोलकिया द्वारा प्रोड्यूस की गई यह फिल्म पारिवारिक रिश्तों, त्याग और पिता-पुत्र के अनदेखे भावनात्मक संबंधों को दर्शाती है।

दूसरा मौका और पिता की शांत शक्ति की अद्भुत कहानी

फिल्म की कहानी मुख्य रूप से जीवन में मिलने वाले 'दूसरे मौके' और पितृत्व के अनकहे अध्यायों पर आधारित है। परिवार में हमेशा मजबूत और शांत दिखने वाले पिता अपने सपनों का त्याग करके बच्चों के लिए क्या-क्या कुर्बानियां देते हैं, इसे इस फिल्म में बखूबी पिरोया गया है। सिद्धार्थ रांदेरिया की प्रतिक्रिया: मुख्य भूमिका निभाने वाले दिग्गज कलाकार सिद्धार्थ रांदेरिया ने कहा, 'पिता के मौन के पीछे छिपी शांत शक्ति को पर्दे पर जीवंत करना का यह अनुभव बेहद भावुक करने वाला था। मुझे उम्मीद है कि इस फिल्म को देखकर दर्शक अपने पिता के प्रति एक नई समझ और स्नेह से देखेंगे।' दीप ढोलकिया का किरदार: फिल्म में पिता के अतीत की खोज करने वाले बेटे शेखर की भूमिका निभाने वाले दीप ढोलकिया ने कहा कि यह फिल्म हर युवा को देखनी चाहिए ताकि वे समय रहते अपने परिवार और पिता के त्याग की कीमत समझ सकें।

मनोरंजन और संवेदना का संगम

गुजराती मनोरंजन क्षेत्र में शेमारूमी हमेशा गुणवत्तापूर्ण कंटेंट परोसता रहा है, ऐसे में 'जिंदगी वंस मोर' उनकी एक अर्थपूर्ण नई पेशकश है। अगर आप परिवार के साथ बैठकर भावनात्मक और संवेदनशील कहानी देखना चाहते हैं, तो सिर्फ शेमारूमी पर स्ट्रीम हो रही यह फिल्म देखना बिल्कुल न भूलें!

नौकरी के लिए राजस्थान से अहमदाबाद आए युवक पर शेरथा में जानलेवा हमला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। दाल-रोटी कमाने और अपने परिवार का पेट पालने के लिए राजस्थान से अहमदाबाद आए एक निर्दोष युवक पर खूनी हमला होने से भारी हड़कंप मच गया है। अदालज पुलिस स्टेशन के तहत आने वाले शेरथा गांव में रिक्शा चलाने को लेकर हुए मामूली विवाद में इस प्रवासी युवक पर लोहे की पाइप और लकड़ी के डंडों से जानलेवा हमला किए जाने का गंभीर आरोप सामने आया है। मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित युवक प्रतीक जाट पर अचानक टूटे तत्वों ने इतनी क्रूरता से मारपीट की कि युवक के माथे पर गंभीर फ्रैक्चर हो गया है और वह अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच जूझ रहा है। 3 के खिलाफ नामजद शिकायत: इस खूनी हमले के संबंध में अदालज पुलिस स्टेशन में 3 हमलावरों के खिलाफ नामजद शिकायत दर्ज की गई है। आमने-सामने क्रॉस शिकायत: हमलावरों ने भी अपने बचाव में क्रॉस शिकायत दर्ज कराई है, जिससे कानूनी जांच में देरी हो रही है। घटना के समय हमलावरों ने आसपास के 9 से 10 असामाजिक तत्वों की भीड़ को मौके पर बुलाकर आतंक मचाया था। इसके बावजूद अदालज पुलिस की कार्यशैली पर कई सवाल खड़े हो रहे हैं: भीड़ में शामिल अन्य असामाजिक आरोपियों से पुलिस ने अब तक कड़ी से पूछताछ की या नहीं? दिन-दहाड़े प्रवासी युवक का सिर फोड़ने वाले मुख्य आरोपी अभी तक पुलिस की पकड़ से बाहर क्यों हैं? क्या अदालज पुलिस क्रॉस शिकायत के नाम पर मुख्य आरोपियों को बचाने या मामले को दबाने का प्रयास कर रही है?

महानगर मेट्रो का स्पष्ट सुर

राजस्थान से नौकरी की तलाश में आए युवक पर इस तरह जानलेवा हमला हो और हमलावर खुलेआम घूमते रहें, यह शांति और कानून-व्यवस्था पर बड़ा दाग है। महानगर मेट्रो न्यूज मांग करता है कि अदालज पुलिस बिना किसी दबाव के सभी हमलावरों को तुरंत गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजे!

नशे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई हो नशे की जड़ को खत्म करो गृह मंत्री विजय शर्मा

लगातार मीडिया की चर्चा में रहे गृह मंत्री के विभाग में सर्वाधिक शिकायत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजनांदगांव। कवर्धा से हाइलाइट होने वाले तत्कालीन जिला पंचायत सदस्य वर्तमान सरकार में डिप्टी सीएम एवं गृह मंत्री विजय शर्मा कवर्धा में राजनांदगांव रेंज के एनडीपीएस कार्यक्रम में राजनांदगांव रेंज के राजपत्रित अधिकारी और पुलिस अधिकारियों को एक कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे उन्होंने कहा कि नशे पर अब प्रभावी अंकुश लगाने की जरूरत है इसके जड़ तक जाने की जरूरत है ऐसी खबरें सुनकर एक आम नागरिक में जोश उत्पन्न हो जाता है उन्हें लगने लग जाता है कि जैसे अब नशा के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी लेकिन आपकी जानकारी के लिए बता दे कि ऐसे कार्यक्रम महज एक प्रचार पाने का एक माध्यम होता है दूसरी ओर अगर गृह मंत्री डिप्टी सीएम विजय शर्मा की बात की जाए इसके पहले उन्होंने राजधानी रायपुर में बड़ा दावा किया था कि नशे से या काले कारोबार से कुछ लोग प्रॉपर्टी या पैसा कमा कर बैठ गए हैं ऐसे लोग यह न सोचें कुछ महीने काम करके प्रॉपर्टी

जमा करके बाकी पैसे से आसानी से जिंदगी जिया जा सके उस पर भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी झूठा साबित हुई सरकार बनने के बाद महज लोगों में सस्ती मनोरंजन करने के लिए कुछ माफियाओं के घरों को या अतिक्रमण को साफ कर करके बुलडोजर चला कर छत्तीसगढ़ में यह जताने की कोशिश की सरकार देश के सर्वाधिक चर्चित मुख्यमंत्री और देश के सबसे बड़े राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नक्शे कदम पर चल रही है लेकिन पाठकों की जानकारी के लिए बता दे योगी योगी है योगी के सामने ना कोई टीका है ना टीक पाएगा रही बात छत्तीसगढ़ सरकार की योगी आदित्यनाथ की सरकार से छत्तीसगढ़ सरकार की तुलना करना महज एक बेवकूफी होगी राजनांदगांव रेंज में गृह मंत्री श्री विजय शर्मा समीक्षा बैठक ले रहे थे इस रेंज में छत्तीसगढ़ में सर्वाधिक शराब तस्करी मध्य प्रदेश महाराष्ट्र जैसे राज्यों से होती है दूसरी ओर सर्वाधिक अपराधिक क्षेत्र में भी राजनांदगांव रेंज ही आता है और अगर अवैध काम से प्रॉपर्टी बनाने की बात किया जाए तो यहां कई ऐसे तस्कर है जो पहले जिन्हें दो वक्त की खाना नसीब नहीं होती थी आज वह लाखों और करोड़ों में खेल रहे है और शासन प्रशासन को मुंह चिढ़ा रहे हैं बड़े-बड़े मंचों पर सेमिनारों पर बड़ी-बड़ी बातें कर देने से कहीं कुछ होने वाला नहीं है धरातल में काम करने पर ही कुछ हो पाएगा अन्यथा वही ढाक के तीन पात वाली कहावत है जैसा चल रहा है वैसा चलने दीजिए हेमंत वर्मा की कलम से..

आबू मार्बल एसोसिएशन के सभागार में नई कार्यकारिणी का गठन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूरोड । आबूरोड में आबू मार्बल एसोसिएशन के सभागार में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत पूर्व अध्यक्ष भगवान अग्रवाल ने की। उन्होंने चार्ज हैंडओवर-टेकओवर की औपचारिक प्रक्रिया पूरी करवाईइसके बाद नए अध्यक्ष रमन बंसल ने नई कार्यकारिणी की घोषणा की। कार्यकारिणी में दिनेश गर्ग और अजयपाल सिंह को उपाध्यक्ष बनाया गया। आशीष गर्ग को सचिव और त्रिलोक चौधरी को कोषाध्यक्ष चुना गया।धीरज यादव को सह सचिव और हामीद चंदीजा को सह कोषाध्यक्ष बनाया गया। वहीं, विजय गुप्ता और पवन यादव को सलाहकार की जिम्मेदारी दी गई।कार्यकारिणी सदस्य के तौर पर संजीव भारद्वाज, विकास अग्रवाल, प्रतीक अग्रवाल, बने सिंह, महेंद्र सिंह शेखावत, उत्तम पटेल, सुनील गर्ग, अजय जैन, भंवर सिंह राजपुरोहित, अंकित भावनगरी, दिनेश बंसल और गणपत कच्छवा को मनोनीत किया गया।नए अध्यक्ष रमन बंसल ने चुनाव में समर्थन देने के लिए सभी सदस्यों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि एसोसिएशन के हित में सभी साथियों को साथ लेकर सकारात्मक और विकास के काम किए जाएंगे। इनका काम जल्दी ही शुरू किया जाएगा। इस मौके पर सचिव आशीष गर्ग और कोषाध्यक्ष त्रिलोक चौधरी ने भी अपनी आने वाली योजनाओं के बारे में बताया। कार्यक्रम के आखिर में मौजूद सदस्यों ने नई कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारियों और सदस्यों को बधाई और शुभकामनाएं दीं।

निकाय चुनाव से पहले गहलोत का भाजपा पर हमला, बोले- बोर्ड बनाने के लिए पार्षदों पर दबाव और करोड़ों की रिश्वत के आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर,। राजस्थान में नगर निकायों के बोर्ड गठन से पहले कांग्रेस ने भाजपा और राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दावा किया कि मुख्यमंत्री कार्यालय में तैनात एक आईएएस अधिकारी कलेक्टरों और एसडीएम पर भाजपा के बोर्ड बनवाने के लिए दबाव डाल रहा है। गहलोत ने यह आरोप गुरुवार को सामाजिक माध्यम 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए लगाए। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और भाजपा या राज्य सरकार की ओर से इस पर प्रतिक्रिया का इंतजार है। गहलोत ने आरोप लगाया कि मेयर और चेयरमैन बनाने के लिए निर्दलीय तथा दूसरे दलों के पार्षदों को करोड़ों रुपए की रिश्वत देने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि जो पार्षद इसके लिए तैयार नहीं हैं, उन्हें पुलिस के जरिए डराने-धमकाने या जबरन उठाने की कोशिश की जा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति बड़ी रकम खर्च कर मेयर या चेयरमैन का पद हासिल करता है तो बाद में उस रकम की भरपाई के लिए भ्रष्टाचार बढ़ सकता है। उन्होंने आशंका जताई कि इसका असर सड़क, नाली, पट्टे और अन्य विकास कार्यों से जुड़े कामों पर पड़ सकता है।

डोटासरा ने भी सरकार पर साधा निशाना

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भी निकाय बोर्ड गठन को लेकर भाजपा पर दबाव की राजनीति के आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि जनता के जनादेश को प्रभावित करने में भूमिका निभाने वाले लोगों की जवाबदेही तय की जाएगी। डोटासरा ने अधिकारियों से निष्पक्ष भूमिका निभाने की अपील भी की है।निकाय चुनाव के बाद कई स्थानों पर बोर्ड गठन को लेकर राजनीतिक दलों के बीच जोड़तोड़ तेज है। जहां किसी एक दल को स्पष्ट बहुमत नहीं मिला है, वहां निर्दलीय और अन्य दलों के पार्षदों की भूमिका महत्वपूर्ण हो गई है। ऐसे में पार्षदों की बाड़ेबंदी और उन्हें अपने पक्ष में करने को लेकर भाजपा और कांग्रेस के बीच आरोप-प्रत्यारोप जारी हैं।

राजस्थान पंचायत चुनावः 23 सितंबर को प्रधान-जिला परिषद की आरक्षण लॉटरी, 24 को सरपंच-पंच का नंबर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। राजस्थान में पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव की तैयारियां फिर तेज हो गई हैं। सरकार ने आरक्षण लॉटरी की नई तारीखें घोषित कर दी हैं। अब जिला परिषद सदस्य, पंचायत समिति सदस्य और प्रधान पदों के आरक्षण की लॉटरी 23 सितंबर को जिला स्तर पर होगी। वहीं 24 सितंबर को उपखंड स्तर पर सरपंच और वार्ड पंच पदों के आरक्षण की लॉटरी निकाली जाएगी। पंचायतीराज विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्धारित तारीखों पर प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

पहले 17 और 18 सितंबर को होनी थी लॉटरी

आरक्षण की लॉटरी पहले 17 सितंबर को प्रधान, पंचायत समिति सदस्य और जिला परिषद सदस्य पदों के लिए तथा 18 सितंबर को पंच और सरपंच पदों के लिए प्रस्तावित थी। लेकिन 15 सितंबर को इसे स्थगित कर दिया गया। इसके पीछे शहरी निकायों के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पदों के चुनाव की प्रक्रिया को वजह बताया गया था।

इससे पहले भी टल चुकी है प्रक्रिया

पंचायतीराज चुनाव की आरक्षण लॉटरी इससे पहले भी स्थगित हो चुकी है। अगस्त में प्रस्तावित प्रक्रिया को बाद में सितंबर के लिए तय किया गया था। लगातार तारीखों में बदलाव के बाद अब 23 और 24 सितंबर की नई तारीख तय की गई है।

लॉटरी के बाद चुनाव कार्यक्रम पर नजर

आरक्षण लॉटरी पूरी होने के बाद राज्य निर्वाचन आयोग पंचायतीराज चुनाव का कार्यक्रम घोषित कर सकता है। हालांकि चुनाव की अंतिम तारीख और कार्यक्रम की घोषणा निर्वाचन आयोग की ओर से ही की जाएगी। उपलब्ध तैयारियों के अनुसार सितंबर के अंतिम सप्ताह में चुनाव कार्यक्रम सामने आने की संभावना जताई जा रही है।

नवंबर तक चुनाव कराने की तैयारी

पंचायतीराज संस्थाओं के चुनाव की प्रक्रिया निर्धारित समय सीमा में पूरी कराने की तैयारी है। आरक्षण की लॉटरी के बाद संभावित प्रत्याशियों के सामने यह स्पष्ट हो जाएगा कि कौन-सी सीट किस वर्ग के लिए आरक्षित है। इसके बाद ग्रामीण क्षेत्रों में चुनावी गतिविधियां और तेज होने हैं।

माउंट आबू में दो जगह अवैध निर्माण ध्वस्त, देव कॉटेज के तीन कमरे और हेटम जी गांव में एक कमरा गिराया

नगर पालिका की कार्रवाई से मचा हड़कंप; पीस पार्क के सामने पहली मंजिल पर बिना अनुमति बन रहे थे कमरे, हेटम जी गांव में भी छत डालने की तैयारी थी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

माउंट आबू। शहर में अवैध निर्माण के खिलाफ नगर पालिका की कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में गुरुवार को नगर पालिका की टीम ने दो अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए बिना अनुमति किए जा रहे निर्माण को ध्वस्त कर दिया। पहली कार्रवाई ओरिया गांव में पीस पार्क के सामने स्थित देव कॉटेज में हुई, जबकि दूसरी कार्रवाई हेटम जी गांव में की गई। नगर पालिका को सूचना मिली थी कि देव कॉटेज की पहली मंजिल पर बिना अनुमति के तीन कमरों का निर्माण कराया जा रहा है। मौके पर पहुंची टीम ने जांच की तो निर्माणाधीन कमरों की दीवारें तैयार मिलीं और छत डालने की तैयारी चल रही थी। सूचना के बाद नगर पालिका आयुक्त त्रिकम नाम चरण ने जन लक्ष्मण और शिल्पा बिष्ट की टीम को मौके पर भेजकर निर्माण की जानकारी जुटाई।जांच के बाद नगर पालिका के अवैध निर्माण दस्ते ने कार्रवाई करते हुए देव कॉटेज की पहली मंजिल पर बनाए जा रहे तीनों कमरों को ध्वस्त कर दिया। टीम ने मौके पर मौजूद निर्माण कार्य को हटाते हुए आगे का काम भी रुकवा दिया। इसके बाद नगर पालिका को हेटम जी गांव में भी बिना अनुमति निर्माण की जानकारी मिली। यहां एक कमरे का निर्माण कराया जा रहा था। कमरे की चारों दीवारें तैयार हो चुकी थीं और छत डालने की तैयारी की जा रही थी। सूचना मिलने के बाद नगर पालिका की टीम मौके पर पहुंची और निर्माण की स्थिति का जायजा लिया। जांच के बाद इस निर्माण को भी ध्वस्त कर दिया गया।माउंट आबू में निर्माण को लेकर नियमों का पालन कराने के लिए प्रशासन की ओर से लगातार निगरानी की जा रही है। माउंट आबू इको-सेंसिटिव क्षेत्र में निर्माण संबंधी नियमों के तहत नगर पालिका और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों की अनुमति महत्वपूर्ण है। राजस्थान हाईकोर्ट और पर्यावरण संबंधी नियमों के कारण यहां निर्माण गतिविधियों पर विशेष निगरानी रहती है।नगर पालिका की ओर से की गई इस कार्रवाई के बाद निर्माण कार्य कराने वालों में भी हड़कंप की स्थिति रही। प्रशासन का कहना है कि

बिना अनुमति किए जा रहे निर्माण के खिलाफ आगे भी नियमानुसार कार्रवाई जारी रहेगी।

पाली में कांग्रेस के सिंबल को लेकर विवाद, विधायक भाटी के भाई से मारपीट का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

पाली। नगर निगम महापौर चुनाव को लेकर पाली में कांग्रेस के भीतर सिंबल को लेकर विवाद सामने आया है। कांग्रेस विधायक भीमराज भाटी ने आरोप लगाया कि पार्टी की ओर से जयपुर से भेजे गए पर्यवेक्षक को ढाई बजे के बाद कांग्रेस प्रत्याशी का सिंबल पेश करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन पर्यवेक्षक ने इससे पहले ही नाम भरकर सिंबल पेश कर दिया। इसी घटनाक्रम के बाद उनके भाई लक्ष्मीनारायण भाटी के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।विधायक भाटी ने आरोप लगाया कि बारसा रिसोर्ट में दूसरा सिंबल रखा हुआ था। आरोप है कि कुछ लोगों ने उसकी थैली छीन ली और मारपीट की। उन्होंने कहा कि उनके भाई का राजनीति से कोई लेना-देना नहीं है और वे केवल कांग्रेस पर्यवेक्षक के साथ नगर निगम गए थे। सिंबल जारी करने की

प्रक्रिया में उनके भाई की कोई भूमिका नहीं थी।विधायक भाटी ने यह भी आरोप लगाया कि कांग्रेस की महापौर प्रत्याशी सुमित्रा जैन पर तीन बार हमले का प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि पाली भगवान महावीर की नगरी है और इस तरह की घटनाएं स्वीकार नहीं की जा सकतीं। हालांकि इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है।लक्ष्मीनारायण भाटी के साथ मारपीट की घटना को लेकर दर्ज रिपोर्ट के अनुसार उनके साथ मारपीट की गई और 20 हजार रुपए तथा जरूरी दस्तावेज ले जाने का आरोप है। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। विधायक भाटी ने आरोप लगाया कि शिकायत दर्ज कराने के लिए उनके भाई को करीब साढ़े तीन घंटे थाने में बैठाए रखा गया। पुलिस मामले में लगाए गए आरोपों की जांच कर रही है विवाद राजनीतिक रूप से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

आबूरोड स्टेशन पर स्वच्छता ही सेवा अभियान शुरू, रेलकर्मियों ने ली स्वच्छता की शपथ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आबूरोड। रेलवे बोर्ड के निर्देश पर उत्तर-पश्चिम रेलवे के अजमेर मंडल में गुरुवार से स्वच्छता ही सेवा अभियान और स्वच्छता पखवाड़ा-2026 की शुरुआत हुई। अभियान का शुभारंभ आबूरोड रेलवे स्टेशन से किया गया। इस दौरान रेल अधिकारियों, कर्मचारियों और सफाईकर्मियों ने स्वच्छता की शपथ लेकर रेलवे परिसर को साफ रखने और पर्यावरण संरक्षण में योगदान देने का संकल्प लिया।आबूरोड स्टेशन पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान यात्रियों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया। रेलवे की ओर से यात्रियों को पर्चे बांटे गए और सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के माध्यम से साफ-सफाई का संदेश दिया गया। यात्रियों से रेलवे स्टेशन और आसपास के परिसर में कचरा नहीं फैलाने तथा निर्धारित स्थान पर ही कचरा डालने की अपील की गई।अजमेर मंडल के अधिकारियों के अनुसार स्वच्छता पखवाड़ा-2026 के तहत मंडल के विभिन्न रेलवे स्टेशनों, रेल कॉलोनियों, स्कूलों और अन्य संस्थानों में भी स्वच्छता से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। अभियान का उद्देश्य रेलवे परिसरों में स्वच्छता के साथ आम लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जिम्मेदार बनाना है।17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक चलने वाले इस अभियान की थीम 'स्वच्छता में सहभाग, स्वच्छ भारत, विकसित भारत' रखी गई है। अभियान के दौरान स्वच्छता जागरूकता, कचरे का अलग-अलग संग्रहण, पानी बचाने और बारिश के पानी के संग्रहण जैसे विषयों पर कार्यक्रम होंगे।रेलवे परिसरों में विशेष सफाई अभियान भी चलाए जाएंगे। अधिकारियों ने बताया कि अभियान के माध्यम से लगातार साफ-सफाई बनाए रखने, पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए लोगों को प्रेरित किया जाएगा।

जयपुर में भीषण आग, 25 दुकानें चपेट में

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। परकोटे के त्रिपोलिया बाजार स्थित मणिहारों के कटला के सेठी कॉम्पलेक्स में गुरुवार सुबह करीब 7 बजे भीषण आग लग गई। आग दूसरी मंजिल पर स्थित चूड़ियों के गोदाम से शुरू होने की बात सामने आई है। शुरुआती जांच में पुलिस ने आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया है। देखते ही देखते आग ने करीब 20 से 25 दुकानों और गोदामों को अपनी चपेट में ले लिया। इनमें कपड़ों के गोदाम, प्लास्टिक का सामान, सौंदर्य प्रसाधन और चूड़ियों की दुकानें शामिल थीं। सूचना मिलने के बाद सुबह करीब 8 बजे दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचना शुरू हुईं। संकरी गलियों और दुकानों में बड़ी मात्रा में ज्वलनशील सामान होने के कारण आग बुझाने में दमकलकर्मियों को काफी मशक्कत करनी पड़ी। करीब 25 से 30 दमकल गाड़ियों और 50 से अधिक कर्मचारियों की मदद से कई घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।आग के दौरान इलाके की बिजली आपूर्ति बंद कर दी गई। आसपास के पुरोहितजी का कटला सहित कई बाजारों को भी एहतियातन बंद रखा गया। इमारत में रखे पांच वाणिज्यिक गैस सिलेंडरों को दमकलकर्मियों ने समय रहते बाहर निकाल लिया। धुएं का गुबार सुभाष चौक से चांदपोल तक दिखाई दिया। इससे आसपास के लोगों को सांस लेने में परेशानी और आंखों में जलन की शिकायत हुई।

गार्ड ने ताला तोड़कर बचाई जान प्रत्यक्षदर्शी गार्ड विक्रम सिंह के अनुसार आग छोटू भाई के मणिहारी सामान के गोदाम में लगी थी। उस समय वह और तीन सफाईकर्मी अंदर मौजूद थे। आग बढ़ने पर उन्होंने ताला तोड़ा और शटर उठाकर बाहर निकलकर अपनी जान बचाई। शटर गर्म होने से विक्रम का हाथ भी झुलस गया।मानक चौक थाना क्षेत्र में करीब चार किलोमीटर तक यातायात प्रभावित हुआ और बड़ी चौपड़, जौहरी बाजार तथा त्रिपोलिया बाजार में जाम की स्थिति बनी। आग के दौरान एक दुकान की दीवार भी गिर गई। माणक चौक थाना अधिकारी राकेश ख्यालिया के अनुसार शुरुआती जांच में आग शॉर्ट सर्किट से लगने की बात सामने आई है। परिसर की अग्निशमन अनापत्ति प्रमाण-पत्र और सुरक्षा व्यवस्था की भी जांच की जाएगी। स्थानीय व्यापारियों ने आरोप लगाया कि इमारत में लगे अग्निशमन उपकरण लंबे समय से बंद पड़े थे।किशनपोल विधायक अमीन कागजी ने आरोप लगाया कि करीब पौने तीन साल में इमारत की अग्निशमन व्यवस्था की जांच नहीं की गई। वहीं हवामहल विधायक बालमुकुंद आचार्य ने पिछली सरकार के समय स्मार्ट सिटी के नाम पर हुए कार्यों और अग्निशमन अनापत्ति की जांच की मांग की। वेल्डिंग कार्य किए जाने का आरोप लगाया है।

पीएम मोदी के जन्मदिन पर राजस्थान में कई कार्यक्रम, जयपुर में 50 हजार दीयों से सजा अल्बर्ट हॉल

'आशीर्वाद का दीया' से लेकर स्वच्छता अभियान तक आयोजन; एक महीने तक चलेगा 'सेवा संकल्प अभियान'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर गुरुवार को राजस्थान में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए। जयपुर के अल्बर्ट हॉल पर उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा के नेतृत्व में 'एक दीप आशीर्वाद का' कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 50 हजार दीये जलाए गए। भाजपा ने 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक प्रदेशभर में 'सेवा संकल्प अभियान' चलाने की घोषणा की है।भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने जयपुर स्थित प्रदेश कार्यालय के साथ अमर जवान ज्योति पर भी दीप जलाया। इस दौरान सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा की मौजूदगी में पुष्प वर्षा की गई। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने घरों तथा सार्वजनिक स्थानों पर दीप जलाकर प्रधानमंत्री के स्वास्थ्य और दीर्घायु की कामना की।जयपुर में भाजपा पार्षदों ने

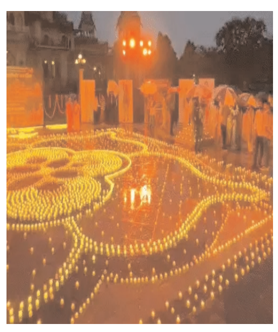

स्वच्छता अभियान चलाया। बाड़ेबंदी में रखे गए पार्षदों ने रिसॉर्ट के पिछले हिस्से में सफाई की और स्वच्छता की शपथ ली। वहीं कैबिनेट मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने झाड़खंड महादेव मंदिर में दीप जलाकर पूजा-अर्चना की।जयसिंहपुरा खोर की घुमंतू बस्ती में छह फीट का केक काटकर जन्मदिन मनाया गया। हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य ने बच्चों के साथ केक काटा। इसके बाद स्वच्छता महरैली निकाली गई और घर-घर जाकर साफ-सफाई का निरीक्षण किया गया। साफ-सुथरे घरों की महिलाओं को स्वच्छता पुरस्कार भी दिए गए।'सेवा संकल्प अभियान' के तहत एक महीने तक सेवा, स्वच्छता और जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रम होंगे। अभियान के तहत कार्यक्रमों की तस्वीरें और वीडियो सामाजिक माध्यमों पर साझा करने की व्यवस्था भी की गई है। अभियान के दौरान चिकित्सा विभाग की ओर से प्रत्येक जिले में रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे। इसके अलावा पूरे महीने अलग-अलग सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों से जुड़ी गतिविधियां और योजनाओं की जानकारी को सामाजिक माध्यमों पर साझा किया जाएगा।राजस्थान सरकार के अभियान पोर्टल के अनुसार 'सेवा संकल्प अभियान' 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। पोर्टल पर आयोजित कार्यक्रमों की तस्वीरें और प्रतिभागियों से जुड़ी जानकारी दर्ज करने की

देशभर के यूरोलॉजी विशेषज्ञ जयपुर में जुटेंगे, दो दिन में 25 से ज्यादा पुनर्निर्माण सर्जरी का होगा सीधा प्रसारण

एसएमएस अस्पताल की सुपर स्पेशियलिटी विंग के दो ऑपरेशन थिएटर से रोबोट और दूरबीन तकनीक से सर्जरी दिखाएंगे विशेषज्ञ

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जयपुर। देशभर के यूरोलॉजी विशेषज्ञ 18 और 19 सितंबर को जयपुर में आयोजित होने वाले दो दिवसीय सम्मेलन में जुटेंगे। टोंक रोड स्थित दुर्गापुरा के होटल रॉयल ऑर्किड में होने वाले सम्मेलन में यूरोलॉजी से जुड़ी बीमारियों, उनके उपचार और आधुनिक तकनीकों पर चर्चा की जाएगी। इस दौरान सवाई मानसिंह अस्पताल की सुपर स्पेशियलिटी विंग से पुनर्निर्माण सर्जरी का सीधा प्रसारण भी किया जाएगा।सम्मेलन के आयोजन अध्यक्ष और एसएमएस मेडिकल कॉलेज के यूरोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. शिवम प्रियदर्शी ने बताया कि सम्मेलन का शुभारंभ राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े करेंगे। उन्होंने बताया कि आयोजन का मुख्य उद्देश्य यूरोलॉजी के क्षेत्र में नए चिकित्सकों और प्रशिक्षण ले रहे विद्यार्थियों को पुनर्निर्माण सर्जरी की आधुनिक तकनीकों की जानकारी देना है।

दो ऑपरेशन थिएटर से होगा सीधा प्रसारण

सम्मेलन के दौरान एसएमएस अस्पताल के सुपर स्पेशियलिटी सेंटर में बनाए गए दो ऑपरेशन थिएटर से लगातार दो दिन तक 25 से अधिक पुनर्निर्माण सर्जरी की जाएंगी। इन सर्जरी का सम्मेलन स्थल पर मौजूद चिकित्सकों के लिए सीधा प्रसारण किया जाएगा।विशेषज्ञ रोबोट और दूरबीन तकनीक के माध्यम से की जाने वाली सर्जरी की प्रक्रिया, उसके दौरान आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान के बारे में जानकारी देंगे। इससे चिकित्सकों को वास्तविक सर्जरी की प्रक्रिया को सीधे देखने और नई तकनीकों को समझने का अवसर मिलेगा।

यूरोलॉजी विभाग के 50 वर्ष पूरे

डॉ. शिवम प्रियदर्शी ने बताया कि एसएमएस मेडिकल कॉलेज के यूरोलॉजी विभाग की स्थापना को 50 वर्ष पूरे हो चुके हैं। इस अवसर पर विभाग से शिक्षा प्राप्त कर चुके देशभर के यूरोलॉजी विशेषज्ञ भी सम्मेलन में शामिल होंगे।सम्मेलन में वरिष्ठ चिकित्सकों के साथ स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को भी शामिल किया गया है। आयोजन के दौरान विद्यार्थियों को विशेषज्ञों से सीधे सीखने और आधुनिक पुनर्निर्माण सर्जरी की तकनीकों को समझने का अवसर मिलेगा।

यूपीआई का सचः क्या डिजिटल पेमेंट के नाम पर आम आदमी को लूटा जा रहा है?

डिजिटल भुगतान और बैंकिंग व्यवस्था में आम आदमी के पैसों की सुरक्षा को लेकर आपकी चिंता समझी जा सकती है। वित्तीय पारदर्शिता और आर्थिक स्वतंत्रता बनाए रखना बहुत जरूरी है। लेकिन, सोशल मीडिया पर वायरल होने वाले ऐसे संदेशों में यूपीआई के बारे में कुछ गलतफहमियां और अधूरी जानकारी पेश की जाती है, जिसे वास्तविक तथ्यों के आधार पर समझना आवश्यक है।

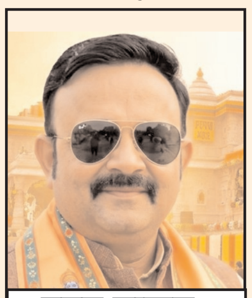

पवन माकन
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

2,000 से अधिक के लेनदेन पर शुल्क की वास्तविकता

आपके अपने बैंक खाते से दुकानदार के बैंक खाते में (बैंक-टू-बैंक) होने वाले यूपीआई लेनदेन ग्राहकों और व्यापारियों दोनों के लिए पूरी तरह से मुफ्त है, भले ही रकम 10 रुपए हो या 10, 000 रुपए। एनपीसीआई (भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम) के नियमों के अनुसार, जिस 0.4% से 1.1% शुल्क (इंटरचेंज शुल्क) की बात हो रही है, वह केवल पीपीआई (प्रीपेड पेमेंट इंस्ट्रूमेंट्स) यानी डिजिटल वॉलेट (जैसे पेटीएम वॉलेट, फोनपे वॉलेट) के माध्यम से व्यापारी के क्यूआर कोड पर 2,000 से अधिक के भुगतान पर ही लागू होता है। सीधे बैंक खाते से होने वाले सामान्य यूपीआई भुगतान पर ग्राहक या व्यापारी पर कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लगता है।

पैसों का रोटेशन और बैंकिंग व्यवस्था का प्रवाह

जब आप बाजार में नकद (कैश) का उपयोग करते हैं, तब भी अधिकांश दुकानदार दिन के अंत में अपनी बड़ी आय सुरक्षा के लिए बैंक में ही जमा कराते हैं। यूपीआई केवल इस प्रक्रिया को डिजिटल और सीधा बनाता है। पैसा नकद रूप में हो या डिजिटल, वह अंततः बैंकिंग व्यवस्था का ही हिस्सा बनता है। बैंकों में जमा राशि से ऋण (लोन) देना बैंकिंग व्यवस्था का मूलभूत नियम है और इसी से देश में विकास कार्य होते हैं। कॉर्पोरेट एनपीए (डूबत ऋण) निश्चित रूप से एक गंभीर राष्ट्रीय मुद्दा है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि यूपीआई का जन्म केवल उद्योगपतियों की तिजोरी भरने के लिए हुआ है।

छोटे व्यापारियों को होने वाले वास्तविक फायदे

डिजिटल व्यवस्था ने छोटे रेहड़ी-पटरी वालों और दुकानदारों को नुकसान नहीं पहुँचाया है, बल्कि उन्हें आर्थिक रूप से मजबूत बनाया है: औपचारिक ऋण (लोन) की सुविधा: पहले छोटे सब्जी वालों या चाय वालों को बैंक लोन नहीं देते थे क्योंकि उनके पास आय का कोई कागजी सबूत नहीं होता था। आज उनके खाते में यूपीआई द्वारा होने वाले दैनिक लेनदेन के डिजिटल फुटप्रिंट के आधार पर वे पीएम स्वनिधि जैसी योजनाओं के तहत बैंक से आसानी से बिना गारंटी के ऋण प्राप्त कर सकते हैं। रोजमर्रा की झंझटों से मुक्तिः ग्राहकों के साथ खुले पैसों की चिकचिक, फटे या नकली नोटों का डर और गल्ले से चोरी होने का जोखिम यूपीआई के कारण लगभग शून्य हो गया है।

नकद (कैश) और डिजिटल का संतुलन

आपकी यह बात बिल्कुल सही है कि नकद पैसा एक आर्थिक स्वतंत्रता का एहसास कराता है। आपातकाल के समय, तकनीकी खराबी आने पर या इंटरनेट बंद होने पर नकद ही काम आता है। इसलिए, पूरी तरह से कैशलेस होने की तुलना में लेस-कैश (कम नकद) यानी आवश्यकता के अनुसार दोनों का उपयोग करना अधिक व्यावहारिक है। यूपीआई कोई साजिश नहीं है, बल्कि एक आधुनिक तकनीक है जिसने भारत के अंतिम व्यक्ति को मुख्यधारा की आर्थिक व्यवस्था से जोड़ा है। अपनी सुविधा के अनुसार 10 रुपए की चाय के लिए नकद देना है या डिजिटल भुगतान करना है, यह चुनाव पूरी तरह से आपका है।

प्रेम... जो शब्दों में नहीं, अनुभूति में जिया जाता है

प्रेम एक ऐसा एहसास है, जिसे शब्दों की आवश्यकता नहीं होती। कभी किसी की आँखों में छलकती चिंता प्रेम बन जाती है, तो कभी किसी की निःशब्द प्रतीक्षा भी प्रेम की सबसे सुंदर भाषा बन जाती है। प्रेम का अर्थ केवल साथ रहना नहीं, बल्कि दूर रहकर भी किसी के सुख के लिए प्रार्थना करना है। जहाँ रिश्ते में अधिकार से अधिक समझ और शिकायत से अधिक स्नेह होता है, वहीं प्रेम धीरे-धीरे हृदय में अपना घर बना लेता है। प्रेम पाने की ज़िद नहीं,प्रेम तो किसी की मुस्कान में अपना सुख खोजने का नाम है। सच्चा प्रेम दिखावा नहीं करता। वह भीड़ में भी किसी एक व्यक्ति की खामोशी पढ़ लेता है। जब शब्द रुक जाते हैं, तब भावनाओं को समझ लेता है और कठिन समय में बिना किसी अपेक्षा के साथ खड़ा रहता है। आज के समय में रिश्ते अक्सर छोटी-सी गलतफहमी के कारण टूट जाते हैं। हम सामने वाले को समझने के बजाय उसे समझाने की जल्दबाज़ी करते हैं। जहाँ संवाद कम और अहंकार अधिक हो जाता है, वहाँ प्रेम होते हुए भी दूरियाँ बढ़ने लगती हैं। प्रेम को जीवंत रखने के लिए महंगे उपहारों की नहीं, थोड़ी समझ, थोड़ा समय, थोड़ा विश्वास और बहुत सारा स्नेह चाहिए। क्योंकि जीवन के अंत में उपहार याद नहीं रहते; याद रहता है तो यह कि किसी ने हमें कितने प्रेम से समझा था। प्रेम जीवन की सबसे सुंदर कविता है—जो लिखी नहीं जाती, केवल हृदय से पढ़ी जाती है।

(शुक्रवार) 18 सितंबर 2026

दैनिक राशिफल

मेष — कामकाज में अतिरिक्त जिम्मेदारी और नई चुनौतियां मिल सकती हैं, आर्थिक को राजनीति से दूर रहें।	**वृषभ** — कार्यक्षेत्र में वातावरण संतोषजनक रहेगा और पुराना बकाया धन वापस मिलने के मजबूत योग हैं।
मिथुन — आपकी कोई पुरानी या महत्वपूर्ण महत्वाकांक्षा पूरी हो सकती है। नौकरी में पदोन्नति और विस्तार के योग हैं।	**कर्क** — कामकाज के सिलसिले में कोई अच्छी या सुखद खबर मिल सकती है। बड़े बदलावों के लिए तैयार रहें।
सिंह — रोज़ी-रोजगार और आजीविका के क्षेत्र में मनमुताबिक सफलता हासिल होगी। वित्तीय लाभ सामान्य रहेगा।	**कन्या** — उन्नति के नए रास्ते खुलेंगे। रुके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है और कोई महत्वपूर्ण डील फाइनल होने के योग हैं।
तुला — परिवार में संतान के विवाह या किसी मांगलिक कार्य की योजना बन सकती है। काम के दबाव से थोड़ा स्ट्रेस हो सकता है।	**वृश्चिक** — जमीन-जायदाद और रियल एस्टेट से जुड़े मामलों में बड़ी सफलता मिल सकती है। धन का आगमन होगा।
धनु — शिक्षा, प्रतियोगिता और ज्ञान से जुड़े कार्यों में छात्रों को विशेष सफलता मिलेगी। विरोधी कमजोर होंगे।	**मकर** — काफी समय से चल रहे मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। व्यापार में नए प्रयोगों और आइडिया से लाभ होगा।
कुंभ — कारोबार में विस्तार और अटका हुआ पैसा वापस मिलने के योग हैं। ऑफिस पॉलिटिक्स और दूसरों के विवादों से दूर रहें।	**मीन** — जो लोग सिंगल हैं, उनकी लाइफ में किसी खास इंसान की एंट्री हो सकती है। सेहत का ध्यान रखें।

राहुल गांधी देश में जेन-ज़ी का माहौल बनाएं, और गुजरात में यूथ कांग्रेस से धड़ाधड़ इस्तीफे पड़ें!

एक तरफ कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी देश भर में युवाओं और जेन-ज़ी से जुड़ने के लिए नई रणनीतियां बना रहे हैं, तो दूसरी तरफ गुजरात में कांग्रेस की वास्तविकता बिल्कुल विपरीत और दयनीय तस्वीर पेश कर रही है। गुजरात में यूथ कांग्रेस के पदाधिकारी और युवा कार्यकर्ता निराश होकर इस्तीफे दे रहे हैं। पिछले 30 सालों से एक ही विफल चेहरों और पुरानी विचारधारा वाले नेताओं के हाथों में उलझी गुजरात कांग्रेस अगर अपना अस्तित्व बचाना चाहती है, तो अब अमूल-चूल परिवर्तन के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। गुजरात में विपक्ष के रूप में कांग्रेस की सबसे बड़ी कमजोरी यह रही है कि उसके ज्यादातर नेता सिर्फ एसी केबिनों में बैठकर प्रेस कॉन्फ्रेंस करने या सोशल मीडिया पर बयान देने तक ही सीमित हो गए हैं। जमीनी

पकड़ का अभावः सरकार की नीतियों, भर्ती घोटालों, महंगाई या प्रशासनिक अनियमितताओं के खिलाफ जनता में आक्रोश तो है, लेकिन इस आक्रोश को जन-आंदोलन में बदलने में कांग्रेस का नेतृत्व पूरी तरह विफल रहा है। पुराने चेहरों से जनता ऊबीः जिन नेताओं के नेतृत्व में पार्टी लगातार चुनाव हारती आ रही है, उन्हीं चेहरों को बार-बार आगे करके प्रदेश का नेतृत्व सौंपा जाता है। इससे आम मतदाताओं और युवाओं में कोई नया उत्साह पैदा नहीं होता।

गुजरात कांग्रेस को पुनर्जीवित करने का एकमात्र रास्ताः यूथ और नए चेहरे

अगर गुजरात में कांग्रेस को सही मायने में पुनर्जीवित करना है और भविष्य उज्ज्वल बनाना है, तो दिल्ली हाईकमान को कड़े फैसले लेकर खास रणनीति अपनानी होगीः नए और युवा चेहरों को कमानः प्रदेश अध्यक्ष से लेकर संगठन के मुख्य पदों पर पुराने और स्थापित हित रखने वाले नेताओं की जगह ऐसे युवा नेताओं को जिम्मेदारी सौंपनी होगी जो युवाओं और मतदाताओं के साथ सीधा संवाद साध सकें। सिर्फ इस्तीफे नहीं, स्थानः यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं को सिर्फ चुनावों में बैनर लगाने तक इस्तेमाल करने के बजाय उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया में जगह देनी होगी, ताकि इस्तीफों का दौर रुके। सड़क पर आंदोलनः जनता के मुद्दों के लिए एसी कमरे से बाहर निकलकर गर्मी की धूप में और सड़कों पर उतरकर लड़ाई लड़नी होगी।

महानगर मेट्रो का तीखा सुर

चुनाव सिर्फ अतीत के इतिहास पर नहीं जीते जाते, बल्कि वर्तमान में जनता के साथ जुड़ाव से जीते जाते हैं। अगर दिल्ली हाईकमान और गुजरात कांग्रेस समय रहते जागकर अपने संगठन में 'युवा क्रांति' नहीं लाएंगे, तो 30 साल का वनवास कभी खत्म नहीं होगा। गुजरात के युवाओं और जनता को आज एक आक्रामक, जमीनी और नया विपक्ष चाहिए - न कि एसी केबिन में बैठकर राजनीति करने वाले पुराने चेहरे!

फायर NOC रिश्वतकांडः नामजद खुलासे के बाद भी फिर रिश्वत के गंभीर आरोप!

जनता की जान और संपत्ति की सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माने जाने वाले 'फायर NOC' के नाम पर चल रहा भ्रष्टाचार का खेल थमने का नाम नहीं ले रहा है। अतीत में नामों के साथ खुलासा होने के बावजूद, प्रशासन के बेखौफ बने बाबू एक बार फिर लाखों रुपये की रिश्वत मांगने के गंभीर आरोपों में घेरे में हैं। कागज पर छापेमारी करने वाली एंटी करप्शन ब्यूरो की कार्यशैली और सरकार की आश्चर्यजनक चुप्पी अब जनता के विश्वास पर सीधा प्रहार कर रही है।

गॉडफादरों के दम पर बेखौफ बने बाबूः कब बंद होंगे ये गोरखधंधे?

फायर सेफ्टी की एनओसी प्राप्त करने के लिए कानूनी कागजात और सभी प्रक्रियाएं पूरी करने के बावजूद, केवल अपनी जेबें गर्म

करने के लिए अधिकारी आवेदकों को परेशान कर रहे हैं। गॉडफादरों की छत्रछायाः कॉम्प्लेक्स, अस्पताल या कमर्शियल बिल्डिंग को सील करने की धमकी देकर लाखों रुपये की रिश्वत वसूली जाती है। चर्चा तो यहां तक है कि ये बाबू अपने राजनीतिक और प्रशासनिक 'गॉडफादरों' के नाम पर खुलेआम हफ्ता वसूली कर रहे हैं। कार्रवाई के नाम पर सिर्फ नाटक? रिश्वतकांड में पकड़े गए या नामजद आरोपी बने अधिकारियों के खिलाफ ठोस कानूनी या विभागीय कार्रवाई करने के बजाय उन्हें बचाया जाता है। नतीजतन, एक अधिकारी पकड़ा जाता है तो उसकी जगह आने वाला नया बाबू भी वही भ्रष्ट रास्ता अपनाता है। सरकार की लाचारी या मौन सहमति? जीरो टॉलरेंस की बातें करने वाली सरकार की नाक के नीचे ही लाखों रुपये के लेन-देन हो रहे हैं, फिर भी कोई कड़ा उदाहरण पेश नहीं किया जा रहा है।

महानगर मेट्रो के तीखे सवाल

नामजद सबूतों और शिकायतों के बावजूद काली कमाई करने वाले फायर विभाग के अधिकारियों के खिलाफ मिसाल बनने वाली जेल की सजा क्यों नहीं होती? भ्रष्ट बाबुओं को बचाने वाले और पिछले दरवाजे से संभालने वाले उनके 'गॉडफादरों' पर कानून का शिकंजा कब कसेगा?

महानगर मेट्रो न्यूज की जनता से अपील

भ्रष्टाचार मिटाने की शुरुआत हमें खुद ही करनी होगी। 'महानगर मेट्रो न्यूज' गुजरात के सभी नागरिकों, व्यापारियों और संस्था चालकों से खुली अपील करता है: 'किसी भी स्थिति में फायर NOC या सरकारी काम के लिए एक भी रुपया रिश्वत के रूप में न दें। भ्रष्ट बाबुओं के खिलाफ आवाज उठाएं, उनकी ऑडियो-वीडियो रिकॉर्डिंग करें और कानूनी लड़ाई लड़ें। यदि जनता रिश्वत देना बंद कर देगी, तभी इस राक्षसी भ्रष्टाचार की कमर टूटेगी!'

12 वर्षों में ऐसी कौन सी चीज है जो सस्ती हुई?

धीमा जहर जनता को रास आ गया है...!

2014 से 2026 तक मध्यम वर्ग का आर्थिक शोषणः गैस, तेल, शिक्षा या वाहन...

सामान्य नागरिक की जेब पर महंगाई, अदृश्य शुल्कों और करों का ऐसा उलझा हुआ बोझ डाल दिया गया है कि जिसका अहसास जनता को धीरे-धीरे लेकिन बहुत गहरा हो रहा है। 'धीमा जहर' देने की आर्थिक नीतियों में देश का गरीब और मध्यम वर्ग पूरी तरह पिस रहा है। वर्ष 2014 की तुलना में 2026 में जनता की आय का ग्राफ वहीं का वहीं है, जबकि खर्च का ग्राफ आसमान छू रहा है। बड़े दावों और विज्ञापनों की चमक-धमक के पीछे आम परिवार की कराह और चीख दब गई है।

2014 बनाम 2026: जनता की जेब पर चरणबद्ध प्रहार

रसोई की होली और सब्सिडी की समाप्तिः 2014 से पहले मिलने वाली गैस सिलेंडर की सब्सिडी आज कागजों पर भी खोजना मुश्किल है। खाद्य तेल, दूध, दालें और सब्जियों के दाम दो से तीन गुना हो चुके हैं। गृहिणियों का बजट पूरी तरह बिगड़ गया है। **ईंधन और वाहन परिवहनः** पेट्रोल, डीजल

और सीएनजी के दामों में लगातार और चरणबद्ध बढ़ोतरी की गई। 2014 में जो सामान्य दोपहिया वाहन या स्कूटर 50,000 के आसपास आसानी से मिल जाता था, उसकी ऑन-रोड कीमत आज ?1 लाख का आंकड़ा पार कर चुकी है। मोबाइल और डिजिटल सेवाएंः एक समय सस्ते डेटा और मुफ्त कॉलिंग की आदत डालने के बाद, अब मोबाइल रिचार्ज प्लान में भारी बढ़ोतरी कर दी गई है। इनकमिंग सुविधा चालू रखने के लिए भी अनिवार्य रिचार्ज कराने की नीतियों से आम आदमी घिर चुका है। बैंकिंग प्रणाली और कर की मारः बैंक जमा या एफडी पर मिलने वाली ब्याज दरों में भारी कटौती कर दी गई है। दूसरी तरफ, न्यूनतम राशि न बनाए रखने पर जुर्माना, एसएमएस शुल्क, एटीएम लेनदेन शुल्क और अब यूपीआई शुल्क तथा कर की चर्चाओं के जरिए बैंक और सरकार आम नागरिक की गाढ़ी कमाई से ही अपनी तिजोरियां भर रहे हैं। सवाल यह उठता है कि - ऐसी कौन सी एक भी दैनिक आवश्यकता की चीज है जो 2014 की तुलना में आज वास्तव में सस्ती हुई हो? आय स्थिर, खर्च दोगुनाः जनता को आर्थिक रूप से निचोड़ने की नीति!सवाल सिर्फ मूल्य वृद्धि का नहीं है, बल्कि आय और खर्च के बीच बढ़ते भयानक असंतुलन का है। पिछले एक दशक में आम नौकरीपेशा, मजदूर या छोटे व्यापारी की वास्तविक आय में कोई उल्लेखनीय बढ़ोतरी नहीं हुई है। इसके विपरीत राशन, बच्चों की शिक्षा, दवाएं, बिजली बिल और अदृश्य जीएसटी का बोझ पांच गुना बढ़ गया है। जनता इस धीरे-धीरे बढ़ते बोझ को सहती रही और प्रशासन इसे जनता की मौन सहमति मानकर लगातार नए कर और शुल्क लगाता गया। अब स्थिति उस मोड़ पर पहुंच गई है जहां मध्यम वर्ग के पास बचत के नाम पर कुछ नहीं बचा है और उसे आर्थिक रूप से पूरी तरह निचोड़ने की ही कसर बाकी रह गई है।

महानगर मेट्रो का तीखा प्रश्न

आंकड़ों के विकास के बड़े-बड़े दावों के बीच क्या सरकार या विपक्ष कभी गरीब और मध्यम वर्ग की थाली, रसोई और खाली होती जेब की वास्तविकता पर नजर डालेगा? यदि यह महंगाई और अदृश्य शुल्कों का बोझ इसी तरह बढ़ता रहा, तो आम नागरिक के लिए सम्मानपूर्वक जीना कठिन हो जाएगा। जागो जनता जागो - आपके मौन को आपकी सहमति मानकर ही यह बोझ आप पर लगातार डाला जा रहा है!

नवरात्रि की पवित्रता पर 'पैकेज कल्चर' का प्रहारः संस्कृति बचेगी या सोशल मीडिया का शिकार बनेगी?

मां शक्ति की आराधना, गरबा और संस्कृति के सबसे पवित्र त्योहार नवरात्रि को अब कुछ विकृत तत्वों ने व्यापार का जरिया बना दिया हो, ऐसा चौकाने वाला मामला सामने आया है! सोशल मीडिया के दौर में लाइक्स और व्यूज की होड़ में नवरात्रि जैसे पवित्र पर्व पर 'गरबा पार्टनर पैकेज' का नया और अत्यंत चिंताजनक चलन वायरल हो रहा है। संस्कृति के संरक्षण की जगह अब गरबा खेलने के लिए किराए पर पार्टनर रखने की योजनाएं सामने आने से पूरे राज्य में भारी गुस्सा फैल गया है। इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर कुछ लोगों द्वारा जारी किए गए पैकेजों का ब्योरा सुनकर किसी भी समझदार नागरिक के होश उड़ जाएंगेः1500 का गोल्ड पैकेजः जिसमें चार घंटे तक साथ में गरबा खेलने का दावा किया जाता है। 2000 का प्लेटिनम पैकेजः जिसमें गरबा खेलने के साथ सेल्फी लेना, इंस्टाग्राम स्टोरी में टैग करना और सोशल मीडिया पर दिखावा शामिल है! ऐसे लुभावने और विकृत पैकेज घोषित करके मां की आराधना के उत्सव को मार्केटिंग और व्यापार का साधन बना दिया गया है। बेटियों की सुरक्षा पर बड़ा खतराः असुरक्षित माहौल की बड़ी चुनौती! गरबा पार्टनर के नाम पर चल रहा यह 'पैकेज कल्चर' न केवल संस्कृति का अपमान है, बल्कि हमारी बेटियों की सुरक्षा के लिए भी एक बहुत बड़ा खतरा और चुनौती साबित हो सकता है।

1. बिना पहचान का डरः किराए पर पार्टनर बनकर आने वाले व्यक्ति की असली पहचान या अतीत क्या है, इसकी कोई गारंटी नहीं होती।
2. अपराध और शोषण की आशंकाः ऐसे अनजान लोगों के साथ सोशल मीडिया पर दोस्ती करने या गरबा खेलने जाने से हनीट्रैप, वीडियो वायरल करने या ब्लैकमेलिंग जैसे गंभीर अपराधों का शिकार होने का जोखिम कई गुना बढ़ जाता है।
3. असामाजिक तत्वों को खुला मैदानः त्योहार के नाम पर बेटियों से छेड़छाड़ और असुरक्षित माहौल पैदा करने का खुला रास्ता बन रहा है।

क्या ऐसे तत्वों के खिलाफ प्रशासन कड़ा रुख अपनाएगा?

पाटीदार और पूरे जागरूक समाज के लोग अब एक ही सवाल पूछ रहे हैं कि हिंदू संस्कृति और पवित्र त्योहार की गरिमा को तार-तार करने वाले ऐसे मानसिक रूप से विकृत लोगों के खिलाफ पुलिस और गृह विभाग सख्त कार्रवाई करेगा या नहीं? पुलिस के साइबर क्राइम विभाग को ऐसे सोशल मीडिया अकाउंट्स पर तुरंत कार्रवाई करके इस प्रकार के पैकेज चलाने वालों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेजना चाहिए, ताकि हमारी बेटियां सुरक्षित रह सकें और गरबा की पवित्रता बनी रहे। महानगर मेट्रो जागरूकता संदेशः माता-पिता को भी अपनी बेटियों पर पूरी नजर रखनी चाहिए और सोशल मीडिया के ऐसे फर्जी तथा खतरनाक ट्रेंड्स से दूर रहने की सख्त हिदायत देना बेहद जरूरी है।

पाबंदियों की दीवार को गिराकर खुले दरवाजों वाला देश बने हैं हम

क्या होता अगर दस साल पहले कोई भारतीय लड़की कहती कि उसे रॉकेट बनाना है? इसरो में शामिल होकर नहीं, बल्कि खुद का रॉकेट। ऐसे में शायद उसके आसपास के लोग खामोश रह जाते। फिर कोई सहानुभूति से समझाता कि यह उसके बस की बात नहीं। कि इतने बड़े सपने तो दूसरे देशों के लोगों के लिए होते हैं। लेकिन 18 जुलाई 2026 को एक निजी भारतीय कंपनी का बनाया रॉकेट अंतरिक्ष की कक्षा में पहुंच गया। इसे स्काईरूट ने बनाया था, जिसकी बुनियाद दो युवा इंजीनियरों ने रखी थी। दोनों ने अपने काम छोड़कर इस लगभग नामुमकिन सपने को सच करने की ठानी थी। पिछले दस वर्षों में देश में प्रतिभाओं में कोई बदलाव नहीं आया है। भारत के पास काबिलियत हमेशा से थी। जो चीज बदली, वह था अवसर। हमारे इतिहास में ज्यादातर समय किसी बड़े सपने का जवाब होता था कि ऐसा करना मुमकिन नहीं। इसलिए नहीं कि काबिलियत में कमी थी। बल्कि इसलिए कि मंजिल तक पहुंचने का दरवाजा ही बंद था। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सबसे बड़ी कामयाबी यह रही कि अब वह दरवाजा खुल चुका है। इस बदलाव की गहराई को समझना जरूरी है। दशकों तक भारत में हर बड़े सपने को रुकावटों का सामना करना पड़ता था। कोई भी अहम काम करने के लिए आपको लाइसेंस, मंजूरी, जान-पहचान या प्रभावशाली परिवार के नाम की जरूरत पड़ती थी। जब दरवाजे कभी हों तो वे सबसे पहले उनके लिए खुलते हैं, जिनके पास पहले से चाबियां होती हैं। नौजवान, गरीब और वे लोग दरवाजे के बाहर ही इंतजार करते रह जाते थे, जिनके पास कोई बड़ी पहचान नहीं थी। प्रधानमंत्री मोदी ने इस बंद दरवाजे को देखा और समझा कि असल में इसके क्या कारण थे। उन्होंने बदलाव को एक ही लाइन में बयान किया- सरकार का रवैया 'जब तक इजाजत न हो, तब तक पाबंदी' से बदलकर 'जब तक मना न हो, तब तक इजाजत' हो गया है। 2016 में स्टार्टअप इंडिया की शुरुआत के समय देश में 350 स्टार्टअप थे। आज इनकी संख्या दो लाख से ज्यादा है इन्होंने बीस लाख से ज्यादा नौकरियां सृजित की हैं। ये अब हर कोने में पहुंच चुके हैं, जिनमें से एक लाख से भी अधिक की शुरुआत महिलाओं द्वारा की गई है।

पूर्व मंत्री राम आसरे कुशवाहा की 13 साल बाद सपा में वापसीभाजपा छोड़कर फिर थामा सपा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री राम आसरे कुशवाहा ने भारतीय जनता पार्टी छोड़कर एक बार फिर समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया है। करीब 13 साल बाद उनकी सपा में वापसी हुई है। यह घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है, जब उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज हैं। राम आसरे कुशवाहा ने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत बहुजन समाज पार्टी से की थी। वर्ष 1996 में वह बसपा के टिकट पर विधायक बने। इसके बाद वह समाजवादी पार्टी में शामिल हुए और संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभालीं। वह सपा के राष्ट्रीय महासचिव भी रहे और मुलायम सिंह यादव के करीबी नेताओं में उनकी गिनती होती थी। 2013 में मुजफ्फरनगर दंगों के दौरान उनका रुख पार्टी लाइन से अलग सामने आया था। इसके बाद उन्हें सपा के राष्ट्रीय महासचिव पद से हटा दिया गया और बाद में पार्टी से भी उनका अलगाव हो गया। इसके बाद उन्होंने भाजपा का रुख किया। अब करीब 13 वर्ष बाद उन्होंने फिर समाजवादी पार्टी में वापसी की है। सपा में शामिल होने के बाद कुशवाहा ने कहा कि उन्हें आज भी मुलायम सिंह यादव अपने बीच मौजूद महसूस होते हैं। उन्होंने अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री बनाने के लिए काम करने की बात भी कही और अपने समर्थकों से सक्रिय रहने की अपील की। राम आसरे कुशवाहा की पहचान पिछड़े वर्ग के नेता के रूप में रही है और वह लंबे समय से उत्तर प्रदेश की राजनीति में सक्रिय रहे हैं। उनकी वापसी के राजनीतिक प्रभाव को लेकर अलग-अलग आकलन किए जा रहे हैं, हालांकि इसका वास्तविक चुनावी असर आने वाले समय में स्पष्ट होगा।

तालिब से जुड़े विवाद और पिटाई की रंजिश में शिक्षक की हत्या

महानगर मेट्रो ब्यूरो

बिजनौर। उत्तर प्रदेश के बिजनौर में सरकारी शिक्षक नौशाद अहमद की हत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी गौरव राठी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, 15 सितंबर को स्कूल के बाहर शिक्षक को गोली मारने के बाद आरोपी खुद नजीबाबाद थाने पहुंचा और आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस ने उसके कब्जे से दो अवैध तमंचे, 315 बोर के सात जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया है। घटनास्थल से भी दो खोखे मिले हैं। पुलिस के मुताबिक, हत्या के पीछे करीब चार महीने पुराने युवती और तालिब नामक युवक से जुड़े विवाद की रंजिश सामने आई है। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसने युवती को तालिब के साथ मोटरसाइकिल पर देखा था। वह युवती को अपनी बहन मानता था। उसने इसकी जानकारी युवती के परिवार को दी। इसके बाद इस मामले को लेकर तालिब और आरोपी के बीच विवाद की स्थिति बनी। पुलिस के अनुसार, इसी विवाद में शिक्षक नौशाद का नाम सामने आया। आरोपी का दावा है कि नौशाद ने उसे इस मामले से दूर रहने के लिए कहा था। करीब चार दिन पहले दोनों के बीच विवाद और मारपीट हुई। पुलिस के मुताबिक, इसी घटना के बाद गौरव के मन में नौशाद के प्रति रंजिश पैदा हुई और उसने बदला लेने की बात पूछताछ में बताई। यह घटनाक्रम फिलहाल आरोपी के बयान और पुलिस की जांच पर आधारित है। 15 सितंबर को गौरव तमंचे लेकर सौपुरी स्थित स्कूल के बाहर पहुंचा। पुलिस के अनुसार, स्कूल से बाहर निकलते ही उसने नौशाद पर फायरिंग कर दी। गोली लगने से शिक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए ऋषिकेश स्थित एम्स ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। घटना के बाद आरोपी मौके से निकल गया और बाद में खुद थाने पहुंच गया। पुलिस ने आरोपी के पास से बरामद हथियारों और कारतूस के आधार पर हत्या के मुकदमे में आर्म्स एक्ट की धाराएं भी बढ़ाई हैं। घटना में इस्तेमाल बताई गई मोटरसाइकिल को भी कब्जे में लिया गया है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, गौरव के खिलाफ वर्ष 2024 में भी नजीबाबाद और मंडावली थानों में लूट और बरामदगी से संबंधित मुकदमे दर्ज हैं। मामले में पुलिस की आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

मंडी परिषद के पूर्व उपनिदेशक पर आय से अधिक संपत्ति का मामला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

गोंडा। मंडी परिषद गोंडा में उपनिदेशक के पद पर तैनात रहे रामनरेश सोनकर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में सतर्कता अधिष्ठान ने कार्रवाई तेज कर दी है। विजिलेंस की जांच के आधार पर सोनकर के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। जांच में उनकी ज्ञात एवं वैध आय की तुलना में करीब 45.61 लाख रुपये अधिक खर्च किए जाने का दावा किया गया है। रामनरेश सोनकर वर्तमान में बांदा में इसी पद पर तैनात बताए गए हैं। सतर्कता अधिष्ठान अयोध्या सेक्टर की जांच में सामने आया कि जांच अवधि के दौरान अधिकारी की ज्ञात एवं वैध आय 67 लाख 82 हजार 681 रुपये थी। इसके मुकाबले उनके द्वारा परिवार के भरण-पोषण, संपत्तियों के अर्जन, निवेश और अन्य खर्चों में कुल 1 करोड़ 13 लाख 44 हजार 108 रुपये खर्च किए गए। इस तरह आय और खर्च के बीच 45 लाख 61 हजार 427 रुपये का अंतर पाया गया। विजिलेंस ने आय-व्यय का मिलान किया जांच के दौरान सतर्कता अधिष्ठान ने अधिकारी की आय के विभिन्न स्रोतों और खर्चों का मिलान किया। इसके साथ ही संपत्तियों के अर्जन और उनसे जुड़े दस्तावेजों की भी जांच की गई। जांच एजेंसी के अनुसार, अधिकारी की वैध आय की तुलना में खर्च काफी अधिक पाया गया। अतिरिक्त खर्च और संपत्तियों के स्रोत को लेकर अधिकारी से स्पष्टीकरण भी मांगा गया। सतर्कता अधिष्ठान के मुताबिक, स्पष्टीकरण में आय और व्यय के बीच सामने आए अंतर को संतोषजनक तरीके से स्पष्ट नहीं किया जा सका। इसके बाद जांच रिपोर्ट शासन को भेजी गई। शासन स्तर से मामले में अभियोजन की स्वीकृति मिलने के बाद एफआईआर दर्ज कराने की कार्रवाई की गई। 2021 में शुरू हुई थी जांच बताया गया कि रामनरेश सोनकर के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित किए जाने की शिकायत के आधार पर वर्ष 2021 में खुली जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान उनकी आय, खर्च, संपत्तियों और निवेश से संबंधित जानकारियां जुटाई गईं। लंबी जांच के बाद सतर्कता अधिष्ठान ने अपनी रिपोर्ट शासन को भेजी। रिपोर्ट के आधार पर शासन से अभियोजन की मंजूरी मांगी गई। 15 जुलाई 2026 को अभियोजन की स्वीकृति मिलने के बाद सतर्कता अधिष्ठान अयोध्या सेक्टर ने अगस्त 2026 में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13(1)(बी) और 13(2) के तहत मुकदमा दर्ज किया। संपत्तियों और आय के स्रोत की होगी पड़ताल एफआईआर दर्ज होने के बाद अब मामले की विवेचना सतर्कता अधिष्ठान अयोध्या सेक्टर द्वारा की जा रही है।

अलीगढ़ में करणी सेना नेता को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अलीगढ़। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में क्षत्रिय युवा करणी सेना के जिलाध्यक्ष सचिन राघव के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। घटना सिविल लाइन थाना क्षेत्र की है, जहां बुधवार शाम कुछ लोगों ने सचिन राघव को घेरकर कथित तौर पर सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की पहचान शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि मामला यूजीसी के विरोध में आयोजित सवर्ण महापंचायत के दौरान हुई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़ा है। आरोप है कि महापंचायत में जाटव और वाल्मीकि समाज को लेकर टिप्पणी की गई थी। इसके बाद विवाद बढ़ गया। सचिन राघव भी महापंचायत में मौजूद थे। हालांकि, टिप्पणी किस व्यक्ति ने की थी और उसमें सचिन राघव की क्या भूमिका थी, इसे लेकर पुलिस जांच कर रही है। वायरल वीडियो में कुछ लोग सचिन राघव को घेरकर मारपीट करते दिखाई दे रहे हैं। आरोप है कि उन्हें थप्पड़ और बेल्ट से पीटा गया। वीडियो में सचिन हाथ जोड़कर माफी मांगते भी नजर आ रहे हैं। इसके बाद भीड़ उन्हें खींचकर अंबेडकर पार्क तक ले गई, जहां उनसे 'जय भीम' और डॉ. आंबेडकर व वाल्मीकि समाज के सम्मान में नारे लगवाने का आरोप है। उनके भाई और दोस्त के साथ भी मारपीट किए जाने

की बात सामने आई है। पुलिस ने दर्ज किया मामला सीओ सिविल लाइन सर्वम सिंह के अनुसार, थाना क्षेत्र में दो लोगों के साथ मारपीट की सूचना मिली थी और घटना का वीडियो भी सामने आया। पुलिस ने संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। आरोपियों की पहचान सीसीटीवी फुटेज और अन्य इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों के आधार पर की जा रही है। पुलिस का कहना है कि शांति व्यवस्था बिगाड़ने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद मामला और बढ़ गया है। गुरुवार को कुछ लोगों ने एक युवक को हिरासत में लिए जाने के विरोध में सिविल लाइन थाने पर प्रदर्शन किया। पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचकर स्थिति संभालने में जुटे हैं। मामले में मारपीट के कारणों, वायरल वीडियो और दोनों पक्षों की शिकायतों की जांच की जा रही है।

रीवा में कल्पना मिश्रा मौत मामले में कांग्रेस विधायक गिरफ्तार, धरना स्थल से पुलिस ने हिरासत में लिया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

रीवा। मध्य प्रदेश के रीवा में संजय गांधी अस्पताल में प्रसूता कल्पना मिश्रा और उनके नवजात बच्चे की मौत का मामला लगातार तूल पकड़ रहा है। न्याय की मांग को लेकर सिरमौर चौराहे पर चल रहे आंदोलन के बीच सेमरिया से कांग्रेस विधायक अभय मिश्रा को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। विधायक धरना स्थल पर आंदोलन को आगे बढ़ाने और समर्थकों के साथ आगे की रणनीति तय करने पहुंचे थे। पुलिस ने उन्हें मौके से हटाकर हिरासत में लिया। इससे पहले मृतका के पिता राम शिरोमणि मिश्रा करीब 15 दिनों से धरना और आमरण अनशन पर बैठे थे। प्रशासन ने बुधवार देर रात उन्हें धरना स्थल से हटाकर अस्पताल में भर्ती कराया। प्रशासन की ओर से कार्रवाई के पीछे कानून-व्यवस्था और मुख्य मार्ग पर यातायात प्रभावित होने का हवाला दिया गया। पिता को अस्पताल भेजे जाने के बाद विधायक अभय मिश्रा समर्थकों के साथ धरना स्थल पहुंचे। रिपोर्टों के अनुसार, विधायक ने वहीं से आंदोलन को आगे बढ़ाने की रणनीति बनाने की कोशिश की। इसी दौरान मौके पर पहले से मौजूद पुलिस बल ने उन्हें हिरासत में ले लिया। पुलिस की

कार्रवाई का विधायक और उनके समर्थकों ने विरोध किया। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें पुलिसकर्मी विधायक को वहां से ले जाते दिखाई दे रहे हैं। विधायक ने गिरफ्तारी से पहले कहा कि वह शुरुआत से ही पीड़ित परिवार के साथ खड़े हैं। उनका कहना था कि वह यह चर्चा करने के लिए धरना स्थल पहुंचे थे कि आंदोलन को आगे किस दिशा में ले जाना है और परिवार प्रशासन की कार्रवाई से कितना संतुष्ट है। हालांकि, पुलिस ने चर्चा शुरू होने से पहले ही उन्हें हिरासत में ले लिया। कल्पना मिश्रा और उनके नवजात बच्चे की मौत 26 अगस्त को संजय गांधी अस्पताल में प्रसव के दौरान हुई थी। इसके बाद परिजनों ने इलाज में कथित लापरवाही का आरोप लगाते हुए जिम्मेदार चिकित्सकों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और निष्पक्ष जांच की मांग शुरू की। मामले में जिला प्रशासन ने मजिस्ट्रियल जांच के आदेश भी दिए हैं। इस मामले को लेकर पिछले दिनों कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने भी प्रदर्शन किए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह धरना स्थल पर पहुंचकर परिवार से मुलाकात कर चुके हैं। वहीं, प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच टकराव की घटनाएं भी सामने आई थीं। फिलहाल विधायक अभय मिश्रा की हिरासत के बाद मामला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। पुलिस-प्रशासन का कहना है कि कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्राथमिकता है, जबकि आंदोलन से जुड़े लोग कल्पना मिश्रा और उनके नवजात बच्चे की मौत की निष्पक्ष जांच और जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। मामले में प्रशासनिक जांच के साथ आगे की कानूनी प्रक्रिया जारी है।

खरगोन में सड़क पर 'मौत' लिखे मिलने से दहशत, टोने-टोटके की अफवाह से ग्रामीणों ने बदला रास्ता

महानगर मेट्रो ब्यूरो

खरगोन। मध्य प्रदेश के खरगोन जिले के झिरन्या थाना क्षेत्र में सड़क पर हल्दी, चूने और सिंदूर से 'मौत' लिखा मिलने के बाद ग्रामीणों में डर का माहौल बन गया। अर्दला ग्राम पंचायत के पुनर्वास केंद्र पालधा में मंगलवार रात मुख्य मार्ग पर यह सामग्री रखे जाने की बात सामने आई। बुधवार सुबह ग्रामीणों की नजर पड़ी तो आसपास के गांवों में इसकी चर्चा शुरू हो गई। घटना को लेकर कुछ लोग इसे टोने-टोटके और काला जादू से जोड़कर देख रहे हैं, हालांकि इसकी कोई स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। ग्रामीणों के अनुसार, सड़क के बीच हल्दी और चूने से चौकड़ी बनाई गई थी। इसके बीच 'मौत' शब्द लिखा था। आसपास चूड़ियां और कागज जैसी वस्तुएं भी रखी मिलीं। यह मार्ग पालधा को आसपास के गांवों से जोड़ता है और यहां से ग्रामीणों की नियमित आवाजाही होती है। सुबह जब लोगों ने सड़क पर यह सामग्री देखी तो कई तरह की चर्चाएं शुरू हो गईं। कुछ ग्रामीणों ने रात के समय अकेले घर से बाहर निकलने से बचने और जरूरी होने पर किसी को साथ लेकर जाने की सलाह दी। कुछ लोगों ने एहतियात के तौर पर इस रास्ते से गुजरना भी कम कर दिया। घटना के बाद आसपास के गांवों में भी तरह-तरह की अफवाहें फैलने लगीं। ग्रामीण इसे काला जादू या किसी प्रकार के टोने-टोटके से जोड़कर देख रहे हैं। वहीं, यह भी आशंका जताई जा रही है कि किसी शरारती तत्व ने जानबूझकर लोगों में डर फैलाने के लिए सड़क पर यह सब किया हो। झिरन्या थाना प्रभारी गणपत कनेल ने बताया कि थाने में इस प्रकार की घटना को लेकर फिलहाल कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है। पुलिस की ओर से ऐसी किसी घटना को काला जादू या टोने-टोटके से जोड़कर पुष्टि नहीं की गई है। ग्रामीणों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की गई है। फिलहाल सड़क पर 'मौत' लिखे जाने की वजह स्पष्ट

नहीं है। यदि पुलिस को औपचारिक शिकायत या सूचना मिलती है तो मामले की जांच के बाद यह पता लगाया जा सकेगा कि सड़क पर यह सामग्री किसने रखी और इसके पीछे उसका उद्देश्य क्या था।

शादी से इनकार पर युवती के घर पेट्रोल बम फेंकने का आरोप, मंगेतर को भी धमकी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के टीटी नगर थाना क्षेत्र में शादी से इनकार करने पर एक युवती के घर पेट्रोल बम फेंकने का मामला सामने आया है। आरोप है कि अरबाज उर्फ भैयू युवती पर शादी के लिए दबाव बना रहा था। युवती का रिश्ता किसी दूसरे युवक से तय होने के बाद आरोपी कथित तौर पर उसे धमकाने लगा। पुलिस ने युवती की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, बाणगंगा बस्ती निवासी 24 वर्षीय युवती का कुछ समय पहले दूसरे युवक से रिश्ता तय हुआ था। आरोप है कि इसकी जानकारी मिलने के बाद अरबाज ने युवती पर शादी के लिए दबाव बनाया। युवती ने इससे इनकार कर दिया, जिसके बाद आरोपी द्वारा पीछा करने और धमकाने का आरोप है। घटना से दो दिन पहले आरोपी कथित तौर पर युवती के घर पहुंचा और उसे धमकाया। युवती ने डायल-112 पर

पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद आरोपी वहां से चला गया। इसके बावजूद फोन पर धमकियां देने का आरोप है। युवती के अनुसार, आरोपी ने उसके मंगेतर को भी जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद शाम करीब पांच बजे युवती अपनी भाभी के साथ घर के बाहर खड़ी थी। आरोप है कि अरबाज वहां पहुंचा और पहले युवती की स्कूटी में पत्थर मारकर तोड़फोड़ की। इसके बाद उसने घर के अंदर पेट्रोल बम फेंक दिया और मौके से फरार हो गया। रसोई में गिरा पेट्रोल बम पेट्रोल बम घर की रसोई में गिरने से आग लग गई। आग की चपेट में आने से फ्रिज समेत घरेलू सामान जल गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। घटना में किसी के घायल होने की जानकारी सामने नहीं आई है। पुलिस ने शुरू की आरोपी की तलाश अतिरिक्त पुलिस आयुक्त शैलेंद्र सिंह चौहान के अनुसार, युवती की शिकायत के आधार पर अरबाज उर्फ भैयू के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपी की तलाश में संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है। साथ ही घटना में इस्तेमाल किए गए पेट्रोल बम से जुड़े तथ्यों की भी जांच की जा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

रोज पिटने से अच्छा है एक दिन मर जाएं, शिवपुरी में अवैध शराब के खिलाफ टावर पर चढ़ीं महिलाएं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में अवैध शराब की बिक्री और उससे होने वाली घरेलू हिंसा के खिलाफ महिलाओं का आक्रोश सामने आया है। पिछोर के गूगरी गांव में दो महिलाएं मोबाइल टावर पर चढ़ गईं, जबकि जिला मुख्यालय पर सैकड़ों आदिवासी महिलाओं ने अवैध शराब के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए कलेक्ट्रेट की सीढ़ियों पर शराब उड़ेल दी। महिलाओं ने प्रशासन से गांवों में अवैध शराब की बिक्री पर रोक लगाने की मांग की। गूगरी गांव में बुधवार सुबह दो महिलाएं मोबाइल टावर पर चढ़ गईं। महिलाओं का आरोप था कि गांव में खुलेआम अवैध शराब बिक रही है और शराब के नशे में पति आए दिन उनके साथ मारपीट करते हैं। महिलाओं ने कहा कि रोज-रोज की मारपीट सहने से बेहतर है कि एक दिन मर जाएं, लेकिन गांव में अवैध शराब की बिक्री बंद होनी चाहिए। सूचना मिलने पर पिछोर थाना प्रभारी नीतू अहिरवार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचीं। पुलिस और प्रशासन की ओर से अवैध शराब बेचने वालों के खिलाफ कार्रवाई का लिखित आश्वासन दिए जाने के बाद दोनों महिलाएं टावर से नीचे उतरीं। कलेक्ट्रेट की सीढ़ियों पर उड़ेली शराब इधर, करीब एक सैकड़ा आदिवासी महिलाएं गांवों में अवैध शराब की बिक्री की शिकायत लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचीं। महिलाओं ने अधिकारियों के सामने अपनी समस्या रखी और इसके बाद जुलूस के रूप में कलेक्ट्रेट पहुंचीं। महिलाएं अपने साथ शराब के पाउच और क्वार्टर से भरी एक बोरी लेकर आई थीं। जब एडीएम दिनेशचंद्र शुक्ला महिलाओं की शिकायत सुनने पहुंचे तो उन्होंने बोरी में रखी शराब कलेक्ट्रेट की सीढ़ियों पर उड़ेल दी। महिलाओं ने प्रशासन से गांवों में अवैध शराब की बिक्री पर सख्ती से रोक लगाने की मांग की। उनका कहना था कि शराब के कारण परिवारों में विवाद और घरेलू हिंसा बढ़ रही है। प्रदर्शन कर रही महिला विनीता ने कहा कि रोज-रोज पति की मारपीट सहने से अच्छा है कि एक ही दिन मर जाएं, लेकिन अवैध शराब बंद होनी चाहिए। प्रशासन ने महिलाओं की शिकायतें सुनीं और कार्रवाई का भरोसा दिलाया। लिखित

आश्वासन के बाद गूगरी गांव में टावर पर चढ़ने वाली महिलाओं का प्रदर्शन समाप्त हुआ। वहीं, कलेक्ट्रेट पहुंची महिलाओं ने भी अधिकारियों के सामने अपनी मांगें रखीं। मामले में प्रशासन द्वारा अवैध शराब की बिक्री के खिलाफ आगे की कार्रवाई किए जाने की बात कही गई है।

प्रशासनिक अधिकारी तुकाराम मुंढे के सनसनीखेज विश्लेषण से चिकित्सा माफियाओं में भारी दहशत!

बीमारी और मुसीबत के समय जब इंसान अपने परिजनों की जान बचाने के लिए घर-बार और गहने तक गिरवी रख देता है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन के आयुक्त और निडर प्रशासनिक अधिकारी तुकाराम मुंढे के एक सर्वेक्षण ने पूरे देश के स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में बड़ा हड़कंप मचा दिया है।आंकड़ों का भयानक खेल उजागर हुआ है जिसमें 2841 प्रतिशत तक का अंधा मुनाफा कमाया जा रहा है। तुकाराम मुंढे द्वारा जारी किए गए आधिकारिक आंकड़े दर्शाते हैं कि अस्पतालों में इस्तेमाल होने वाली सामान्य चिकित्सा सामग्री की मूल खरीद कीमत और उस पर छपे अधिकतम खुदरा मूल्य के बीच हजारों गुना का अंतर है: सलाइन चढ़ाने वाली नली: जो उत्पाद अस्पताल को मात्र 11.05 रुपए में मिलता है, उस पर अधिकतम खुदरा मूल्य 325 रुपए छापकर मरीजों से 2841 प्रतिशत जितना भारी मुनाफा वसूला जाता है। सिरिंज: जिस सिरिंज की खरीद कीमत मात्र 6.75 रुपए है, उस पर 57.20 रुपए का खुदरा मूल्य छापकर मरीजों की जेब काटी जाती है। कैथेटर (शरीर से तरल निकालने वाली नली): अस्पताल के लिए इसकी खरीद कीमत 29.41 रुपए है, लेकिन मरीज के बिल में इसका भाव सीधा 310 रुपए लगाया जाता है। लाचार मरीज और चिकित्सा माफियाओं की यह मिलीभगत एक बड़ी समस्या बन गई है। अस्पताल में भर्ती मरीज या उसका परिवार ऐसे संकट में होता है जहां वह दवा या सिरिंज की कीमतें मिलाने के लिए बाहर बाजार में नहीं जा सकता और न ही अस्पताल के बिल पर सवाल उठा सकता है। निर्माता, वितरक और अस्पताल इस स्थिति का अमानवीय फायदा उठाकर आपस में साठगांठ करके बहुत अधिक मूल्य तय कर लेते हैं। दवाओं के लिए सरकार के पास मूल्य नियंत्रण कानून हैं, लेकिन इन चिकित्सा सामग्रियों और उपकरणों पर मूल्य की कोई कड़ी सीमा न होने के कारण कानूनी खामियों का भारी दुरुपयोग हो रहा है। कड़े कानून और केंद्र सरकार से तत्काल कार्रवाई की मांग करते हुए, इस खुलासे के बाद तुकाराम मुंढे ने राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण और औषधि विभाग को तत्काल सिफारिश भेजी है कि खरीद कीमत और अधिकतम खुदरा मूल्य के बीच के मुनाफे पर कानूनी सीमा तय की जाए। महानगर मेट्रो का स्पष्ट संदेश है कि अस्पताल इलाज का धाम है, लूट मचाने का अड्डा नहीं। अगर सरकार और प्रशासन तत्काल कड़े कानून बनाकर ऐसे उत्पादों पर व्यापारिक मुनाफे की सीमा तय नहीं करते हैं, तो गरीब और मध्यम वर्ग के मरीजों का खून चूसने वाला यह घोटाला कभी बंद नहीं होगा। समय की मांग है कि सरकार जल्द से जल्द ऐसे शातिर व्यापारियों और माफियाओं के खिलाफ सख्त कदम उठाए।

DTC बसों की हड़ताल से बढ़ी लोगों की मुसीबत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली में डीटीसी बसों की हड़ताल का असर अब यात्रियों की जेब पर भी पड़ रहा है। बसें नहीं चलने से रोज सफर करने वाले लोग ऑटो और ई-रिक्शा पर निर्भर हैं। यात्रियों का आरोप है कि कई जगह सामान्य किराए के मुकाबले दो से तीन गुना तक अधिक किराया मांगा जा रहा है। मुनिरका समेत कई इलाकों में बस स्टैंड पर यात्रियों की भीड़ दिखाई दे रही है। लोग लंबे समय तक बसों का इंतजार कर रहे हैं, लेकिन बस नहीं मिलने पर मजबूरी में ऑटो या ई-रिक्शा लेना पड़ रहा है। यात्रियों के अनुसार, जिस सफर के लिए सामान्य दिनों में करीब 20 रुपये खर्च होते थे, उसके लिए अब 100 रुपये या उससे अधिक मांगे जा रहे हैं। कुछ मार्गों पर 50 से 300 रुपये तक किराया मांगे जाने की बात भी यात्रियों ने कही है। पालम जाने वाले यात्रियों से 250 से 300 रुपये तक मांगे जाने की शिकायत सामने आई है। यात्रियों का कहना है कि बस सेवा बंद होने का फायदा कुछ चालक उठा रहे हैं और मनमाना किराया वसूल रहे हैं। हड़ताल का असर अस्पताल जाने वाले लोगों पर भी पड़ा है। कुछ यात्रियों ने बताया कि ऑटो का अधिक किराया मांगने के कारण वे साइकिल से बीमार बच्चों को अस्पताल ले जाने को मजबूर हैं। रोज काम या पढ़ाई के लिए बसों पर निर्भर लोगों की परेशानी सबसे ज्यादा बढ़ी है। छात्रों का कहना है कि बस नहीं मिलने के कारण वे समय पर कॉलेज नहीं पहुंच पा रहे हैं। ऑटो लेने पर रोजाना का खर्च कई गुना बढ़ गया है। कुछ यात्री ऑनलाइन टैक्सी और बाइक सेवा का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन बढ़ी मांग के कारण कई जगह इनका किराया भी सामान्य से अधिक बताया जा रहा है। यात्रियों ने मांग की है कि बस सेवा

जल्द बहाल की जाए और मनमाना किराया वसूलने की शिकायतों पर परिवहन विभाग कार्रवाई करे। फिलहाल बसों की हड़ताल के कारण दिल्ली में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था पर दबाव बढ़ा हुआ है।

मदद के बहाने बुलाया, फार्महाउस ले जाकर सामूहिक दुष्कर्म का आरोप; पूर्व विधायक नरेंद्र पवार समेत दो पर केस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई/ठाणे। महाराष्ट्र के कल्याण में 22 वर्षीय विवाहित महिला की शिकायत पर भाजपा के पूर्व विधायक नरेंद्र पवार और बर्खास्त पुलिसकर्मी शैलेश पाटील के खिलाफ सामूहिक दुष्कर्म और धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। शिकायत के अनुसार घटना 13 सितंबर को भिवंडी तालुका के बापगांव स्थित एक निजी फार्महाउस में हुई। पडघा पुलिस मामले की जांच कर रही है। महिला के अनुसार, उसका पति के साथ विवाद चल रहा था। विवाद सुलझाने में मदद के नाम पर नरेंद्र पवार ने उसे अपने कार्यालय बुलाया। आरोप है कि इसके बाद पवार और शैलेश पाटील उसे बापगांव स्थित फार्महाउस ले गए। महिला ने शिकायत में हथियार दिखाकर धमकाने और जबरन शराब पिलाने के बाद दुष्कर्म किए जाने का आरोप लगाया है। शिकायत के

मुताबिक, रात करीब दो बजे नरेंद्र पवार वहां से चले गए। इसके बाद महिला ने शैलेश पाटील पर भी उसके साथ दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है। सुबह करीब चार बजे पाटील के घर के देखरेख करने वाले कर्मचारी ने महिला को उसके घर पहुंचाया। घटना के बाद महिला ने 16 सितंबर को कांग्रेस पार्षद कांचन कुलकर्णी से संपर्क किया। महिला ने उन्हें घटना से संबंधित वीडियो और मोबाइल पर हुई बातचीत के साक्ष्य दिखाए। इसके बाद कुलकर्णी महिला को लेकर पडघा पुलिस थाने पहुंचीं। पुलिस ने शिकायत के आधार पर दोनों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले में आरोपों की जांच कर रही है। इस बीच कांचन कुलकर्णी ने दोनों आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है और 48 घंटे में गिरफ्तारी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी है। वहीं, नरेंद्र पवार ने मामले को झूठा बताते हुए इसे बदनाम करने की साजिश बताया है और एफआईआर दर्ज होने के बाद भाजपा के सभी पदों से इस्तीफा देने की बात सामने आई है।

झोले में कुत्ता लाकर चीफ ऑफिसर की टेबल पर छोड़ा, फिर पहनाई नोटों की माला; आवारा कुत्तों के मुद्दे पर अनोखा प्रदर्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नाशिक। महाराष्ट्र के नाशिक जिले के निफाड़ में आवारा कुत्तों की बढ़ती समस्या को लेकर शिवसेना उद्धव ठाकरे गुट की युवा सेना ने अनोखे तरीके से विरोध प्रदर्शन किया। युवा सेना के जिला प्रमुख विक्रम रंधावे और उनके समर्थक नगर पंचायत कार्यालय पहुंचे और बोरी में लाए गए आवारा कुत्तों को मुख्य अधिकारी धीरज भामरे की टेबल पर छोड़ दिया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद यह मामला चर्चा में है। वीडियो में रंधावे एक बोरी खोलकर कुत्ते को मुख्य अधिकारी की टेबल पर छोड़ते दिखाई दे रहे हैं। इसके बाद एक और कुत्ते को भी वहां छोड़ा गया। अचानक कुत्तों को कार्यालय में देखकर अधिकारी और कर्मचारी भी हैरान रह गए। प्रदर्शनकारियों ने इस दौरान मुख्य अधिकारी की टेबल पर नोटों की माला रखी और उन्हें पहनाने की कोशिश की। अधिकारियों ने उन्हें रोक दिया, जिसके बाद कुछ देर तक कार्यालय में बहस भी हुई। रंधावे का आरोप है कि निफाड़ शहर और आसपास के इलाकों में आवारा कुत्तों की संख्या लगातार बढ़ रही है। उन्होंने दावा किया कि बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों और दोपहिया वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनके अनुसार, कई लोगों को कुत्तों के काटने या उनके पीछे दौड़ने की घटनाओं का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि पिछले कई महीनों से नगर पंचायत प्रशासन से इस समस्या के समाधान की मांग की जा रही थी। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि शिकायतों और तस्वीरों के माध्यम से प्रशासन को समस्या की जानकारी देने के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं की गई। रंधावे ने आवारा कुत्तों को पकड़ने के साथ उनकी नसबंदी के लिए अभियान चलाने और नागरिकों की सुरक्षा के लिए प्रभावी व्यवस्था करने की मांग की। नोटों की माला के जरिए तंज प्रदर्शन के दौरान नोटों की माला लाने का मकसद भी प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल उठाना बताया गया। प्रदर्शनकारियों ने आरोप लगाया कि नगर पंचायत का ध्यान नागरिकों की समस्या के बजाय अन्य कामों और निविदाओं पर अधिक है। हालांकि ये आरोप प्रदर्शनकारियों की ओर से लगाए गए हैं। रंधावे ने चेतावनी दी कि यदि आठ दिनों के भीतर आवारा कुत्तों की समस्या पर कार्रवाई नहीं की गई तो दोबारा नगर पंचायत कार्यालय में विरोध किया जाएगा। उन्होंने त्योहारों के दौरान लोगों की आवाजाही को देखते हुए तत्काल कदम उठाने की मांग की। मामले में पशु अधिकार संगठन पेटा ने भी घटना का संज्ञान लिया है। स्थानीय

रिपोर्टों के अनुसार, प्रदर्शन में लाए गए कुत्तों को बाद में सुरक्षित स्थान पर छोड़ने की बात रंधावे की ओर से कही गई। वहीं, घटना को लेकर रंधावे, उनकी पत्नी और तीन अन्य समर्थकों के खिलाफ पशुओं के साथ क्रूरता तथा सरकारी काम में बाधा डालने के आरोपों में मामला दर्ज किए जाने की भी जानकारी सामने आई है।

झरने के नीचे बच्चे को लेकर खड़ा था परिवार, तभी ऊपर से कंधे पर आ गिरा बड़ा सांप; मची चीख-पुकार, वीडियो वायरल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

सिंधुदुर्ग। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग जिले के प्रसिद्ध आंबोली वॉटरफॉल पर परिवार के साथ घूमने आए पर्यटकों के बीच उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब अचानक ऊपर की चट्टानों से एक बड़ा सांप नीचे आ गिरा। सांप उस समय एक ऐसे व्यक्ति के कंधे पर जा गिरा, जो अपनी गोद में छोटे बच्चे को लेकर खड़ा था। घटना इतनी अचानक हुई कि कुछ पल के लिए वहां मौजूद लोगों को समझ ही नहीं आया कि हुआ क्या है। इसके बाद सांप को देखते ही पर्यटक घबराकर वहां से दूर हटने लगे। पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। आंबोली वॉटरफॉल सह्याद्रि की पहाड़ियों में स्थित है और बारिश के मौसम में यहां बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं। वायरल वीडियो में एक परिवार झरने के पास मौजूद दिखाई देता है। एक व्यक्ति छोटे बच्चे को गोद में लेकर फिसलन भरी चट्टानों के बीच खड़ा था। परिवार के अन्य सदस्य भी आसपास मौजूद थे और झरने का आनंद ले रहे थे। इसी दौरान ऊपर की तरफ मौजूद चट्टानी हिस्से से अचानक एक बड़ा सांप फिसलकर नीचे आया और सीधे बच्चे को पकड़े व्यक्ति के कंधे पर गिर गया। सांप गिरते ही मची अफरा-तफरी सांप के अचानक गिरने से आसपास मौजूद पर्यटकों में दहशत फैल गई। वीडियो में लोगों को घबराकर पीछे हटते और चिल्लाते हुए देखा जा सकता है। सांप कुछ ही क्षण बाद व्यक्ति के कंधे से नीचे फिसल गया और चट्टानों के बीच मौजूद दरारों में चला गया। इसके बाद वह पानी की ओर बढ़ता हुआ दिखाई दिया। बच्चे को गोद में लिए व्यक्ति ने भी अचानक हुए इस घटनाक्रम के बाद खुद को संभाला और वहां से हट गया। राहत की बात यह रही कि सांप के संपर्क में आने के बावजूद व्यक्ति और बच्चे को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। वीडियो में सुनाई दी सांप को लेकर आवाज घटना के दौरान आसपास मौजूद कुछ पर्यटक सांप को देखकर उसे बड़ा सांप और कोबरा बताते हुए लोगों को वहां से हटने के लिए कहते सुनाई दे रहे हैं। हालांकि, उपलब्ध वीडियो के आधार पर सांप की प्रजाति की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए इसे निश्चित रूप से कोबरा बताना सही नहीं होगा। कुछ ही सेकंड में बदल गया माहौल घटना से कुछ क्षण पहले तक झरने के पास परिवार और अन्य पर्यटक बारिश, पानी और प्राकृतिक नजारों का आनंद ले रहे थे। लेकिन जैसे ही सांप ऊपर से नीचे गिरा, वहां का पूरा माहौल बदल गया। लोग पानी और चट्टानों से दूर जाने लगे। कुछ पर्यटक सांप को देखने के लिए चट्टानों की ओर बढ़े, लेकिन दूसरे लोग उन्हें भी पीछे हटने के लिए कहते नजर आए। वायरल वीडियो में घटना के बाद लोगों की घबराहट साफ दिखाई देती है। बारिश में वन्यजीवों की मौजूदगी का खतरा आंबोली वॉटरफॉल बारिश के मौसम में बेहद लोकप्रिय पर्यटन स्थल है। सह्याद्रि की पहाड़ियों और घने हरियाली वाले क्षेत्र में स्थित होने के कारण यहां वन्यजीवों और सरीसृपों की मौजूदगी भी रहती है। बारिश के दौरान चट्टानों की दरारें, झाड़ियां और अन्य सुरक्षित स्थान सांपों के छिपने की जगह बन सकते हैं। ऐसे में झरने और पहाड़ी

क्षेत्रों में पर्यटकों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। बाल-बाल बचा बच्चा इस घटना का सबसे डराने वाला पहलू यह रहा कि जिस व्यक्ति के कंधे पर सांप गिरा, उसकी गोद में छोटा बच्चा था। सांप के सीधे कंधे पर गिरने के बाद वह कुछ क्षण के लिए बच्चे के बेहद करीब था। हालांकि, सांप बिना काटे वहां से निकल गया और चट्टानों के बीच गायब हो गया। किसी व्यक्ति के घायल होने या सांप के काटने की सूचना सामने नहीं आई है। सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो घटना का वीडियो वहां मौजूद एक अन्य पर्यटक ने अपने मोबाइल कैमरे में रिकॉर्ड किया था। बाद में इसे सोशल मीडिया पर साझा किया गया, जिसके बाद यह तेजी से वायरल हो गया। वीडियो में कुछ सेकंड का यह घटनाक्रम दिखाई देता है कि कैसे एक सामान्य पर्यटक यात्रा अचानक डरावने अनुभव में बदल गई।

दिल्ली में यमुना फ्लडप्लेन की सीमा और बोलार्ड पर ष्ठष्ठ-बाढ़ विभाग आमने-सामने

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। यमुना के फ्लडप्लेन की सीमा तय करने और वहां बोलार्ड लगाने को लेकर दिल्ली विकास प्राधिकरण और दिल्ली सरकार के सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग के बीच मतभेद सामने आए हैं। दोनों विभागों के दावों की अब राष्ट्रीय हरित अधिकरण समीक्षा करेगा। बाढ़ एवं सिंचाई विभाग के

कार्यकारी अभियंता मनीष अग्रवाल ने अधिकरण के समक्ष कहा कि 6 जून 2026 को ष्ठष्ठ को भेजे गए पत्र में कोई संशोधित नक्शा नहीं था। उनके अनुसार पत्र निजामुद्दीन रेलवे ट्रैक के पास गाइड बांध के स्तर से जुड़े स्थानीय सुधार से संबंधित था। विभाग के मुताबिक गाइड बांध का स्तर पहले 206 मीटर था, जिसे शहरी विकास मंत्रालय के अनुरोध पर रेलवे ने बढ़ाकर 208.30 मीटर किया था। विभाग ने कहा कि यह बदलाव 18 नवंबर 2021 की यमुना स्थायी समिति की 92वीं बैठक के रिकॉर्ड में दर्ज था और 2023 की बाढ़ से पहले ही इसका उल्लेख हो चुका था। ष्ठष्ठ ने पहले अधिकरण को बताया था कि उसे 6 जून को बाढ़ विभाग से संशोधित फ्लडप्लेन नक्शा मिला था। उसके अनुसार वजीराबाद से ओखला के बीच करीब 22 किलोमीटर क्षेत्र में सीमा निर्धारण के लिए 277 बोलार्ड लगाए जाने थे, जिनमें 206 पहले ही लगाए जा चुके थे। संशोधित नक्शे के बाद काम रोकने और पहले लगाए गए बोलार्ड को दोबारा लगाने की जरूरत पड़ने की बात ष्ठष्ठ ने कही थी। बाढ़ विभाग ने इन दावों पर आपत्ति जताते हुए कहा कि बदलाव केवल निजामुद्दीन रेलवे ट्रैक के पास गाइड बांध के एक हिस्से तक सीमित था। विभाग के अनुसार 21 जुलाई को पर्यावरण सचिव की अध्यक्षता में हुई बैठक में ष्ठष्ठ को वजीराबाद से ओखला तक पहले चरण में 31 जुलाई तक बोलार्ड लगाने का काम पूरा करने के निर्देश दिए गए थे। साथ ही अवैध कब्जे हटाने के लिए जिला मजिस्ट्रेटों की सहायता लेने को कहा गया था। ह्लत्ज्ञ ने जुलाई में दोनों विभागों के बीच गतिरोध दूर करने के लिए पर्यावरण सचिव की अध्यक्षता में संयुक्त बैठक कराने का निर्देश दिया था। मामले की अगली सुनवाई 18 सितंबर 2026 को निर्धारित है।

मिंटो रोड पर जर्जर ट्रैफिक पोल ऑटो पर गिरा, बच्चे समेत दो घायल; पुलिस ने दर्ज की एफआईआर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। कनॉट प्लेस के मिंटो रोड पर जर्जर ट्रैफिक पोल गिरने से ऑटो सवार बच्चे समेत दो लोग घायल हो गए। हादसे के दौरान एक स्कूटर सवार भी गिर गया।

मामले में कनॉट प्लेस पुलिस ने संबंधित धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस के अनुसार, ट्रैफिक पोल काफी पुराना और जंग लगा हुआ था। खास तौर पर पोल का निचला आधार कमजोर हो चुका था। इसी दौरान वहां से गुजर रहे ऑटो से पोल का हल्का संपर्क हुआ, जिसके बाद कमजोर आधार से पोल उखड़कर ऑटो पर गिर गया। ऑटो में 10 से 12 साल का बच्चा सवार था। उसे मामूली चोटें आईं और उपचार के लिए लेडी हार्डिंग अस्पताल ले जाया गया। जांच के बाद बच्चे को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। एक अन्य व्यक्ति के हाथ में चोट लगी, जिसे आरएमएल अस्पताल ले जाया गया। बाद में उसे आगे के उपचार के लिए बीएलके अस्पताल भेज दिया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है। हादसे के दौरान एक स्कूटर सवार भी गिर गया था। उसे मामूली चोट आई और उसने चिकित्सकीय सहायता नहीं ली। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (यातायात) दिनेश कुमार गुप्ता के अनुसार, ट्रैफिक पोल की देखरेख करने वाली कंपनी को नोटिस जारी किया जाएगा। घटना के बाद संबंधित रखरखाव एजेंसी को दिल्ली में लगे अन्य ट्रैफिक पोलों की स्थिति की जांच करने और जरूरी सुरक्षा कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस ने लोगों से भी जर्जर या खतरनाक पोल दिखाई देने पर इसकी सूचना देने की अपील की है।

DTC बस ड्राइवर-कंडक्टरों की हड़ताल से दिल्ली बेहाल,

बसें कम चलीं तो मेट्रो पर बढ़ा दबाव

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन निगम की बसों के चालक और परिचालकों की हड़ताल का बुधवार को राजधानी में व्यापक असर देखने को मिला। कई डिपो से बसें बाहर नहीं निकल सकीं, जिससे यात्रियों को अलग-अलग मार्गों पर घंटों इंतजार करना पड़ा। नरेला, बवाना, पीरागढ़ी, ओखला, हसनपुर और मध्य दिल्ली के कई इलाकों में बस सेवा प्रभावित रही। बढ़ी भीड़ को देखते हुए दिल्ली मेट्रो रेल निगम ने बुधवार को 20 अतिरिक्त फेरे चलाए और आठ अतिरिक्त ट्रेनें भी संचालित कीं। ओखला, हसनपुर, राजघाट और बदरपुर सीमा के पास स्थित डिपो से बड़ी संख्या में बसें नहीं निक ल सकीं। कुछ जगह बसें निकालने को लेकर विवाद और तोड़फोड़ की सूचना भी सामने आई। आईटीओ, मंडी हाउस, दिल्ली गेट और दिल्ली सचिवालय के आसपास भी यात्रियों को बसों के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। कई यात्रियों ने बताया कि सामान्य अंतराल की तुलना में बसें काफी देर से पहुंचीं और जो बसें आईं, उनमें भारी भीड़ रही। नरेला, बवाना और पीरागढ़ी में कई यात्री बसों के बजाय पैदल मेट्रो स्टेशनों की ओर जाते दिखाई दिए। कई स्थानों पर बसें सड़क किनारे खड़ी रहीं, लेकिन उनमें चालक और परिचालक मौजूद नहीं थे। यूनियन के अनुसार, संविदा चालक और परिचालक वर्तमान दैनिक वेतन को बढ़ाने की मांग कर रहे हैं। डीटीसी कर्मचारी एकता यूनियन के अध्यक्ष ललित चौधरी ने दैनिक वेतन 862 रुपये से बढ़ाकर करीब 2,000 रुपये करने की मांग रखी है। इसके अलावा महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी, सरकारी अवकाश का भुगतान, वार्षिक बोनस, चिकित्सा सुविधा, सवेतन अवकाश और ओवरटाइम भुगतान की मांग भी की गई है। परिवहन मंत्री पंकज सिंह ने कहा कि हड़ताल पर गए चालक निजी संचालकों के माध्यम से डीटीसी बसों का संचालन करते हैं। उन्होंने निजी बस संचालकों को कर्मचारियों से बातचीत कर समस्या का समाधान करने के निर्देश दिए हैं और कहा है कि सरकार उनकी समस्याओं को दूर करने का प्रयास करेगी। ड़ताल के कारण बढ़े यात्री दबाव को देखते हुए डीएमआरसी ने 17 सितंबर को भी सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक आवश्यकता के अनुसार आठ अतिरिक्त ट्रेनें चलाने की व्यवस्था की है।

टाटा संस की कमान 5 साल और संभालेंगे एन चंद्रशेखरन

बोर्ड ने दूसरे कार्यकाल को मंजूरी दी

नई दिल्ली।

टाटा ग्रुप की कमान संभाल रहे एन चंद्रशेखरन अगले पांच साल भी टाटा संस के एग्जीक्यूटिव चेयरमैन बने रहेंगे। टाटा संस के बोर्ड ने गुरुवार को उनके नए कार्यकाल को मंजूरी दे दी। इसके साथ ही चंद्रशेखरन के नेतृत्व में टाटा ग्रुप की आगे की रणनीति और विस्तार को जारी रखने का रास्ता साफ हो गया है। दिलचस्प बात यह है कि चंद्रशेखरन ने टाटा ग्रुप के शीर्ष पद से अपने सफर की शुरुआत नहीं की थी। उन्होंने 1987 में ञ्चष्टस् में इंटर्न के तौर पर करियर शुरू किया था। करीब तीन दशक बाद वे समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस के चेयरमैन बने और अब उनके नेतृत्व का एक और पांच साल का दौर शुरू होने जा रहा है। 2017 में संभाली थी टाटा संस की कमान चंद्रशेखरन ने 2017 में टाटा संस के चेयरमैन का पद संभाला था। उनके कार्यकाल में ग्रुप ने पारंपरिक कारोबार के साथ कई नए क्षेत्रों में भी विस्तार किया। एविएशन, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग, बैटरी और डिजिटल बिजनेस जैसे क्षेत्रों में टाटा ग्रुप की गतिविधियां बढ़ीं। यानी समूह की रणनीति सिर्फ मौजूदा कंपनियों के कारोबार को बढ़ाने तक सीमित नहीं रही, बल्कि भविष्य के उद्योगों में भी हिस्सेदारी बढ़ाने पर जोर रहा।

करमतारा इंजीनियरिंग का शेयर 26 फीसदी बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

नवीकरणीय ऊर्जा एवं बिजली पारेषण क्षेत्रों के लिए इंजीनियरिंग इस्पात उत्पाद बनाने वाली करमतारा इंजीनियरिंग का शेयर अपने 254 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले 26 प्रतिशत की बढ़त के साथ गुरुवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। कंपनी के शेयर ने बीएसई और एनएसई दोनों पर 320 रुपये पर कारोबार शुरू किया, जो निर्गम मूल्य से 25.98 प्रतिशत की बढ़त है। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 11,326.55 करोड़ रुपये रहा। करमतारा इंजीनियरिंग के 875 करोड़ रुपये के आईपीओ को पिछले सप्ताह शुक्रवार को शेयर बिक्री के अंतिम दिन 62.63 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ का मूल्य दायरा 241-254 रुपये प्रति शेयर था। करमतारा इंजीनियरिंग ने बड़े (एंकर) निवेशकों से 262.50 करोड़ रुपये जुटाए हैं।

करमतारा इंजीनियरिंग घरेलू एवं विदेशी बाजारों के लिए पारेषण लाइन टावर, सौर ढांचे तथा ट्रैकर कलपुर्जों, पवन ऊर्जा ढांचों, संरचनात्मक इस्पात 'प्रोफाइल' और 'फास्टनर' सहित विभिन्न इंजीनियरिंग इस्पात उत्पादों का विनिर्माण करती है।

रूस पर अमेरिकी शिकंजा- तेल खरीदारों पर टैरिफ का अधिकार, भारत-चीन पर पड़ेगा असर

अमेरिकी प्रतिनिधि सभा ने रूस प्रतिबंध बिल को दी मंजूरी

वाशिंगटन।

अमेरिका के हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स ने रूस पर नए प्रतिबंध लगाने वाले एक महत्वपूर्ण विधेयक को मंजूरी दे दी है। इस बिल के कानून बनने पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों, जिनमें भारत और चीन भी शामिल हैं, पर भारी टैरिफ लगाने का अधिकार मिल सकता है। बुधवार शाम 262-159 वोटों से पारित हुए लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 को अब राष्ट्रपति ट्रंप की मंजूरी का इंतजार है।

इस कानून का मुख्य उद्देश्य रूस के राजनीतिक नेतृत्व और उसके ऊर्जा क्षेत्र पर प्रतिबंधों को और कड़ा करना है। इसमें रूस की शैडो फ्लीट पर भी कार्रवाई का प्रावधान है, जिसका इस्तेमाल मॉस्को प्रतिबंधों से बचते हुए तेल बेचने के लिए करता है। विधेयक में राष्ट्रपति को उन देशों पर भारी टैरिफ लगाने का भी प्रस्ताव है, जो रूसी तेल और गैस पर अत्यधिक निर्भर हैं। इसका सीधा असर भारत और चीन जैसे बड़े खरीदारों पर पड़ सकता है, क्योंकि अमेरिकी सांसदों ने इन देशों से रूस के बजाय अन्य स्त्रोतों से तेल खरीदने का आग्रह किया है।

यह विधेयक पहले ही अमेरिकी सीनेट में 86-11 वोटों के भारी बहुमत से पारित हो चुका था। प्रतिनिधि सभा में इसे रिपब्लिकन और डेमोक्रेट दोनों सांसदों का समर्थन मिला, हालांकि डेमोक्रेट्स के एक वर्ग ने राष्ट्रपति को अतिरिक्त टैरिफ अधिकार देने के प्रावधान पर आपत्ति जताई थी। प्रतिनिधि सभा में यह मतदान ऐसे समय हुआ है जब अमेरिकी संसद का मौजूदा सत्र नवंबर में होने वाले चुनावों से पहले अपने अंतिम चरण में है। ट्रंप की मंजूरी के बाद यह कानून रूस से तेल और गैस खरीदने वाले देशों पर नए अमेरिकी टैरिफ का रास्ता खोल देगा।

शेयर बाजार सपाट बंद

सेंसेक्स 21 अंक गिरा, निफ्टी 53 उछला

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को मिले-जुले रुख के साथ बंद हुआ। आज दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के बीच ही जहां सेंसेक्स 22 अंक गिर, वहीं निफ्टी में हल्की बढ़त दर्ज की गयी। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीतिगत बैठक के परिणामों के आंकलन से भी घरेलू शेयर बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा । इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 21.86 अंक नीचे आकर 74,314.59 पर बंद हुआ, जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 53 अंक बढ़कर 23,270.60 पर पहुंच गया। आज कारोबार के दौरान व्यापक बाजारों में निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 0.92 फीसदी और 0.76 फीसदी की तेजी रही। मिड-कैप और स्मॉल-कैप शेयरों का प्रदर्शन बेहतर बना रहा क्योंकि निवेशकों ने मजबूत कमाई की संभावना वाली कंपनियों को प्राथमिकता दी, खासकर कैपिटल गुड्स, इंडस्ट्रियल, डिफेंस, पावर और हेल्थकेयर सेक्टर में।सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी रियल्टी, निफ्टी ऑटो और निफ्टी मेटल ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि निफ्टी बैंक,

निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक में सबसे ज्यादा गिरावट रही।

निफ्टी50 इंडेक्स में एचडीएफसी लाइफ के शेयरों में सबसे ज्यादा 5.05 फीसदी की तेजी रही। इसके साथ ही टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स (टीएमपीवी), एसबीआई लाइफ, डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज, बीईएल, इंडिगो और टाटा स्टील के शेयर सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों की सूची में शामिल रहे। जबकि इसके विपरीत ओएनजीसी, टाइटन, एचडीएफसी बैंक, एचयूएल, कोल इंडिया औरनेस्ले इंडिया के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गयी।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया 20 पैसे की बढ़त के साथ ही 95.71 पर बंद हुआ। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच निवेशकों की कमजोर धारणा से रुपया शुरुआती कारोबार में 19 पैसे टूटकर 96 प्रति डॉलर से नीचे पहुंच गया। यह दो महीने से अधिक समय में पहली बार है जब रुपया इस स्तर से नीचे आया है। घरेलू मुद्रा ने हालांकि, बाद में शुरुआती गिरावट की कुछ भरपाई की और भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के संभावित हस्तक्षेप के बाद 10 पैसे की बढ़त के साथ कारोबार करने लगा। विदेशी मुद्रा बाजार के विश्लेषकों के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतें 105 डॉलर प्रति बैरल के आसपास ऊंची बनी हुई हैं और विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा भी मजबूत है। ऐसे में रुपये में काफी उतार-चढ़ाव रहने के आसार हैं।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.88 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती कारोबार में टूटकर 96.10 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 19 पैसे की गिरावट है। रुपया 24 जुलाई के बाद पहली बार 96 के स्तर से नीचे आया।

एचआर प्रैक्टिसेज के लिए एलजी इंडिया को दो पुरस्कार

कंपनी को 'टॉप ऑर्गनाइजेशन', सीएचओ ज्वा नाम किम को 'मोस्ट इम्पैक्टफुल एचआर लीडर' सम्मान

नई दिल्ली ।

बेंगलुरु में आयोजित 25वें एशिया पैसिफिक एचआरएम कांग्रेस अवार्ड्स 2026 में एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया को एचआर प्रैक्टिसेज के लिए दो पुरस्कार मिले। कंपनी को 'टॉप ऑर्गनाइजेशन विद इनोवेटिव एचआर प्रैक्टिसेज' और उसके चीफ ह्यूमन रिसोर्सेज ऑफिसर (सीएचओ) ज्वा नाम किम को 'मोस्ट इम्पैक्टफुल एचआर लीडर' अवार्ड से सम्मानित किया गया। कंपनी के अनुसार, नेतृत्व विकास, संगठनात्मक क्षमता, कार्यस्थल संस्कृति, कर्मचारी अनुभव और टैलेंट डेवलपमेंट से जुड़ी पहलों के लिए यह सम्मान मिला। वहीं, ज्वा नाम किम को एचआर ट्रांसफॉर्मेशन और कर्मचारियों को बिजनेस ग्रोथ से जोड़ने में उनके नेतृत्व के लिए सम्मानित किया गया। ज्वा नाम किम ने कहा कि यह सम्मान एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के कर्मचारियों को समर्पित है। उन्होंने कहा कि कंपनी की एचआर रणनीति बिजनेस ट्रांसफॉर्मेशन से जुड़ी है और आगे नेतृत्व विकास, कर्मचारी क्षमताओं व संगठनात्मक संस्कृति को मजबूत करने पर जोर रहेगा। कंपनी के मुताबिक, एलजी इंडिया को 2024 और 2025 में लगातार 'ग्रेट प्लेस टू वर्क' प्रमाणन मिला है। उसे नेशनल बेस्ट एम्प्लॉयर ब्रांड अवार्ड 2026, मोस्ट इनोवेटिव एलएंडडी प्रोग्राम अवार्ड 2026 और एचआर डिस्टिंक्शन डायमंड सम्मान भी मिल चुके हैं। ज्वा नाम किम को इससे पहले 'टॉप एचआर आइकॉनिक लीडर' अवार्ड से भी सम्मानित किया जा चुका है।

अमेरिकी विधेयक से भारत पर संकट, रूसी तेल खरीद पर 100 फीसदी शुल्क का खतरा

विशेषज्ञ बोले- ऊर्जा सुरक्षा से समझौता न करे भारत

नई दिल्ली ।

अमेरिका की प्रतिनिधि सभा ने एक महत्वपूर्ण विधेयक पारित किया है, जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस पर प्रतिबंध लगाने और रूसी तेल एवं गैस खरीदने वाले देशों, विशेषकर भारत, पर 100 प्रतिशत तक का भारी शुल्क लगाने का अधिकार देता है। आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने इस कदम को भारत के लिए गंभीर आर्थिक चुनौती बताया है और चेताया है कि इसका वास्तविक असर अमेरिकी शुल्क की दरों और उत्पादों के दायरे की घोषणा के बाद ही पता चलेगा। लिंडसे ओ. ग्राहम सैंक्शनिंग रूस एंड ईरान एक्ट ऑफ 2026 नामक यह विधेयक बुधवार को अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा से 262-159 मतों से पारित हुआ है। इससे पहले सीनेट इसे पिछले महीने ही मंजूरी दे चुकी थी।

अब यह कानून राष्ट्रपति ट्रंप के हस्ताक्षर के लिए भेजा जाएगा, जिसके बाद उन्हें चीन, भारत और अन्य देशों पर कड़े शुल्क लगाने का अधिकार मिल जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य इन देशों को रूसी तेल एवं गैस पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए मजबूर करना है। जीटीआरआई के अनुसार, यह कानून राष्ट्रपति को रूस के कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के पांच सबसे बड़े खरीदार देशों से आने वाले सामान पर 100 प्रतिशत तक अतिरिक्त शुल्क लगाने की अनुमति देता है, जिसके संभावित निशाने पर भारत और चीन हैं। जीटीआरआई ने आगाह किया कि यह नया अमेरिकी कानून प्रतिबंधों को भारत के खिलाफ एक व्यापार हथियार में बदल देगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका 100 प्रतिशत तक

शुल्क लगाने की धमकी देगा और फिर भारत द्वारा रूसी तेल की खरीद कम करने तथा बेहद असमान द्विपक्षीय व्यापार समझौते के तहत रियायतें स्वीकार करने पर कम शुल्क की पेशकश करेगा। भारत को अपनी ऊर्जा सुरक्षा से समझौता न करने की सलाह दी। उन्होंने जोर दिया कि रियायती रूसी कच्चे तेल ने भारत की आयात लागत को कम किया है, ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत किया है और मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने में मदद की है।

जब तक रूसी तेल व्यावसायिक रूप से प्रतिस्पर्धी बना रहता है, भारत को उसकी खरीद जारी रखनी चाहिए और एकतरफा व्यापार रियायतें दिए बिना अमेरिका के साथ मजबूती से बातचीत करनी चाहिए। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भविष्य में अमेरिकी कार्रवाइयों से बचने के लिए कोई भी व्यापार समझौता या रूसी तेल खरीद रोकना पर्याप्त नहीं होगा।

इंडिगो ने बच्चों के किराए, लगेज व अन्य सेवाओं के शुल्क बढ़ाए

– दो साल से कम उम्र के बच्चों का किराया सीधे 1,000 रुपये बढ़ा

अहमदाबाद।

घरेलू हवाई यात्रा करने वालों के लिए बुरी खबर है। प्रमुख एयरलाइन इंडिगो ने अपने यात्रियों की जेब पर अतिरिक्त बोझ डालते हुए हवाई किराए और विभिन्न सेवाओं के शुल्कों में बढ़ोतरी की घोषणा की है। इंडिगो ने दो साल से कम उम्र के बच्चों के किराए में सीधा 1,000 रुपये का इजाफा किया है। अब माता-पिता को अपनी गोद में बच्चे को ले जाने के लिए 2,000 रुपये के बजाय 3,000 रुपये चुकाने होंगे, भले ही उन्हें अलग सीट आवंटित न की जाए। इस बढ़ोतरी से एयरलाइन को सालाना लगभग 90 करोड़ रुपये का अतिरिक्त राजस्व मिलने का अनुमान है, क्योंकि देशभर में हर साल 10 लाख से अधिक शिशु हवाई यात्रा करते हैं। किराए के अलावा, इंडिगो ने अन्य सेवाओं के शुल्क में भी वृद्धि की है। घरेलू उड़ानों पर अतिरिक्त सामान का शुल्क 700 रुपये प्रति किलो से बढ़ाकर 800 रुपये प्रति किलोग्राम कर दिया गया है। इसके साथ ही, अकेले यात्रा करने वाले बच्चों का शुल्क 5,000 रुपये से बढ़कर 5,999 रुपये और प्राथमिकता चेक-इन व बोर्डिंग का शुल्क 450 रुपये से 650 रुपये हो गया है। ट्रेवल सर्टिफिकेट जैसे अन्य शुल्कों में भी वृद्धि की गई है।

एनएसई का मेगा आईपीओ खुला, पहले दिन 9 फीसदी अभिदान मिला

नई दिल्ली ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) का 22,569 करोड़ रुपए का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) गुरुवार को अभिदान के लिए खुल गया है। बोली के पहले दिन इसे कुल नौ प्रतिशत अभिदान मिला, जो इस वर्ष का दूसरा सबसे बड़ा सार्वजनिक निर्गम है। बीएसई आंकड़ों के अनुसार, गैर-संस्थागत श्रेणी में 15 प्रतिशत और खुदरा निवेशकों के लिए आरक्षित हिस्से में 12 प्रतिशत बोली लगी।

इससे पहले एनएसई ने बुधवार को एलआईसी, गोल्डमैन सैक्स और फिडेलिटी जैसे प्रमुख एंकर निवेशकों से 6,746 करोड़ रुपए जुटाए। सॉवरेन वेल्थ फंड जीआईसी सिंगापुर और अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी भी इनमें शामिल थे। मौजूदा शेयरधारकों द्वारा 12.64 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश वाला यह निर्गम हुंडई मोटर इंडिया के आईपीओ के बाद दूसरा सबसे बड़ा है। एनएसई ने प्रति शेयर 1,700-1,785 रुपए का मूल्य दायरा रखा है।

एनएसई आईपीओ बाजार में दबदबा,आय पर दबाव का साया

खुदरा निवेशकों के लिए खुला इश्यू; उच्च मूल्यांकन, घटते डेरिवेटिव वॉल्यूम से पैदा हुई चिंताएं

नई दिल्ली।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) गुरुवार से खुदरा निवेशकों के लिए खुल गया है। हालांकि, घटते डेरिवेटिव ट्रेडिंग वॉल्यूम और उच्च मूल्यांकन के कारण निवेशकों में सतर्कता का माहौल है, क्योंकि नियामक परिवर्तनों से इसकी कमाई पर असर पड़ा है। एनएसई आईपीओ का मूल्यांकन वित्त वर्ष 2027-28 की अनुमानित कमाई के 35-38 गुना पर है, जो वैश्विक एक्सचेंजों से कहीं अधिक है। डेरिवेटिव ट्रेडिंग में कमी के चलते मार्च 2026 में समाप्त वित्त वर्ष में परिचालन राजस्व 3.1 फीसदी और मुनाफा 15.5 फीसदी गिर गया। बाजार हिस्सेदारी में एनएसई बेहद मजबूत है, कैश-मार्केट टर्नओवर में 92.99 फीसदी और इक्विटी फ्यूचर्स में 99.79 फीसदी हिस्सेदारी है। जून 2026 तिमाही में 4,560 करोड़ रुपये का परिचालन राजस्व और 3,121 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया। हालांकि, एनएसई राजस्व का 80 फीसदी ट्रेडिंग से (जिसमें 60 फीसदी ऑप्शंस से आता है) प्राप्त करता है। नए नियमों के कारण ऑप्शंस वॉल्यूम 27 फीसदी तक गिरे हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, नियामक उपायों से वित्त वर्ष 27 में वृद्धि लगभग 5

फीसदी तक धीमी रह सकती है। खुदरा निवेशकों को अब यह तय करना है कि वे आईपीओ में दांव लगाएं या लिस्टिंग के बाद सेकेंडरी मार्केट से शेयर खरीदें।

भारत प्रमुख बाजार, चिप क्षेत्र वृद्धि के लिए तैयार-इन्फिनियॉन

नई दिल्ली ।

जर्मनी की सेमीकंडक्टर कंपनी इन्फिनियॉन टेक्नोलॉजीज के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने भारत को एक 'बेहद महत्वपूर्ण' बाजार बताया है। उन्होंने कहा कि देश का चिप परिवेश आर्थिक वृद्धि, उद्योग के विस्तार और बढ़ती तकनीकी क्षमताओं के दम पर एक नए तथा रोमांचक दौर में प्रवेश कर रहा है। 'सेमीकॉन इंडिया 2026' में बोलते हुए हैनेबेक ने कहा कि इन्फिनियॉन का भारत में भरोसा अटूट है, और देश वैश्विक सेमीकंडक्टर मूल्य श्रृंखला में अपनी भूमिका मजबूत कर रहा है। कंपनी 1,200 से अधिक ग्राहकों के साथ काम करती है, और भारत की तेजी से हो रही प्रगति तथा वैश्विक नवाचार में योगदान से प्रभावित है। इन्फिनियॉन 25 साल से अधिक समय से भारत में है। उसने पिछले एक साल में अपने कर्मचारियों की संख्या 28 प्रतिशत बढ़ाकर 2,800 से अधिक कर दी है, जो अहमदाबाद, बेंगलुरु व हैदराबाद में कार्यरत हैं।

एमडीआर लागू होने से डिजिटल भुगतान और बैंकिंग उद्योग की आय में होगी बढ़ोतरी?

वित्त वर्ष 2027-28 में करीब 180 करोड़ रुपए की अतिरिक्त आय होने का अनुमान

नई दिल्ली।

यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) लेनदेन पर छह साल बाद एक बार फिर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) लागू होने से डिजिटल भुगतान और बैंकिंग उद्योग की आय में 15,000 से 20,600 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हो सकती है। यह अनुमान ब्रोकरेज कंपनियों ने लगाया है।

एमडीआर वह शुल्क है जो डिजिटल भुगतान स्वीकार करने के लिए दुकानदारों से लिया जाता है। एमडीआर 2,000 रुपए से ज्यादा के पीयर-टु-मर्चेंट (पी2एम) यानी ग्राहक से कारोबारी को किए जाने वाले यूपीआई लेनदेन पर लागू होगा। गोल्डमैन सैक्स के मुताबिक 26 अगस्त के लेनदेन स्तर को आधार मानें तो कुल यूपीआई पी2एम लेनदेन मूल्य का करीब 48 फीसदी हिस्सा एमडीआर के दायरे में आता है।

इससे उद्योग के लिए करीब 20,600 करोड़ रुपए की आय का मौका है। सिटी ने सालाना 16 से 17 हजार करोड़ रुपए की अतिरिक्त आय का अनुमान लगाया है। वहीं, जेफरीज ने उद्योग के लिए 15 से 18 हजार करोड़ रुपए की आय का होने की संभावना जताई है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एमडीआर से होने वाली आय यूपीआई व्यवस्था से जुड़े अलग-अलग पक्षों के बीच बांटी जाएगी। इनमें पीएसपी बैंक, यूपीआई ऐप प्रदाता के साथ वे दोनों बैंक शामिल हैं जिनसे रकम निकलेगी और जिनमें रकम पहुंचेगी। गोल्डमैन सैक्स के अनुमान के मुताबिक कुल आय में से 50 फीसदी हिस्सा भुगतान जारी करने वाले बैंकों और पीएसपी को, 20 फीसदी थर्ड पार्टी ऐप प्रदाता को और 30 फीसदी भुगतान लेने वाले बैंकों को मिलेगा।

सिटी के अनुमान के मुताबिक अतिरिक्त आय का करीब 60 फीसदी हिस्सा जारी करने वाले और लेने वाले बैंकों या यूपीआई हैंडल के जरिये बैंकिंग क्षेत्र को मिलेगा। करीब 25 फीसदी आय यूपीआई ऐप प्रदाताओं और बाकी 15 फीसदी गैर-बैंक पेमेंट एग्रीगेटरों को मिलने की संभावना है।

लोन जमा नहीं होने पर बैंक या एनबीएफसी गाड़ी को जबरदस्ती नहीं उठा सकते

सुप्रीम कोर्ट ने कहा-गाड़ी जब्त करने से पहले तय प्रक्रिया का पालन करना होगा

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि लोन डिफॉल्ट होने पर बैंक या एनबीएफसी को गाड़ी वापस लेने का अधिकार हो सकता है, लेकिन वे इसके लिए मनमाना या जबरदस्ती का तरीका नहीं अपना सकते। गाड़ी जब्त करने से पहले तय प्रक्रिया और उचित नोटिस का पालन करना होगा यानी सिर्फ ईएमआई नहीं भरने का मतलब यह नहीं है कि फाइनेंस कंपनी रात में गाड़ी उठाकर ले जाए। बता दें यह मामला यूपी के एक ट्रक मालिक से जुड़ा है। उसने कमर्शियल ट्रक खरीदने के लिए चोलमंडलम इन्वेस्टमेंट एंड फाइनेंस कंपनी से लोन लिया था। कुछ समय बाद वह किस्तें नहीं चुका पाया।

कंपनी ने नोटिस दिया और ट्रक अपने कब्जे में ले लिया। बाद में ग्राहक ने एकमुश्त रकम जमा की तो उसे ट्रक वापस मिल गया। इसके बाद फिर लोन की किस्तें नहीं चुकाई गईं। ग्राहक के मुताबिक 9 अप्रैल 2023 की रात करीब एक बजे अयोध्या में सामान पहुंचाने के बाद खड़े ट्रक का स्टीयरिंग लॉक चार अज्ञात लोगों ने तोड़ा और ट्रक लेकर चले गए। उसका कहना था कि उसे इस कार्रवाई से पहले नोटिस नहीं दिया गया था1 बाद में ट्रक बेच दिया गया। रिपोर्ट के मुताबिक जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने कहा कि फाइनेंसर के पास लोन की शर्तों के तहत गाड़ी वापस लेने का अधिकार हो सकता है, लेकिन इस अधिकार का मतलब यह नहीं है कि बैंक या फाइनेंस कंपनी बल प्रयोग करके या चोरी-छिपे वाहन कब्जे में ले सकती है। कोर्ट ने साफ किया कि वसूली के लिए कानूनी रास्ता अपनाना होगा। रात में ताला तोड़ना, जबरदस्ती गाड़ी ले जाना या लोगों के जरिए दबाव बनाना सही तरीका नहीं है। कोर्ट ने इस मामले में कंपनी को ग्राहक के अधिकारों के उल्लंघन के लिए मुआवजा देने का आदेश दिया। आरबीआई के पुराने दिशानिर्देशों में भी लोन वसूली के दौरान ग्राहक को अनावश्यक रूप से परेशान करने, गलत समय पर संपर्क करने और बल प्रयोग करने से बचने को कहा गया है।

मधुमेह से बचाव में फायदेमंद होती है खड़े रहने की आदत

अक्सर स्वास्थ्य की बेहतरी के लिए चहलकदमी और व्यायाम का सुझाव दिया जाता है, लेकिन इस मामले में खड़े रहने की आदत भी मददगार साबित हो सकती है। एक हालिया अध्ययन के मुताबिक टाइप 2

फिनलैंड में हुए इस अध्ययन में खड़े रहने की आदत और बेहतर

रोजमर्रा की जिंदगी में खड़े होने का समय बढ़ाने से पुरानी बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है।

खराब इंसुलिन प्रणाली मधुमेह की वजह

एक हालिया अध्ययन के मुताबिक टाइप 2 मधुमेह से बचाव के मामले में खड़े रहना फायदेमंद होता है। फिनलैंड में हुए इस अध्ययन में खड़े रहने की आदत और बेहतर इंसुलिन संवेदनशीलता के बीच संबंध पाया गया है। इतना ही नहीं रोजमर्रा की जिंदगी में खड़े होने का समय बढ़ाने से पुरानी बीमारियों को रोकने में मदद मिल सकती है।

एनर्जी मेटाबॉलिज्म और रक्त शर्करा के नियमन में इंसुलिन एक प्रमुख हार्मोन है। कई बार वजन अधिक होने से शरीर में इंसुलिन के सामान्य फंक्शन में गड़बड़ी हो सकती है, जिससे इंसुलिन संवेदनशीलता कम हो जाती है और टाइप 2 मधुमेह और हृदयरोगों का खतरा बढ़ जाता है। टाइप 2 मधुमेह दुनियाभर में सबसे आम जीवनशैली की बीमारियों में से एक है। इसकी शुरुआत आमतौर पर बिगड़ी हुई इंसुलिन संवेदनशीलता या इंसुलिन प्रतिरोध से होती है। यह एक ऐसी स्थिति होती है, जिसमें शरीर सामान्य रूप से इंसुलिन पर प्रतिक्रिया नहीं करता है और रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है।

गतिहीन व्यवहार से इंसुलिन प्रणाली प्रभावित

जीवनशैली का इंसुलिन में रुकावट और टाइप 2 मधुमेह के विकास पर एक गहरा प्रभाव पड़ता है। इन समस्याओं की रोकथाम में नियमित शारीरिक गतिविधि महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। हालांकि अब तक इंसुलिन की रुकावट पर गतिहीन व्यवहार, लगातार बैठे रहने के बीच ब्रेक और खड़े रहने की आदत के प्रभावों के बारे में बहुत कम जानकारी है। तुर्कू पीईटी सेंटर और यूकेके संस्थान के हालिया अध्ययन में शोधकर्ताओं ने इंसुलिन में बाधा और गतिहीन व्यवहार के बीच संबंध की जांच की। इसके

निष्क्रियता के साथ टाइप 2 मधुमेह और हृदयरोगों के विकास के बढ़ते जोखिमों को भी देखा।

अध्ययन में शोधकर्ताओं ने पाया कि रोजमर्रा की नियमित शारीरिक गतिविधि या बैठने के समय, फिटनेस स्तर से अलग स्वतंत्र रूप से खड़े रनहा बेहतर इंसुलिन संवेदनशीलता से जुड़ा

एवं तुर्कू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर तारू गर्थवेट का कहना है कि अध्ययन के निष्कर्ष रोजाना बैठने के समय के एक हिस्से में लोगों को खड़े रहने के लिए प्रेरित करेंगे। खासकर अगर शारीरिक गतिविधि की जरूरतों को पूरा नहीं किया जाता है तो यह तरीका मददगार हो सकता है।

जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम होगी

भी जोर देता है। अध्ययन परिणाम बताते हैं कि शारीरिक गतिविधि, फिटनेस या बैठने में लगने वाले समय की तुलना में शरीर में वसा के प्रतिशत में इजाफा इंसुलिन संवेदनशीलता के मामले में अधिक महत्वपूर्ण कारक है। दूसरी ओर खड़े होना शरीर की संरचना के बावजूद इंसुलिन संवेदनशीलता से जुड़ा था। शोधकर्ताओं का कहना है कि नियमित व्यायाम को स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद माना जाता है।

मगर ऐसा लगता है कि शारीरिक गतिविधि, फिटनेस और गतिहीन व्यवहार भी इंसुलिन मेटाबॉलिज्म से जुड़े हुए हैं, लेकिन परोक्ष रूप से यह शरीर की संरचना पर उनके प्रभाव के माध्यम से जुड़े हैं।

जर्नल ऑफ साइंस एंड मेडिसिन इन स्पोर्ट में प्रकाशित इस अध्ययन के आधार पर अभी तक कारण प्रभावों का अनुमान नहीं लगाया जा सका है। लेकिन विशेषज्ञों के अनुसार परिणाम बताते हैं कि यदि पर्याप्त शारीरिक गतिविधि नहीं की जा रहीं तो रोजाना खड़े होने का समय बढ़ाने से जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों की रोकथाम में मदद मिल सकती है।

कम नींद लेने से हो सकती हैं गंभीर बीमारियां

कम सोने की वजह से इन लोगों को जो बीमारियां होती हैं, उसकी जानकारी कम ही लोगों को होती है। दरअसल, कई लोगों को तो यह मानना भी मुश्किल-सा लगता है कि कई वर्षों तक कम सोते रहने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, स्ट्रोक इत्यादि जैसी अन्य गंभीर बीमरियां घंटों की सही नींद न लेने की वजह से हो सकती हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार 60% से ज्यादा भारतीय सोचते हैं कि नींद लेना कोई प्राथमिकता नहीं है। पिछले कुछ सालों में नींद के महत्व और आवश्यक नींद पूरी न होने से जुड़े खतरों के बारे में बताए जाने के बाद भी लोग नींद को उतनी अहमियत नहीं देते जितना कि व्यायाम को देते हैं। हाल ही में देशभर में हुए सर्वेक्षणों से पता चला है कि देश में नींद की कमी गंभीर चिंता का कारण क्यों है?

यहां तक देखा गया है कि लोगों को यह कहने में फख्र महसूस होता है कि वे 4-5 घंटे ही सोते हैं और अपने बाकी के सभी कामों को प्राथमिकता से करते हैं। यदि इस तरह के कम सोने वाले लोग अपनी नौकरी, व्यवसाय व घर-परिवार में कुशल हों तब तो ऐसे लोगों का उदाहरण दूसरे लोगों के लिए पेश किया जाता है कि 'देखो फलाना व्यक्ति ज्यादा सोने में समय बर्बाद नहीं करता है इसलिए तो उसने जीवन में इतना कुछ पा लिया है।'

यह बात और है कि आगे जाकर कम सोने की वजह से इन लोगों को जो बीमारियां होती हैं, उसकी जानकारी कम ही लोगों को होती है। दरअसल, कई लोगों को तो यह मानना भी मुश्किल-सा लगता है कि कई वर्षों तक कम सोते रहने से कई गंभीर बीमारियां हो सकती हैं। हृदय संबंधी रोग, मधुमेह, स्ट्रोक इत्यादि जैसी अन्य गंभीर बीमरियां घंटों की सही नींद न लेने की वजह से हो सकती हैं। हमारे देश में कई लोग आज भी ऐसे हैं, जो ये मानते हैं कि खर्राटे आना गहरी नींद की निशानी है। उन्हें यह समझाना चुनौतीपूर्ण काम है कि दरअसल खर्राटे आना भी एक गंभीर नींद विकारों के कारणों में से एक है।

एक अन्य हाल ही के सर्वेक्षण में यह भी पता चला है कि 19 फीसदी भारतीय वयस्कों की नींद में बाधा का कारण उनके काम करने की शिफ्ट का बदलते रहना है। 32% युवा वयस्क टेक्नोलॉजी के ज्यादा और देर रात तक प्रयोग की वजह से पूरी नींद नहीं ले पाते हैं।

एक वयस्क के लिए भी 7 से 9 घंटे की नींद बेहद जरूरी है। कई मामलों में जो लोग इतना सोते हैं उन्हें देखकर अन्य लोग ऐसे लोगों के लिए राय बना लेते हैं कि 'फलाना व्यक्ति आलसी व कमजोर है', तो कुछ लोगों को तो खुद ही यह कहने में शर्म महसूस होती है कि 'उन्हें इतना सोने की जरूरत है।' सिर्फ 1 दिन यदि आप 4-5 घंटे से कम सोते हैं, तब आपके शरीर की वे प्राकृतिक कोशिकाएं, जो कैंसर की कोशिकाओं पर हमला करके उन्हें खत्म करने में सक्षम होती हैं, 70% तक कम हो जाती हैं। आपको कैंसर पैदा करने वाली कोशिकाएं आपके शरीर में प्रतिदिन बनती हैं। रिपोर्ट के अनुसार नींद की कमी से आंत, प्रोस्टेट और स्तन कैंसर जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं। कोशिश यह होनी चाहिए कि आप प्रतिदिन नियमित समय पर सोएं और नियमित समय पर उठें।

क्यों नहीं आती है आपको मीठी नींद

दिनभर की मेहनत और थकान के बाद एक सुहानी नींद पर आपका पूरा हक है लेकिन कई लोगों को बेवजह नींद न आने की शिकायत होती है। आइए मीठी नींद के लिए क्या करें जतन.

- रोज सुबह उठकर कसरत करनी चाहिए।
- अच्छी नींद लेने के लिए कभी भी दिन में न सोएं और सोने से कुछ देर पहले एल्कोहल या कैफीन का सेवन भूलकर भी न करें।
- धूम्रपान न करने से भी नींद अच्छी आती है क्योंकि सिगरेट में पाए जाने वाला निकोटिन नींद में बाधा उत्पन्न करता है।
- कई प्रकार के ड्रग्स भी आराम की नींद लेने में बाधक सिद्ध होते हैं।
- अगर आप शाम को कसरत करेंगे तो आपको सोने में परेशानी हो सकती है।
- जिन महिलाओं के शरीर में आयरन की कमी होती है उन्हें अक्सर नींद कम आती है। इसलिए शरीर में आयरन की कमी का विशेष ख्याल रखें।
- सुबह जब आप उठें तो सूर्य की तेज रोशनी को कमरे में अंदर आने दें। क्योंकि सही प्रकाश की वजह से शरीर को सही ऊर्जा मिलती है।
- एक बात और ध्यान रखें कि रात को सोते वक्त बेडरूम में रोशनी कम ही रहनी चाहिए, जिससे अच्छी और भरपूर नींद आ सके।

...तो जनाब अच्छी व गहरी नींद लीजिए और फिर जिंदगी को पूरी ऊर्जा के साथ जी लेने के लिए खुद को तैयार पाइए।

सूखा नारियल सेहत के लिए है कुदरत का वरदान

सूखे नारियल का इस्तेमाल घरों में खीर, आइसक्रीम, स्वीट डिश वगैरह में होता है। ज्यादातर लोग इसे स्वाद बढ़ाने के लिए रेसिपीज में इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इसकी न्यूट्रीशनल वैल्यू काफी ज्यादा होती है। इस बात पर कम लोगों का ध्यान जाता है। नारियल आपके हार्ट और ब्रेन के लिए अच्छा होता है। साथ ही इसे चबाने से फेशियल एक्सरसाइज भी होती है। इसमें ऐंटी ऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं जो ओवरऑल हेल्थ के लिए बढ़िया होते हैं।

ऐंटीऑक्सिडेंट्स का भंडार

नारियल में फिनॉलिक कंपाउंड होते हैं, जो कि ऐंटीऑक्सीडेंट्स हैं। ये आपकी सेल्स के ऑक्सीडेटिव डैमेज को रोकते हैं। इसमें गैलिक एसिड, कैफिक एसिड, सैलिसिलिक एसिड, पी-कोम्यूरिक एसिड होता है। नारियल आपकी धमनियों में प्लाक बनने से रोकता है जो कि हार्ट ब्लॉकेज की वजह होती हैं।

कनेक्टिव टिश्यूज के लिए फायदेमंद

नारियल में कई ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो आपके कनेक्टिव टिश्यूज को मजबूत बनाते हैं। नारियल को डायट में शामिल करने से गठिया और ऑस्टियोपोरोसिस जैसी समस्याएं होने का खतरा कम होता है। इसके अलावा ये स्किन के लिए भी अच्छा होता है।

आयरन की कमी को दूर करता है

महिलाओं में आयरन की कमी बड़ी समस्या है। सूखे नारियल में आयरन काफी मात्रा में पाया जाता है। डेली डायट में नारियल खाने से आयरन की कमी पूरी होती है। बच्चा पैदा होने के बाद महिलाओं को नारियल की कई मिठाइयां इसीलिए बनाकर खिलाई जाती हैं।

पोषकतत्वों का भंडार

सूखे नारियल में प्रोटीन, विटामिन्स, आयरन, कैल्शियम, मैग्नीज और सेलिनियम पाया जाता है। ये पोषक तत्व इम्यूनिटी मजबूत करके शरीर को रोगों से बचाते हैं।

दिमाग रखता है मजबूत

नारियल खाने से किसी का आईक्यू तो नहीं बदलता लेकिन आपके ब्रेन फंक्शन को सपोर्ट करता है। स्टडीज में सामने आ चुका है कि नारियल का तेल अल्जाइमर्स होने से रोकता है।

सेहत का रखना है ख्याल तो अर्जुन फल का करें इस्तेमाल

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल है तो आप अर्जुन के फल का सेवन करें।

अर्जुन के वृक्ष को भारत में व्यापक रूप से उगाया जाता है। यह स्वास्थ्य के लिए बेहद ही गुणकारी माना गया है। दरअसल, इसमें एंटीऑक्सिडेंट, एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीमाइक्रोबियल जैसे विभिन्न औषधीय गुण होते हैं। अर्जुन हृदय रोगों के जोखिम को कम करने में मदद करता है। यह हृदय की मांसपेशियों को मजबूत और टोन करता है और हृदय के समुचित कार्य में मदद करता है। इतना ही नहीं, यह उच्च रक्तचाप से लेकर दस्त, अस्थमा और खांसी आदि कई तरह की समस्याओं को दूर करने में सहायक है। अर्जुन के फल से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदे -

सांसों की दुर्गंध से मिलता है छुटकारा

ऐसे कई लोग होते हैं जो सांसों की बदबू के कारण परेशान रहते हैं और ऐसे में उन्हें किसी से बात करने में भी शर्मिन्दगी महसूस करते हैं। अगर आपका नाम भी ऐसे ही लोगों की लिस्ट में शामिल है तो आप अर्जुन के फल का सेवन करें। इस फल में ऐसे होते हैं जो आपके मसूड़ों की समस्याओं और दांतों से खून बहने में भी मदद कर सकते हैं और आपको ताजा सांसें प्रदान करते हैं।

हड्डियों का रखते हैं ख्याल

अगर आप किसी किसी भी प्रकार की हड्डी की समस्या से पीड़ित हैं, तो आपको अपने आहार में अर्जुन फल को अवश्य शामिल करना चाहिए। आप इसका जूस बनाकर पी सकते हैं या इसे कच्चा खा सकते हैं। यह आपको ऑस्टियोपोरोसिस और गठिया जैसी हड्डियों की परेशानी में भी मदद कर सकता है।

ओरल हेल्थ की समस्याओं को करें दूर

अर्जुन फल खाने से वास्तव में आपकी मसूड़ों की समस्याओं को कम करने और दांतों के स्वास्थ्य में सुधार करने में मदद मिल सकती है। यह दांतों से खून बहने से लेकर दांत दर्द, मसूड़ों में दर्द या मसूड़ों से खून बहना आदि समस्याओं के उपचार में प्रभावी है। आप इस फल को जूस या कच्चा खा सकते हैं। इसके अलावा, अर्जुन के फल के पाउडर का सेवन भी कर सकते हैं और इसे पेस्ट के रूप में उस जगह पर लगा सकते हैं जहां आपको मसूड़े या दांतों की समस्या हो रही है। हालांकि, यह उपाय अपनाने से पहले एक बार डॉक्टर से परामर्श अवश्य लें।

सेंधा नमक को करें डाइट में शामिल, मिलेंगे जबरदस्त फायदे

सेंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सेंधा नमक खनिजों और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आंत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है।

नमक एक ऐसा इंग्रीडिएंट है, जिसका इस्तेमाल हम सभी नियमित रूप से करते हैं। यह भोजन में एक स्वाद शामिल करता है। नमक के बिना भोजन पकाने या उसे खाने की कल्पना भी हम नहीं कर सकते हैं। हालांकि घरों में लोग टेबल सॉल्ट का इस्तेमाल करते हैं। अगर आप नमक को अपने स्वास्थ्य के लिए लाभकारी बनाना चाहते हैं तो आज ही सेंधा नमक खाना शुरू कर दें। सेंधा नमक में सोडियम, पोटेशियम, आयरन, कैल्शियम, जिंक आदि तत्व पाए जाते हैं, जो सेहत को लाभ पहुंचाते हैं। आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति में सेंधा नमक का अत्यधिक महत्व है क्योंकि यह स्वस्थ त्वचा और बालों से लेकर वजन घटाने तक कई स्वास्थ्य लाभ प्रदान करता है। सेंधा नमक से मिलने वाले कुछ बेमिसाल फायदे -

पाचन तंत्र के लिए लाभदायक

सेंधा नमक कब्ज, हार्ट बर्न, सूजन, पेट दर्द आदि जैसी पाचन समस्याओं के लिए एक उत्कृष्ट घरेलू उपाय है। सेंधा नमक खनिजों और विटामिनों से भरपूर होता है, जो पाचन में सुधार करता है, मल त्याग को बढ़ावा देता है, और आंत से विषाक्त उत्पादों को साफ करने में मदद करता है। यह भूख की कमी की समस्या को सुधारने में भी मदद करता है।

प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाता है

सेंधा नमक विटामिन के से भरपूर होता है, जो आपकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद करता है और आपकी प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। यह शरीर की हड्डियों के चयापचय को भी बढ़ाता है, जो कई बीमारियों से बचाता है।

मांसपेशियों में ऐंठन से राहत

सेंधा नमक में सोडियम क्लोराइड का शुद्ध रूप और पोटेशियम जैसे पोषक तत्व होते हैं। इलेक्ट्रोलाइट पोटेशियम और नमक असंतुलन मांसपेशियों में ऐंठन के लिए एक जोखिम कारक हो सकता है। तो, सेंधा नमक पोटेशियम की कमी को संतुलित कर सकता है और मांसपेशियों में ऐंठन को रोक सकता है।

गले की खराश का करता है इलाज

गले में खराश के लिए खारे पानी से गरारे करना एक आम घरेलू उपाय है। सेंधा नमक में डिकॉन्गेस्टेंट गुण होते हैं जो आपकी बंद नाक, खांसी को दूर करने में मदद करते हैं। यह टॉन्सिलिटिस अस्थमा के लिए भी एक प्रसिद्ध उपाय है, और यह आपके फेफड़ों की क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है।

रक्तचाप को करे बैलेंस

सेंधा नमक में पोटैशियम की मात्रा अधिक होती है जो रक्तचाप को नियंत्रित करने में मदद करता है। शोध बताते हैं कि सेंधा नमक रक्तचाप को संतुलित रखता है।

क्रिकेटर पृथ्वी शॉ की सगाई टूटी

मंगेतर आकृति अग्रवाल ने अलग होने की घोषणा की

मुंबई । भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ की पेशेवर जिंदगी के साथ-साथ निजी जिदंगी भी मुश्किलों से गुजर रही है। पृथ्वी एक बार फिर से अपनी निजी जिंदगी को लेकर चर्चा में हैं। पृथ्वी की मंगेतर आकृति अग्रवाल ने सोशल मीडिया के माध्यम से उनसे अलग होने की जानकारी साझा की है। आकृति ने इंस्टाग्राम के जरिए पृथ्वी शॉ से अलग होने की जानकारी दी। उन्होंने लिखा, 'भारी मन से, मैं यह बताना चाहती हूं कि मेरे मंगेतर और मैंने अपने भविष्य के लिए अलग-अलग लक्ष्यों और हालात की वजह से अलग होने का फैसला किया है। हम एक-दूसरे से जितना प्यार और परवाह करते हैं, हमने यह मान लिया है कि हमारे रास्ते साथ रहने के लिए नहीं बने हैं। अपनी जिम्मेदारियों और अभी जिन हालात का हम सामना कर रहे हैं, उन्हें देखते हुए हमने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया है। ' आकृति ने आगे लिखा, 'मैं सच में हम दोनों के लिए आगे बढ़ने के लिए सबसे अच्छी शांति और खुशी की कामना करती हूं। मैं सभी से अनुरोध करती हूं कि इस मुश्किल समय में हमारी निजता का सम्मान करें और हमारे फैसले के पीछे के कारणों के बारे में अंदाजा लगाने से बचें। हमारी जगह को समझने और उसका सम्मान करने के लिए धन्यवाद। '

पृथ्वी शॉ और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और अभिनेत्री आकृति अग्रवाल ने 8 मार्च, 2026 को सगाई की थी। पिछले कुछ दिनों से दोनों के रिश्तों में खटास की खबरें आ रही थीं। आकृति के सोशल मीडिया पोस्ट ने उस पर मुहर लगा दी है।

26 साल के पृथ्वी शॉ को एक समय भारतीय क्रिकेट का अगला तेंदुलकर माना जा रहा था। 2018 में मात्र 18 साल की उम्र में शॉ ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट में डेब्यू किया था और शतक लगाया था। हालांकि, बाद में उनके फॉर्म में गिरावट आई और वे टीम से बाहर हो गए। फिलहाल उन्हें घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में भी अपनी जगह के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

डब्ल्यूबीबीएल के 12वें सीजन में भी मेलबर्न रेनेगेड्स के लिए खेलेंगी डिएंड्रा डॉटिन

मेलबर्न । आगामी विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) सीजन से पहले मेलबर्न रेनेगेड्स को बड़ी राहत मिली है। वेस्टइंडीज की स्टार ऑलराउंडर डिएंड्रा डॉटिन ने एक और सीजन टीम रेनेगेड्स की तरफ से खेलने की पुष्टि की है। टी20 क्रिकेट की सबसे दमदार ऑलराउंडरों में से एक मानी जाने वाली डॉटिन डब्ल्यूबीबीएल 11 में टीम के सभी मैचों में खेलने के बाद रेनेगेड्स के साथ अपना तीसरा सीजन शुरू करेंगी। उनकी वापसी रेनेगेड्स द्वारा वेस्टइंडीज की ऑलराउंडर हेली मैथ्यूज के साथ फिर से करार करने के बाद हुई है।

इस जोड़ी ने डब्ल्यूबीबीएल 10 में मेलबर्न की पहली डब्ल्यूबीबीएल खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई थी और अब आगामी सीजन के लिए वे फिर से एक साथ (रेड जर्सी में) खेलेंगी। चोट के कारण मैथ्यूज डब्ल्यूबीबीएल के 11वें सीजन नहीं खेल पाई थीं, जबकि डॉटिन रेनेगेड्स के अभियान का अहम हिस्सा बनी रहीं।

मेलबर्न रेनेगेड्स के हाई परफॉर्मेंस मैनेजर क्लिंट मैके ने डॉटिन की वापसी का स्वागत करते हुए कहा कि वेस्टइंडीज की यह स्टार खिलाड़ी टीम में काफी अनुभव और मैच जिताने की काबिलियत लाएगी। मैके ने कहा, डिएंड्रा दुनिया की सबसे असरदार खिलाड़ियों में से एक हैं और हम मेलबर्न रेनेगेड्स में उनकी वापसी का स्वागत करते हुए बहुत खुश हैं।

चोट से वापसी के बाद आत्मविश्वास की जरूरत होती है: नीतीश रेड्डी

नई दिल्ली । अफगानिस्तान के खिलाफ खेले गए दूसरे टी20 इंटरनेशनल मुकाबले में चोट से वापसी कर रहे नीतीश कुमार रेड्डी को एक बड़ा बूस्ट मिला। नीतीश ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट अपने नाम किए, जिसके लिए उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' भी चुना गया। सीरीज के पहले मैच में औसत प्रदर्शन के बाद, नीतीश ने कहा कि दूसरे मैच में मिले अच्छे प्रदर्शन से उन्हें वह आत्मविश्वास

मिला जिसकी उन्हें वापसी के दौरान जरूरत थी। नीतीश ने बुधवार को बीसीसीआई के एक वीडियो में कहा, 'बहुत अच्छा लग रहा है। चोट से वापसी करने वाले हर खिलाड़ी को आत्मविश्वास की जरूरत होती है। सच कहूं तो, पहला मैच मेरे लिए उतना अच्छा नहीं रहा था, लेकिन दूसरे मैच में अपने प्रदर्शन से बहुत खुश हूं, क्योंकि किसी भी खिलाड़ी को ऐसे आत्मविश्वास की जरूरत होती है और मुझे उम्मीद है कि मैं इस आत्मविश्वास को आगे भी बनाए रखूंगा।' नीतीश ने 24 रन देकर 3 विकेट चटकाए। उन्होंने अहम भूमिका निभाते हुए भारत को अफगानिस्तान को 159/8 पर रोकने और फिर 7 विकेट शेष रहते हुए लक्ष्य हासिल करने में मदद की। 22 वर्षीय खिलाड़ी का यह शानदार प्रदर्शन ऐसे समय आया, जब उन्होंने हाल ही में बताया था कि फिटनेस हासिल करने के लिए उन्होंने बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में कड़ी मेहनत की थी।

सिंधु का नाम कोरिया ओपन सुपर सीरीज जीतने वाली पहली भारतीय शटलर के रूप में दर्ज है।

2017 में कोरिया ओपन सुपर सीरीज जीतने वाली

सिंधु बनीं भारत की पहली खिलाड़ी

नई दिल्ली । भारतीय बैडमिंटन की दुनिया में मौजूदा समय का सबसे बड़ा नाम पीवी सिंधु का है। सिंधु ने अपने बेहतरीन खेल की वैश्विक मंचों पर सफलता हासिल करते हुए देश का नाम रोशन किया है। दो ओलंपिक पदक जीत चुकी सिंधु का नाम कोरिया ओपन सुपर सीरीज जीतने वाली पहली भारतीय शटलर के रूप में दर्ज है। 17 सितंबर 2017 को पीवी सिंधु कोरिया ओपन सुपर सीरीज जीतने वाली पहली भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी बनी थीं। सिंधु ने फाइनल में जापान की नोजोमी ओकुहारा को एक घंटे 24 मिनट तक चले मुकाबले में 22-20, 21-11 और 21-18 से हराकर खिताब जीता था। 1991 में शुरू हुए इस टूर्नामेंट के 26 साल के इतिहास में सिंधु भारत की तरफ से पहली विजेता बनी थीं। हालांकि, इस सफलता से पहले ही सिंधु अपना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक सफल बैडमिंटन खिलाड़ी के रूप में स्थापित कर चुकी थीं।

5 जुलाई 1995 को हैदराबाद में जन्मी सिंधु ने बैडमिंटन की दुनिया में बड़ी सफलता हासिल की है। वह भारत की सबसे सफल बैडमिंटन खिलाड़ी के रूप में प्रतिष्ठित हैं। सिंधु की उपलब्धियों पर गौर करें तो उन्होंने 2016 रियो ओलंपिक में रजत और 2020 टोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। 2019 में वह महिला एकल में विश्व चैंपियन रही थीं। 2018 और 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं। सिंधु ने 2018 एशियन गेम्स में रजत और 2014 एशियन गेम्स में कांस्य पदक जीता था। वह बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियन बनने वाली पहली और इकलौती भारतीय हैं और ओलंपिक गेम्स में लगातार दो मेडल जीतने वाली भारत की दूसरी व्यक्तिगत खिलाड़ी हैं। 31 साल की सिंधु का एक बैडमिंटन खिलाड़ी के तौर पर सफर अभी भी जारी है। भारत सरकार पीवी सिंधु को बैडमिंटन के क्षेत्र में उनके योगदान को देखते हुए खेल रत्न, अर्जुन पुरस्कार, पद्मभूषण, और पद्मश्री से सम्मानित कर चुकी है।

एशियन गेम्स 2026

फातिमा सना की कप्तानी पारी

थाईलैंड को हराकर पाकिस्तान ने कटाया सेमीफाइनल का टिकट

निशिन । पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम ने एशियन गेम्स 2026 के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान ने थाईलैंड को 3 विकेट से हराया। झमाझम बारिश के चलते गीली आउटफील्ड के कारण इस मैच को 11-11 ओवर का किया गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए थाईलैंड की बल्लेबाजों का प्रदर्शन दमदार रहा। उन्होंने 11 ओवर में 4 विकेट खोकर 91 रन

स्कोरोबोर्ड पर लगाए। टीम की तरफ से नानापत कोंचारोएनकाई ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 38 गेंदों में 49 रनों की दमदार पारी खेली। उन्होंने अपनी इस पारी में 7 चौके लगाए। वहीं, फन्निता माया ने 16 गेंदों में 15 रन बनाए, जबकि कप्तान नारुएमोल चाईवाई ने 3 गेंदों में 10 रन बनाए। पाकिस्तान की ओर से गेंदबाजी में कप्तान फातिमा सना का प्रदर्शन शानदार रहा। उन्होंने 3 ओवर के स्पेल में 22 रन देकर 2 विकेट चटकाए, जबकि नशरा संधू ने एक विकेट अपने नाम किया।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान टीम को गुल फिरोजा और शवाल जुल्फिकार ने धमाकेदार शुरुआत दी। दोनों ने पहले विकेट के लिए सिर्फ 3.5 ओवर में 36 रन जोड़े। फिरोजा 13 गेंदों में 16 रन बनाकर आउट हुईं। वहीं, जुल्फिकार ने 178 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 14 गेंदों में 3 चौके और एक छक्के की मदद से 25 रन बनाए। आयशा जाफर बल्ले से कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकीं और एक रन बनाकर आउट हुईं। पाकिस्तान का बल्लेबाजी क्रम अचानक से बुरी तरह से लड़खड़ा गया और टीम ने 11 रन जोड़कर अपने 4 विकेट गंवा दिए।

6 शतक और 500 से अधिक विकेट लेने वाले इकलौते खिलाड़ी

नई दिल्ली, । भारत के दिग्गज स्पिनर्स का जब जिक्र होता है, तो उस लिस्ट में रविचंद्रन अश्विन का नाम भी शान से लिया जाता है। अश्विन ने अपने इंटरनेशनल करियर में वो तमाम उपलब्धियां हासिल कीं, जिसका सपना एक क्रिकेटर देखता है। अश्विन टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 250 और 300 विकेट पूरे करने वाले गेंदबाज रहे।

अश्विन का जन्म 17 सितंबर, 1986 को चेन्नई में हुआ। अश्विन के पिता खुद एक मध्यम गति के गेंदबाज थे और पिता को देखकर ही अश्विन क्रिकेट से परिचित हुए। धीरे-धीरे अश्विन का लगाव क्रिकेट के प्रति बढ़ता चला गया। अश्विन अपने करियर की शुरुआत में सलामी बल्लेबाज हुआ करते थे।

हालांकि, 14 वर्ष की उम्र में अश्विन बुरी तरह से चोटिल हो गए थे, जिसके कारण उन्हें काफी समय तक क्रिकेट से दूर रहना पड़ा। इसके बाद अश्विन ने क्रिकेट के मैदान पर वापसी की, तो सलामी बल्लेबाज की जगह भर चुकी थी। मां के कहने पर अश्विन ने स्पिन गेंदबाजी में हाथ आजमाए और जल्द ही वह इसमें रम गए।

अश्विन ने इसके बाद घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया। साल 2010 में उन्हें भारतीय टीम से बुलावा आया। जिम्बाब्वे के खिलाफ अश्विन ने वनडे फॉर्मेट में अपना इंटरनेशनल डेब्यू किया। इसी साल उन्होंने अपना टी20 इंटरनेशनल डेब्यू किया। वहीं, क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट में अश्विन को डेब्यू करने का मौका 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ मिला। अश्विन ने अपनी बेहतरीन गेंदबाजी के बूते जल्द ही भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की कर ली।

अश्विन विश्व कप 2011 में चैंपियन बनी भारतीय टीम का हिस्सा भी रहे। वहीं, 2013 में उन्होंने एमएस धोनी की कप्तानी में टीम इंडिया को चैंपियंस ट्रॉफी का खिताब जिताने में भी अहम भूमिका निभाई। अश्विन ने भारत के लिए खेले 106 टेस्ट मैचों में कुल 537 विकेट चटकाए।

पाकिस्तान का नया ड्रामा

एशियन चैंपियंस ट्रॉफी के लिए हॉकी टीम को भारत भेजने से किया इनकार, न्यूट्रल वेन्यू की मांग

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने भारत के साथ 'संवेदनशील द्विपक्षीय स्थिति' का हवाला देते हुए बुधवार को एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी (एसीटी) के लिए अपनी पुरुष राष्ट्रीय हॉकी टीम को भारत भेजने से इनकार कर दिया। साथ ही पाकिस्तान की तरफ से एशियाई हॉकी महासंघ (एएचएफ) से टूर्नामेंट या उसके सभी मुकाबलों को न्यूट्रल वेन्यू पर स्थानांतरित करने का अनुरोध किया। पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने कहा कि वह पुरुष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान की निर्बाध और पूर्ण भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए तटस्थ स्थल चाहता है। बता दें कि यह टूर्नामेंट 27 अक्टूबर से पांच नवंबर तक मोहाली और जालंधर में आयोजित किया जाएगा। पीएचएफ के अंतरिम अध्यक्ष मोहिउद्दीन अहमद वानी ने एक बयान में कहा कि उन्होंने पूरे टूर्नामेंट या पाकिस्तान के सभी मुकाबलों को न्यूट्रल वेन्यू पर स्थानांतरित करने का अनुरोध किया है।

इशान किशन नंबर 1

अभिषेक शर्मा टॉप-5 में, 2026 में इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा 6 लगाने वाले फुल मेंबर्स टीम के शीर्ष-10 बैटर

नई दिल्ली। भारतीय टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज इशान किशन ने अफगानिस्तान के खिलाफ 3 मैचों की टी20 सीरीज के पहले दो मैचों में काफी अच्छी बल्लेबाजी की और साल 2026 में इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले (ये आंकड़े आईसीसी के फुल मेंबर्स टीम के खिलाड़ियों के ही हैं) बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए। इशान किशन ने इस मामले में शिमरोन हेटमायर को पीछे छोड़ दिया जबकि इस लिस्ट में अभिषेक शर्मा टॉप-5 में शामिल हैं। इशान किशन ने साल 2026 में अब तक क्रिकेट के तीनों प्रारूपों (टेस्ट,वनडे,टी20आई) को मिलाकर कुल 30 मैच खेले हैं और इन मैचों में उन्होंने 52 छक्के लगाए हैं और वो खबर लिखे जाने तक इंटरनेशनल क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में पहले नंबर पर आ गए हैं।

ज्यादा छक्के

इशान किशन- 52 छक्के
शिमरोन हेटमायर- 50 छक्के
हैरी ब्रुक- 48 छक्के
अभिषेक शर्मा- 42 छक्के
डेवाल्ड ब्रेविस- 37 छक्के
शिवम दुबे- 34 छक्के
कॉनर एस्टरहुइजेन- 32 छक्के
संजू सैमसन- 32 छक्के
दासुन शनाका- 30 छक्के
तंजीद हसन- 30 छक्के
शेरफेन रदरफोर्ड- 28 छक्के
फिन एलन- 26 छक्के

कभी-कभी मेरे अंदर का लठैत जाग उठता है

कद्दावर अभिनेता मनोज बाजपेयी करीब तीन दशकों से अपनी भूमिकाओं के साथ -नित नए प्रयोग करते जा रहे हैं। मनोरंजन के नए डायनामिक्स के साथ भी उन्होंने कदमताल करना सीखा, यही वजह है कि सिनेमा के साथ - साथ वे ओटीटी का भी बड़ा चेहरा बन गए। इन दिनों वे चर्चा में हैं अपनी नई फिल्म 'लास्ट मैन इन टावर' को लेकर।

तीस सालों से भी ज्यादा का सफर तय कर चुके मनोज बाजपेयी सोशल मीडिया पर अच्छे-खासे एक्टिव हैं, मगर वे यहां होने वाली उठापटक से कितना प्रभावित होते हैं? उनके लिए लाइक्स, कमेंट्स और व्यूज कितना मायने रखते हैं? इस पर वे कहते हैं, 'मैं लाइक्स और कमेंट्स नहीं देखता। अब इतने साल बाद मुझे ये देखना पड़े तो लानत है मेरे काम, मेरी तीस साल की जर्नी पर'।

जिस स्थिति से गुजरा मैं ही जानता हूं

उन जैसे सोबर अभिनेता को क्या कभी ट्रोलिंग का सामना करना पड़ा? इस पर वे तपाक से कहते हैं, 'बिलकुल, हाल-फिलहाल कुछ ही महीने पहले जब मेरी एक फिल्म के टाइटल (घूसखोर पंडित) को लेकर विवाद हुआ, उस पर जो धमकियां और जान की धमकी मिली और मैं जिस स्थिति से गुजरा मैं ही जानता हूं। क्योंकि उस फिल्म का चेहरा मैं हूं, तो मुझे ये सब सहना पड़ा। खैर अब तो फिल्म का शीर्षक बदल दिया गया है। अब क्या है न कि आप कोई भी फिल्म बना रहे हो, कोई भी क्रिएटिव काम कर रहे हो, तो उसके विरोध के स्वर कहीं से भी आ सकते हैं। आज के दौर में ट्रोलिंग बहुत आसान है। कोई भी कहीं से कुछ भी बोल सकता है। अगर आपको गाली देना हो तो बड़े से बड़े लोग भी अछूते नहीं हैं।' ट्रोलिंग को हैंडल करने के मसले पर वे कहते हैं, 'या तो आप उसको गंभीरता से लीजिए या ये समझिए कि कुछ लोग हैं, जो आपको अपने स्तर पर लाना चाहते हैं, ताकि आप ऐसे जवाब दें, रिएक्ट करें। जाहिर है आप उनके स्तर पर नहीं जाना चाहेंगे। आप अपने जीवन में कितने ऐसे लोगों से बातचीत करते हैं? जो लोग जहीन लोग हैं, जो पढ़ते-लिखते हैं, जो अच्छा देखते हैं, जिनके साथ ज्ञान मिलता है, हम उनके साथ उठते-बैठते हैं। बाकी समय परिवार को जाता है, तो मैं कभी जवाब नहीं देता। मगर कभी-कभी मेरे अंदर का गांव का जो लठैत है, वो अंदर से बाहर आना चाहता है। फिर मैं कहता हूं, मनोज यार, किस-किस के मुंह लगोगे? जो आदमी अभी उठा होगा, जो अपने पिताजी से पैसे मांगने वाला होगा कि आज जरा फिल्म देखने जाना है या मुझे आइसक्रीम खानी है या अपने पिताजी को बेवकूफ बनाना चाह रहा होगा कि कैसे भी पैसे हड़प कर लूं। वो आपको गाली दे रहा है। एक आदमी जो 18 साल की उम्र में घर से बाहर निकल गया, आप अब उसको गाली दे रहे हो, इतना काम करने के बाद। अगर उसको इतनी भी शर्म नहीं, तो क्या ही कहें? मुझे तो छोड़िए, ये बड़े से बड़े लोगों को गाली देते हैं। ऐसे लोगों के मुंह क्या लगना?'

हर बार विरासत हार रही है

उनकी हालिया फिल्म में 'विरासत वर्सेज डेवलपमेंट' की लड़ाई दिखाई गई है। इस मुद्दे पर वे कहते हैं, 'विकास बनाम विरासत, विकास बनाम यादें, ये लड़ाई बहुत पुरानी है और हर बार जो है, विरासत हार रही है। धरती बदल रही है और आधुनिकता के नाम पर जिस तरह के कंस्ट्रक्शन हो रहे हैं, उसमें हम अपनी मिट्टी और विरासत की पहचान कायम नहीं रख पा रहे हैं। सीधी-सी बात है, हमारे एयरपोर्ट्स और स्टेशन हमारी 700, 600 या 1000 साल पुरानी वास्तुकला से प्रेरणा लेकर क्यों नहीं बन सकते? क्यों हमेशा वो मैनहैटन या न्यूयॉर्क का एयरपोर्ट ही लगें? ये बात मुझे आज तक समझ नहीं आई। हर जगह की अपनी पहचान है। अमेरिका की अपनी और हिंदुस्तान की अपनी। राजस्थान में कुछ बन रहा है तो उसमें राजस्थान क्यों नहीं दिखना चाहिए? विकास बनाम विरासत की ये लड़ाई बहुत पुरानी है और इस फिल्म में भी यही संघर्ष है। एक तरफ मास्टर जी हैं, जो अपनी यादों और विरासत को बचाए रखना चाहते हैं, दूसरी तरफ वे लोग हैं जिनकी जरूरतें बढ़ गई हैं और उनके लिए विकास जरूरी है। ये कहानी 50 साल पुरानी नहीं, आज हमारे आस-पास चल रही लड़ाई है।'

संदीपा धर ने अपनी फीमेल को-स्टार्स के साथ अपनी खास बॉन्डिंग के बारे में बात की

'चुंबक' जहां पर्दे पर हंसी, मनोरंजन और शानदार परफॉर्मेंस का वादा करता है, वहीं संदीपा धर के लिए यह प्रोजेक्ट उनकी जिंदगी में इससे भी खास चीज लेकर आया है, और वो है एक खूबसूरत और हमेशा साथ रहने वाला बहनों जैसा रिश्ता। अभिनेत्री ने हाल ही में शो की अपनी फीमेल को-स्टार्स के साथ अपनी खास बॉन्डिंग के बारे में बात करते हुए बताया कि 'चुंबक' के दौरान बनी दोस्ती अब सिर्फ काम तक सीमित नहीं रही, बल्कि एक मजबूत रिश्ते में बदल चुकी है।

अपनी फीमेल को-स्टार्स के साथ बॉन्डिंग को लेकर संदीपा ने कहा, ''चुंबक' ने मुझे सिर्फ बेहतरीन को-स्टार्स ही नहीं दिए, बल्कि एक ऐसा बहनों जैसा रिश्ता भी दिया है, जिसे मैं हमेशा संजोकर रखूंगी। नीना मैम, डेलनाज, मानसी, हेली, अमायरा और मैं खुद को गर्व से 'गर्ल गैंग' कहते हैं। सच पूछिए तो इंडस्ट्री में शूटिंग और काम के बीच समय निकालना आसान नहीं होता, लेकिन हम सभी एक-दूसरे के लिए समय निकालने की पूरी कोशिश करते हैं। कभी ब्रंच, कभी डिनर, तो कभी बस साथ बैठकर घंटों बातें करना, ये छोटे-छोटे पल हमारे लिए बहुत मायने रखते हैं।

इस ग्रुप में इतना प्यार, सपोर्ट, हंसी-मजाक और अपनापन है कि यह परिवार जैसा महसूस होता है। मैं खुश हूं कि 'चुंबक' मेरे जीवन में इन शानदार महिलाओं को लेकर आया। मुझे पूरा यकीन है कि कैमरे बंद होने के बाद भी ये रिश्ता हमेशा मेरे साथ रहेगी।'

संदीपा की ये बातें 'चुंबक' की महिला कलाकारों के बीच साझा की जाने वाली सच्ची दोस्ती और बॉन्डिंग की झलक देती हैं, जो अपने व्यस्त शेड्यूल के बावजूद यह गर्ल गैंग एक-दूसरे के लिए समय निकालना नहीं भूलती। संदीपा की ये बातें, ये भी दिखाती हैं कि साथ काम करते हुए बने कुछ रिश्ते जिंदगी भर के लिए खास बन जाते हैं।

काउगर्ल्स एंड इंडियंस में दिखाई देंगी मनीषा

मनीषा कोइराला एक बार फिर अपनी एक्टिंग से दर्शकों का ध्यान खींचने के लिए तैयार हैं। संजय लीला भंसाली की वेब सीरीज 'हीरामंडी: द डायमंड बाजार' में नजर आने के बाद अब मनीषा एक अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट का हिस्सा बन गई हैं। वह हॉलीवुड की इंडिपेंडेंट फिल्म 'काउगर्ल्स एंड इंडियंस' में मुख्य भूमिका निभाती नजर आएंगी। फिल्म की शूटिंग इसी साल नवंबर में अमेरिका के टेक्सास राज्य के ऑस्टिन और उसके आसपास के इलाकों में शुरू होने वाली है। इस फिल्म का नाम पहले 'काउबॉयज एंड इंडियंस' रखा गया था। बाद में इसका नाम बदलकर 'काउगर्ल्स एंड इंडियंस' कर दिया गया। फिल्म का लेखन और निर्देशन तेजल देसाई कर रही हैं। वह निकोल फेलो भी रह चुकी हैं। फिल्म का निर्माण किंताना बंसकोटा कर रही हैं। फिल्म की कहानी अमेरिका के दक्षिण-पश्चिमी हिस्से की पृष्ठभूमि में रखी गई है। यहां एक भारतीय महिला अपनी जिंदगी, अपनी जड़ों और आसपास के लोगों के साथ अपने रिश्तों को समझने की कोशिश करती है। कहानी में सांस्कृतिक बदलाव, अकेलापन, दोस्ती और खुद को स्वीकार करने जैसे पहलुओं को जगह दी गई है।

आशा के किरदार में नजर आएंगी मनीषा

मनीषा फिल्म में 'आशा' नाम की महिला का किरदार निभाएंगी। आशा एक अधेड़ उम्र की भारतीय महिला है, जो अमेरिकी माहौल में अपनी पहचान को लेकर कई तरह के सवालों से गुजरती है। वह अपने जीवन के ऐसे दौर में पहुंच चुकी है, जहां उसे अपने बारे में कई चीजों को नए नजरिए से देखना पड़ता है। कहानी सिर्फ एक भारतीय महिला के अमेरिका पहुंचने या वहां रहने की नहीं है, बल्कि यह उसके अंदर चल रहे बदलावों पर भी ध्यान देती है। अलग संस्कृति और अलग माहौल के बीच वह नए लोगों से मिलती है और कुछ ऐसी दोस्तियां बनती हैं, जिनकी उसने शायद पहले कल्पना भी नहीं की थी।

रोहित रॉय पर भड़की देवोलीना

अभिनेता रोहित रॉय ने टीवी को 'कूड़ेदान जैसा माध्यम' कहकर चर्चा छेड़ दी है। रोहित ने कहा कि फिल्म स्टार्स में एक खास तरह का स्टाइल और क्लास होता है जो अक्सर टेलीविजन कलाकारों में नहीं दिखता। इस पर अभिनेत्री देवोलीना भट्टाचार्जी ने रोहित रॉय की आलोचना की है। उन्होंने कहा कि ज्यादातर लोग उन्हें सिर्फ रोनित रॉय के भाई के तौर पर जानते हैं।

देवोलीना ने रोहित रॉय से पूछा सवाल

रोहित रॉय की बातों पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए अभिनेत्री ने कहा कि रोहित उसी माध्यम का अपमान कर रहे थे, जिसने उन्हें काम और पहचान दी। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि अगर वह टेलीविजन के बारे में इतना बुरा सोचते थे, तो इतने वर्षों तक इसका हिस्सा क्यों बने रहे। देवोलीना ने बातचीत में कहा, 'लोगों की एक अजीब आदत होती है कि वे उसी हाथ को काटते हैं जो उन्हें खिलाता है। उसी थाली में छेद करते हैं जिसमें वह खाते हैं। उनकी बातें बिल्कुल वैसी ही लग रही हैं। फिल्मों की तो बात छोड़िए, सच कहूं तो मुझे यह भी याद नहीं कि वह किस टीवी सीरीज में थे। सच कहूं तो, ज्यादातर लोग उन्हें सिर्फ रोनित रॉय के भाई के तौर पर जानते हैं। अगर टीवी इतना ही बुरा था, तो उन्होंने इतने वर्षों तक इसका हिस्सा बने रहने का फैसला क्यों किया? अब वह उसी माध्यम को 'डस्टबिन' कह रहे हैं।'

क्या रोहित कर रहे बॉलीवुड स्टार्स पर तंज

देवोलीना ने यह भी कहा कि रोहित की बातों को उन बॉलीवुड एक्टर्स पर तंज के तौर पर देखा जा सकता है जो अक्सर टेलीविजन पर आते हैं। उन्होंने कहा, 'आज हर बड़ा बॉलीवुड स्टार अपनी फिल्मों को प्रमोट करने, रियलिटी शो होस्ट करने और दर्शकों से जुड़े रहने के लिए टेलीविजन पर आता है। क्या वह यह कहना चाह रहे हैं कि वे सभी 'डस्टबिन मीडियम' में काम कर रहे हैं? यह बस उसी इंडस्ट्री को नीचा दिखाकर ध्यान खींचने की एक हताश कोशिश लगती है जिसने उन्हें बनाया है।'

टीवी को 'कूड़ेदान जैसा माध्यम' बोले थे रोहित रॉय

रोहित रॉय ने बातचीत में कहा था कि मुझसे यह सवाल कई बार पूछा गया है और कभी-कभी मुझे लगता है कि मुझे एहसान-फरामोश नहीं लगना चाहिए। मगर टेलीविजन एक 'डस्टबिन मीडियम' है। आप इसे आज देखते हैं, यह कल के अखबार जैसा होता है। कल आप इसे भूल जाते हैं। इसलिए भारत में दुर्भाग्य से जिस तरह का और जितना कंटेंट बनाया जा रहा है, उसमें शायद ही कोई क्रिएटिविटी होती है।'

...अब विलेन वाली भूमिकाओं से दूरी बनाना चाहते हैं सैफ अली खान

पिछले कुछ सालों में तानाजी के उदयभान, आदिपुरुष के लंकेश, देवरा 1 के भैरवा जैसे नकारात्मक किरदारों के लिए सुर्खियां बटोरने वाले एक्टर सैफ अली खान अब विलेन वाली भूमिकाओं से थोड़ी दूरी बनाना चाहते हैं। ऐसे में, अपनी अगली फिल्म हैवान में एक अंधे म्यूजिशियन और मार्शल आर्टिस्ट के चुनौतीपूर्ण रोल को लेकर वह उत्साहित हैं। सैफ अली खान ने अपनी इस फिल्म को लेकर बातें करते हुए कहा कि वह अभी कुछ समय के लिए हीरो के रोल ही करना चाहते हैं। अपनी इस फिल्म में अपने रोल को लेकर बातें की जिसमें वे देख नहीं पाते हैं।

सैफ अली खान ने कहा, ' मैं अभी नेगेटिव रोल से थोड़ा ब्रेक लेना चाहता हूं। तब मैं बतौर ऐक्टर ऐसे किरदार एक्सप्लोर करना चाहता था, मगर अभी कुछ समय के लिए हीरो के रोल ही करना चाहूंगा।' सैफ हैवान के अपने किरदार को बहुत ही खास मानते हैं। वह कहते हैं, 'मैंने अब तक ज्यादातर जो रोल किए हैं, उनके प्रति सहानुभूति नहीं होती। वे या तो मजबूत हैं या प्रिविलेज्ड हैं या नेगेटिव, तो उनके लिए दुख महसूस नहीं होता, जबकि इसके लिए आपके मन से आह निकलती है, जो मेरे लिए बहुत अलग और नई बात थी और मैंने इसी इमोशन को निचोड़ा है।' उन्होंने आगे कहा था, 'हालांकि, अंधे का रोल करना बहुत चुनौतीपूर्ण था। ऊपर से वो बच्चों को म्यूजिक, मार्शल आर्ट, रेसलिंग भी सिखाते हैं, तो मुझे स्ट्रेस था कि वो नकली न लगे लेकिन मेरे दिमाग में जैपनीज समुराई फिल्में थीं। वे काफी ऐसी फिल्में बनाते हैं कि एक अंधा आदमी कैसे सुनकर महसूस करते हैं, फाइट भी कर सकते हैं, तो वे फिल्में देखकर मुझमें कंविक्शन था कि मैं भी ऐसा कर सकता हूं।'

टेलीविजन से बॉलीवुड तक अभिनेत्री प्राची देसाई ने बनाई खास पहचान

हिंदी फिल्म और टेलीविजन इंडस्ट्री की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में से एक प्राची देसाई का जन्म गुजरात के सूरत में हुआ था। उनके पिता का नाम निरंजन देसाई है, जो कि पेशे से कॉलेज प्रोफेसर हैं और मां का नाम अमिता देसाई है। वहीं, उनकी एक बहन भी है, जिनका नाम ईशा देसाई है। प्राची ने अपनी स्कूलिंग महाराष्ट्र के पंचगनी के सेंट जोसेफ कॉन्वेंट से पूरी की। इसके बाद उन्होंने पुणे के सिंहगढ़ कॉलेज से ग्रेजुएशन की डिग्री प्राप्त की। प्राची को शुरू से ही एक्टिंग में रुचि थी। इसलिए उन्होंने पढ़ाई पूरी करने के बाद एक्टिंग की ओर रुख किया। प्राची देसाई ने एकता कपूर के लोकप्रिय टीवी शो 'कसम से' अपने अभिनय करियर की शुरुआत की, जिसमें उनके अपोजिट राम कपूर थे। इस सीरियल में उन्होंने बानी दीक्षित वालिया का मुख्य किरदार निभाया था, जिसे लोगों ने काफी पसंद किया और उन्हें घर-घर में जबरदस्त पहचान मिली। टेलीविजन इंडस्ट्री में जबरदस्त पहचान बनाने के बाद अभिनेत्री ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू वर्ष 2008 में अभिषेक कपूर के द्वारा डायरेक्ट की गई फिल्म 'रॉक ऑन' से किया। इस फिल्म में उनके साथ फरहान अख्तर, अर्जुन रामपाल, पूरब कोहली और शहाना गोस्वामी भी मुख्य किरदार में थे। पहली फिल्म में ही उनकी एक्टिंग को खूब सराहा गया और उन्होंने टेलीविजन इंडस्ट्री से बॉलीवुड में सफल पहचान बनाई।

अपनी डेब्यू फिल्म में शानदार परफॉर्मेंस के लिए अभिनेत्री को बेस्ट फीमेल डेब्यू के फिल्मफेयर पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया गया। इसके बाद अभिनेत्री ने अन्य कई फिल्मों में काम किया, जिसमें 'लाइफ पार्टनर', 'वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई', 'तेरी मेरी कहानी', 'बोल बच्चन', 'आई, मी और हम', 'अजहर', 'फॉरेंसिक' आदि शामिल हैं।

कनाडा को लॉरेंस गैंग की धमकी: 'अब हम कनाडा पर राज करेंगे', 5 हजार से ज्यादा सदस्यों का दावा

2025 में भेजे गए कथित पत्र का खुलासा; सेना, पुलिस और सरकार को चेतावनी, कनाडाई एजेंसियों ने जांच तेज की

महानगर मेट्रो ब्यूरो

नई दिल्ली। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के गिरोह को लेकर कनाडा से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। कनाडाई मीडिया संस्थान सीबीसी न्यूज ने दावा किया है कि लॉरेंस गैंग की ओर से वर्ष 2025 में कनाडा सरकार और सुरक्षा एजेंसियों को धमकी भरा पत्र भेजा गया था। पत्र में गिरोह ने कनाडा में अपना प्रभाव बढ़ाने का दावा करते हुए लिखा कि अब वह कनाडा पर 'राज' करेगा। पत्र में गिरोह के 5 हजार से ज्यादा सदस्यों के कनाडा में सक्रिय होने का भी दावा किया गया था। हालांकि, यह संख्या गिरोह की ओर से किया गया दावा है और इसकी स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, पत्र कनाडा के इमिग्रेशन एंड रिफ्यूजी बोर्ड की कार्यवाही से जुड़े दस्तावेजों में शामिल है। एडमॉन्टन पुलिस सर्विस की संगठित अपराध शाखा ने पत्र को अपने रिकॉर्ड का हिस्सा बनाया और इसकी जानकारी ब्रिटिश कोलंबिया की एबॉट्सफोर्ड पुलिस को भी भेजी। पुलिस और अन्य कानून प्रवर्तन एजेंसियां पत्र में किए गए दावों तथा इसके पीछे मौजूद नेटवर्क की जांच कर रही हैं। पत्र में कनाडा की पुलिस, सेना और सरकार को चेतावनी देते हुए कथित तौर पर कहा गया कि गिरोह के सदस्य पैसों के बदले गोलीबारी कर सकते हैं। इसमें पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को गिरोह की गतिविधियों से दूर रहने की धमकी भी दी गई। पत्र में यह भी संकेत दिया गया कि यदि गिरोह के मामलों में हस्तक्षेप किया गया तो पुलिस प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया जा सकता है। लॉरेंस बिश्नोई वर्ष 2015 से भारत की जेल में बंद है। इसके बावजूद कनाडाई जांच अधिकारियों का कहना है कि उससे जुड़ा आपराधिक सिंडिकेट विदेशों में अपना नेटवर्क विकसित कर चुका है। एबॉट्सफोर्ड पुलिस ने लॉरेंस गैंग से जुड़े पत्र के मिलने की पुष्टि की है। इसकी जानकारी कनाडा में जबरन वसूली और संगठित अपराध से जुड़े मामलों की जांच कर रही अन्य एजेंसियों के साथ भी साझा की गई है। कनाडा में गोलीबारी और जबरन वसूली के कई मामलों की जांच के दौरान लॉरेंस बिश्नोई नेटवर्क का नाम सामने आता रहा है। कनाडा सरकार ने सितंबर 2025 में बिश्नोई गैंग को आतंकवादी इकाई के रूप में सूचीबद्ध किया था। अब धमकी भरे पत्र के सामने आने से कनाडा में सक्रिय कथित आपराधिक नेटवर्क और उसकी गतिविधियों को लेकर जांच एजेंसियों की चिंता बढ़ गई है।

केरल में बालों की लंबाई पर बच्चों को सजा नहीं

केरलम बाल अधिकार आयोग बोला-लंबे बालों पर भेदभाव न करें:स्कूल ऐसे बच्चों को सजा न दें; बच्चे पसंद से बाल बढ़ाने के लिए आजाद

महानगर मेट्रो ब्यूरो

तिरुवनंतपुरम। केरल राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने स्कूलों को निर्देश दिया है कि बच्चों के बालों की लंबाई को आधार बनाकर उनके साथ भेदभाव या दंडात्मक कार्रवाई न की जाए। आयोग ने कहा कि लड़के और जेंडर-न्यूट्रल पहचान रखने वाले बच्चे अपनी पसंद के अनुसार बाल बढ़ा सकते हैं। स्कूल केवल बाल लंबे रखने के कारण उन्हें सजा नहीं दे सकते। आयोग के अनुसार स्कूल प्रबंधन ऐसे बच्चों को मानसिक रूप से परेशान करने, कक्षा से बाहर निकालने या किसी अन्य तरीके से दंडित करने से बचे। बच्चों की बाहरी शक्ल-सूरत के बजाय उनकी पढ़ाई और व्यक्तित्व विकास को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। आयोग ने यह भी कहा कि बच्चे अपनी पसंद के कपड़े पहनने के अधिकार से वंचित नहीं किए जा सकते। आयोग ने शिक्षा विभाग को इस संबंध में स्पष्ट गाइडलाइन तैयार करने का निर्देश दिया है। गाइडलाइन बनाने से पहले संबंधित बच्चों की राय भी शामिल करने को कहा गया है। स्कूलों में लागू नियमों को लेकर कार्रवाई की रिपोर्ट 45 दिन के भीतर आयोग को सौंपनी होगी। यह आदेश दो याचिकाओं पर सुनवाई के बाद 17 सितंबर को जारी किया गया। पहली याचिका में लंबे बाल रखने वाले लड़कों और ट्रांसजेंडर पहचान न रखने वाले बच्चों के साथ कथित भेदभाव का मुद्दा उठाया गया था। दूसरी याचिका एक निजी स्कूल के प्रिंसिपल ने दायर कर ऐसे मामलों में स्कूलों द्वारा की जाने वाली कार्रवाई को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश मांगे थे।

आणंद के जाइडस अस्पताल में बड़ा रिपोर्ट घोटाला

एक मरीज, इलाज दूसरे का! डॉक्टरों की गंभीर लापरवाही के खिलाफ परिवार ने किया हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

आनंद। चारोतर के सेंट्रल हब आणंद का मशहूर जाइडस अस्पताल एक बार फिर विवादों के भंवर में फंस गया है। हेल्थ सेक्टर में बड़े-बड़े दावे करने वाले इस मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल की बड़ी लापरवाही और घोर लापरवाही सामने आई है। परिवार ने गंभीर आरोप लगाया है कि अस्पताल के जिम्मेदार स्टाफ और डॉक्टरों ने मरीज की मेडिकल रिपोर्ट बदलकर मरीज की जान खतरे में डाल दी। मिली जानकारी के मुताबिक, नापा गांव के रहने वाले मोहम्मद खान राणा नाम के मरीज को गंभीर हालत में या इलाज के लिए आणंद के जाइडस अस्पताल में भर्ती कराया गया था। दूसरे मरीज़ को इलाज देने का आरोप: परिवार वालों का सीधा और गंभीर दावा है कि मरीज़ मोहम्मद खान राणा का इलाज अस्पताल के कर्मचारी आनंद के 'मोहम्मद शरीफ़' नाम के दूसरे मरीज़ की रिपोर्ट के आधार पर कर रहे थे! फ़ाइल से 33 रिपोर्ट निकलीं: जब परिवार वालों ने मरीज़ की मेडिकल फ़ाइल चेक की, तो उनके पैरों तले ज़मीन खिसक गई। मोहम्मद खान राणा की फ़ाइल में दूसरे मरीज़ 'मोहम्मद शरीफ़' की 33 मेडिकल रिपोर्ट मिलीं।

एसडी पे घोटाले में अमरेली पुलिस की कार्रवाई, ओडिशा से दो मुख्य आरोपी गिरफ्तार

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अमरेली/सूरत। एसडी पे एप्लीकेशन के जरिए करोड़ों रुपए की कथित ठगी के मामले में अमरेली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। साइबर और अपराध जांच शाखा ने फरार चल रहे दो मुख्य आरोपियों धवल पटेल और हिरेन शाह को ओडिशा के संबलपुर से गिरफ्तार किया है। पुलिस दोनों को गुजरात ले आई है। जानकारी के अनुसार, इस मामले में पहले छह आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। इसके बाद तीन मुख्य आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार ठिकाने बदल रहे थे। तकनीकी निगरानी और मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने संबलपुर में कार्रवाई कर धवल पटेल और हिरेन शाह को पकड़ लिया। पुलिस अब दोनों आरोपियों से पूछताछ कर कथित ठगी की रकम, पीड़ितों की संख्या और गिरोह के अन्य संपर्कों की जानकारी जुटा रही है। मामले के तार सूरत के करंज-कीम क्षेत्र सहित गुजरात के अन्य हिस्सों से जुड़े होने की आशंका जताई गई है। इस प्रकरण का तीसरा मुख्य आरोपी नरेंद्र अभी फरार है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए विभिन्न स्थानों पर तलाश कर रही है। मामले में आगे की जांच जारी है।

7.50 लाख के शिक्षा ऋण पर 13.99 लाख वसूले, फिर भी 9.96 लाख की मांग

महानगर मेट्रो ब्यूरो

राजकोट। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने सीएसबी बैंक से जुड़े शिक्षा ऋण मामले में सख्त रुख अपनाया है। शिकायतकर्ता थंकचन जोस कैथरथ ने फरवरी 2012 में बेटी की उच्च शिक्षा के लिए 7.50 लाख रुपए का ऋण लिया था। समझौते के अनुसार ऋण सात साल में 84 किस्तों के जरिए चुकाना था। उन्होंने कुल 13.99 लाख रुपए जमा किए, लेकिन मार्च 2024 में बैंक ने 9.96 लाख रुपए बकाया दर्शाए। शिकायत के अनुसार, बैंक ने ग्राहक की लिखित सहमति और संशोधित मंजूरी दस्तावेजों के बिना ऋण अवधि बढ़ाकर 189 महीने कर दी थी। आयोग ने ग्राहक की जानकारी या मंजूरी के बिना ऋण की शर्तें बदलने को बैंकिंग सेवा में कमी और अनुचित व्यापार व्यवहार से जुड़ा गंभीर मामला माना। फैसले से ऋणधारकों के अधिकारों और बैंकिंग पारदर्शिता पर महत्वपूर्ण सवाल उठे हैं।

सोशल मीडिया स्टार 'गुज्जू लव गुरु' चंदन राठौड़ की सड़क हादसे में मौत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

भाभर/वाव-थराद। उत्तर गुजरात के लोकप्रिय सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और कॉमेडियन चंदन राठौड़, जिन्हें 'गुज्जू लव गुरु' के नाम से जाना जाता था, की सड़क हादसे में मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, हादसा भाभर-सुइगाम हाईवे पर हरिधाम गौशाला के पास हुआ। बाइक से गुजरते समय दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल चंदन को अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामला दर्ज किया है। हादसे के कारणों की जांच जारी है। उनके निधन से प्रशंसकों और सोशल मीडिया जगत में शोक है।

टाटा सन्स में बड़ा फैसला: चंद्रशेखरन 2032 तक चेयरमैन, इस्तीफे के एक महीने बाद वापसी

टाटा सन्स को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया भी आगे बढ़ी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। टाटा सन्स के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को लेकर चल रहा नेतृत्व संकट फिलहाल नए मोड़ पर पहुंच गया है। टाटा सन्स के बोर्ड ने गुरुवार को चंद्रशेखरन को पांच साल का नया कार्यकाल देने की मंजूरी दे दी। इसके साथ ही वे फरवरी 2032 तक टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी के चेयरमैन बने रह सकते हैं। उनका मौजूदा कार्यकाल फरवरी 2027 में समाप्त होना था। यह फैसला खास इसलिए है क्योंकि चंद्रशेखरन ने अगस्त में अगला कार्यकाल नहीं लेने की घोषणा की थी। चंद्रशेखरन ने 12 अगस्त को अपने पद से हटने की इच्छा जताई थी। उन्होंने कहा था कि उनके अगले पांच साल के कार्यकाल के विस्तार के प्रस्ताव को बोर्ड में सर्वसम्मत समर्थन नहीं मिल पाया था। इसके बाद करीब एक महीने तक टाटा सन्स में नेतृत्व को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी। अब बोर्ड ने दोबारा उनके नाम पर भरोसा जताते हुए नया कार्यकाल मंजूर किया है। हालांकि, मामला अभी पूरी तरह खत्म नहीं हुआ है। टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा ने चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति का विरोध किया है। टाटा ट्रस्ट्स के पास टाटा सन्स की करीब 66 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसलिए आगे होने वाली शेयरधारकों की मंजूरी इस फैसले के लिए महत्वपूर्ण होगी। रिपोर्टों के अनुसार बोर्ड के फैसले में नोएल टाटा ने विरोध किया, जबकि वेंणु श्रीनिवासन ने चंद्रशेखरन की पुनर्नियुक्ति का समर्थन किया। टाटा सन्स के बोर्ड ने इसके साथ कंपनी को शेयर बाजार में सूचीबद्ध करने की दिशा में भी कदम आगे बढ़ाने का फैसला किया है। यह निर्णय भारतीय रिजर्व बैंक की टाटा सन्स को ऊपरी स्तर की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी के रूप में वर्गीकृत किए जाने से जुड़े सूचीबद्धता नियमों के बीच आया है। चंद्रशेखरन जनवरी 2017 से टाटा सन्स के चेयरमैन हैं। इससे पहले उन्होंने टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में लंबा कार्यकाल निभाया था। नए कार्यकाल के साथ वे समूह के नेतृत्व में एक दशक से अधिक समय पूरा करेंगे।

6 दशकों से ज़्यादा चाय इंडस्ट्री पर राज करने वाले पीयूष भाई ने अहमदाबाद के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में आखिरी सांस ली

महानगर मेट्रो ब्यूरो

अहमदाबाद। भारतीय चाय इंडस्ट्री को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाले और 'वाघ बकरी' ब्रांड को घर-घर तक पहुंचाने वाले महान उद्योगपति और वाघ बकरी टी ग्रुप के चेयरमैन पीयूष देसाई का मंगलवार देर रात 87 साल की उम्र में हार्ट अटैक से निधन हो गया। उनके निधन से न सिर्फ गुजरात, बल्कि पूरे देश के बिज़नेस की दुनिया और चाय इंडस्ट्री ने एक महान गाइड और क्रांतिकारी नेता खो दिया है।

इलाज के दौरान हॉस्पिटल में ली आखिरी सांस

मिली पूरी जानकारी के मुताबिक, पीयूषभाई देसाई कुछ समय से उम्र से जुड़ी और दूसरी हेल्थ प्रॉब्लम से जूझ रहे थे। उनकी तबीयत बिगड़ने पर उन्हें शहर के एक स्टेट-ऑफ-द-आर्ट प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जहां डॉक्टरों की एक टीम उनका इलाज कर रही थी। मंगलवार देर रात उन्हें गंभीर हार्ट अटैक आया, जिसमें इलाज असरदार न होने पर उन्होंने आखिरी सांस ली। बुधवार शाम करीब 4 बजे उनका धार्मिक रीति-रिवाज से अंतिम संस्कार किया गया। उनके अंतिम संस्कार में नेता, उद्योगपति, ट्रेड एसोसिएशन के पदाधिकारी और बड़ी संख्या में उनके चाहने वाले शामिल हुए और उन्हें अपनी श्रद्धांजलि दी।

60 साल का लाइफटाइम एक्सपीरियंस: 'टी टेस्टिंग' के मास्टर

पीयूष देसाई ने चाय इंडस्ट्री में छह दशक (60 साल) से ज़्यादा समय बिताया। उनकी सबसे बड़ी खासियत यह थी कि वे चाय की टेस्टिंग और उसकी क्वालिटी को परखने में एक्सपर्ट थे। यूनिक टेस्ट: चाय का एक घूंट लेकर ही वे सही-सही बता सकते थे कि चाय की पत्ती किस बाग की है, उसमें नमी कितनी है और ग्राहकों को उसका स्वाद पसंद आएगा या नहीं। क्वालिटी से कभी समझौता नहीं: पीयूषभाई की गहरी ऑब्ज़र्वेशन और स्वाद पहचानने की अद्भुत क्षमता ही इस बात के लिए ज़िम्मेदार थी कि वाघ बकरी चाय का स्वाद सालों तक एक जैसा और बेहतरीन बना रहा।

लोकल बिज़नेस से ग्लोबल ब्रांड तक का क्रांतिकारी सफ़र

वैसे तो वाघ बकरी ग्रुप की नींव सालों पहले रखी गई थी, लेकिन इसे एक मॉडर्न, प्रोफेशनल और कॉर्पोरेट ब्रांड का रूप देने में पीयूष देसाई का अहम योगदान रहा है। 1. पैकेजिंग और ब्रांडिंग: जब भारत में चाय ज़्यादातर खुलेआम बिकती थी, तब उन्होंने प्रीमियम पैकेजिंग और ब्रांडेड चाय के कॉन्सेप्ट को मज़बूत किया। 2. ग्लोबल विस्तार: उनकी दूर की सोच वाली लीडरशिप में, वाघ बकरी सिर्फ़ गुजरात या भारत तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि दुनिया भर के 50 से ज़्यादा देशों में एक्सपोर्ट करने लगी। 3. कस्टमर का भरोसा: उन्होंने 'बराबरी और अच्छी भावना' के प्रतीक वाघ बकरी ब्रांड को भारत के सबसे भरोसेमंद चाय ब्रांड की लिस्ट में सबसे ऊपर ला खड़ा किया।

बिज़नेस की दुनिया में गहरा दुख

जैसे ही पीयूष देसाई के निधन की खबर जंगल में आग की तरह फैली, देश भर के चैंबर्स ऑफ़ कॉमर्स, स्नद्बष्टष्टद्ब, गुजरात चैंबर ऑफ़ कॉमर्स (ठ्ठष्टष्टद्ब) और अलग-अलग ट्रेड एसोसिएशन ने गहरा दुख जताया है। उद्योगपतियों ने कहा कि पीयूषभाई का निधन भारतीय एग्री-बिज़नेस और स्नस्रष्टत्र सेक्टर के लिए एक बहुत बड़ा नुकसान है जिसे कभी पूरा नहीं किया जा सकता। एक युग का अंत हो गया है, लेकिन उन्होंने जो वैल्यूज़ और क्वालिटी की विरासत बनाई, वह हमेशा अमर रहेगी।

22-23 जनवरी को यास आइलैंड के एतिहाद एरिना में 27वां संस्करण; करण जौहर, वरुण धवन, जाह्नवी कपूर समेत कई कलाकार होंगे शामिल

सलमान-करीना समेत जुटेंगे बॉलीवुड सितारे...

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई/अबू धाबी। इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी अवॉर्ड्स का 27वां संस्करण 22 और 23 जनवरी 2027 को अबू धाबी में आयोजित होगा। दो दिवसीय इस समारोह में बॉलीवुड के कई बड़े सितारे शामिल होंगे। सलमान खान, करीना कपूर खान, शाहिद कपूर, करण जौहर, वरुण धवन, जाह्नवी कपूर, पंकज त्रिपाठी और अली फजल सहित कई कलाकारों और फिल्ममेकर्स के कार्यक्रम में पहुंचने की जानकारी सामने आई है। IIFA 2027 का आयोजन अबू धाबी के यास आइलैंड स्थित एतिहाद एरिना में होगा। अबू धाबी में IIFA का यह चौथा आयोजन होगा। कार्यक्रम का आयोजन अबू धाबी के संस्कृति एवं पर्यटन विभाग और मिराल के साथ साझेदारी में किया जाएगा। समारोह में फिल्म कलाकारों के साथ फिल्ममेकर और संगीत जगत से जुड़े कलाकार भी हिस्सा लेंगे।

2025 में 'लापता लेडीज' का दबदबा

IIFA का सिल्वर जुबली समारोह 8 और 9 मार्च 2025 को जयपुर के जेईसीसी में आयोजित हुआ था। अभिनेता कार्तिक आर्यन और फिल्ममेकर करण जौहर ने समारोह की मेजबानी की थी। किरण राव के निर्देशन में बनी 'लापता लेडीज' ने समारोह में कुल 10 प्रमुख पुरस्कार अपने नाम किए थे। इनमें सर्वश्रेष्ठ फिल्म और सर्वश्रेष्ठ निर्देशक जैसे प्रमुख पुरस्कार शामिल थे।

पहले 2026 में होना था आयोजन

IIFA 2026 को पहले अगस्त-सितंबर 2026 के दौरान दक्षिण-पूर्व एशिया में आयोजित करने की योजना थी। हालांकि, बड़े स्तर की तैयारियों और अंतरराष्ट्रीय तारीखों के समन्वय के चलते आयोजकों ने इसे आगे बढ़ाकर 2027 की शुरुआत में करने का फैसला किया।

2000 में हुई थी शुरुआत

IIFA अवॉर्ड्स की शुरुआत वर्ष 2000 में लंदन के मिलेनियम डोम से हुई थी। पहले समारोह में 'हम दिल दे चुके सनम' को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार मिला था। इसके बाद IIFA का आयोजन भारत के अलावा दुनिया के अलग-अलग देशों में किया जाता रहा है। शुरुआत में यह एक रात का पुरस्कार समारोह था, और यह बहुदिवसीय आयोजन बन गया।

अयोध्या फैसले के बाद दुखी थीं स्वरा भास्कर

एक्ट्रेस बोलीं- फैसले से परेशान थी, फोनबुक में मौजूद मुस्लिम लोगों को मैसेज कर कहा था, 'मुझे अफसोस है'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मुंबई। एक्ट्रेस स्वरा भास्कर ने 2019 के अयोध्या राम जन्मभूमि-बाबरी मस्जिद मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर अपनी प्रतिक्रिया साझा की है। 'द मिडनाइट आवर' को दिए इंटरव्यू में स्वरा ने कहा कि फैसले के बाद वह काफी दुखी और परेशान थीं। उन्होंने बताया कि उस समय उन्होंने अपने फोन में मौजूद मुस्लिम परिचितों को मैसेज कर अपनी भावनाएं साझा की थीं और माफी मांगी थी। स्वरा ने कहा कि फैसले के बाद उनके मन में कई सवाल उठ रहे थे और उन्हें लगा कि फैसला गलत और अन्यायपूर्ण था। उन्होंने बताया कि उन्होंने आमिर खान, शाहरुख खान, सलमान खान और फहाद अहमद समेत अपने फोनबुक में मौजूद मुस्लिम लोगों को संदेश भेजा था। उनका कहना था कि वह एक हिंदू हैं, लेकिन इस फैसले से सहमत नहीं थीं और उन्हें इस बात पर अफसोस तथा शर्मिंदगी महसूस हो रही थी। उन्होंने बताया कि कुछ लोगों ने उनके संदेशों का जवाब देते हुए कहा कि सब ठीक है और उन्हें इस तरह माफी मांगने की जरूरत नहीं है। स्वरा के मुताबिक, इस घटना के बाद फहाद अहमद के साथ उनकी बातचीत और बढ़ने लगी। इंटरव्यू के दौरान स्वरा और फहाद ने अपनी प्रेम कहानी पर भी बात की। दोनों की पहली मुलाकात एक विरोध प्रदर्शन के दौरान हुई थी। इसके बाद सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर साथ काम करते हुए दोनों के बीच बातचीत बढ़ी। स्वरा ने बताया कि फहाद के काम करने का तरीका उन्हें पसंद आया और दोनों देश में होने वाले बड़े मुद्दों पर चर्चा करने लगे। स्वरा ने कहा कि जब भी देश में कोई बड़ा सामाजिक या राजनीतिक घटनाक्रम होता था, वे दोनों उस पर आपस में बातचीत करते थे। इस तरह लगातार संपर्क और साथ काम करने के दौरान दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ीं।

साढ़े 4 लाख दीपों से जगमगाया उत्तर प्रदेश

लखनऊ में राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर भव्य आयोजन; अयोध्या में 50 हजार दीप, कानपुर में दीपों से बनाया मोदी का चित्र

महानगर मेट्रो ब्यूरो

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 76वां जन्मदिन विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। लखनऊ के राष्ट्र प्रेरणा स्थल समेत प्रदेश के कई स्थानों पर करीब साढ़े 4 लाख दीप जलाए गए। कार्यक्रमों में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक व केशव प्रसाद मौर्य सहित कई नेता शामिल हुए। अयोध्या में 50 हजार दीप जलाकर जन्मदिन मनाया गया। कानपुर में 11 हजार दीपों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का चित्र बनाया गया और रंगोली सजाई गई। गोरखपुर में उत्तर प्रदेश भाजपा प्रभारी विनोद तावड़े ने दीप जलाकर कार्यक्रम में हिस्सा लिया। मेरठ में एसएसपी बीबीजीटीएस मूर्ति कुर्ता-धोती पहनकर कार्यक्रम में पहुंचे और जूते-चप्पल उतारकर नंगे पैर दीप जलाए। वाराणसी में सीएम योगी और रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचकर दर्शन-पूजन किया। इसके बाद लोगों को केक खिलाया गया और महिला सफाईकर्मियों को बनारसी साड़ी भेंट कर सम्मानित किया गया। अहिल्याबाई घाट पर बटुक ब्राह्मणों ने मां गंगा का 76 लीटर दूध से अभिषेक किया। 'नमामि गंगे' की टीम ने गंगा को 76 मीटर लंबी चुनरी अर्पित की, जबकि नागा साधुओं ने डमरू बजाकर प्रधानमंत्री को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। अयोध्या में मेयर महंत गिरीश पति त्रिपाठी और जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह ने लता मंगेशकर चौक पर झाड़ू लगाकर स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया। प्रयागराज में संगम तट पर विशेष पूजा-अर्चना की गई। लोकगायिका मालिनी अवस्थी ने सोहर गाकर प्रधानमंत्री को शुभकामनाएं दीं। लखनऊ में उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सिविल अस्पताल पहुंचकर मरीजों को फल बांटे और रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया। उन्होंने बताया कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक पूरे प्रदेश में 'सेवा संकल्प अभियान' चलाया जा रहा है।

वडनगर में एकनाथ शिंदे के हेलीकॉप्टर में टेक-ऑफ से पहले खराबी, रोकी उड़ान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

मेहसाणा/वडनगर। गुजरात दौरे पर आए महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के काफिले को लेकर एक बड़ी और चौंकाने वाली खबर सामने आई है। मेहसाणा जिले के वडनगर पहुंचे डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे के हेलीकॉप्टर में टेक-ऑफ से पहले अचानक एक गंभीर तकनीकी खराबी आ गई, जिससे काफी अफरा-तफरी मच गई। हालांकि, पायलट की समय की पाबंदी और सतर्कता के कारण टेक-ऑफ रोक दिया गया और एक बड़ा हादसा टल गया। महाराष्ट्र के डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मस्थान वडनगर में आयोजित 'सेवा संकल्प अभियान' प्रोग्राम में शामिल होने गुजरात आए थे। उड़ान से पहले ही खराबी का पता चला: वडनगर में प्रोग्राम रोकने के बाद वे हेलीकॉप्टर से अहमदाबाद के लिए निकल रहे थे। टेक-ऑफ के लिए सिस्टम और सिक्योरिटी अलर्ट मोड पर थे, तभी हेलीकॉप्टर की चेकिंग और स्टार्टअप ट्रायल के दौरान पायलट को एक गंभीर टेक्निकल खराबी का पता चला। सेफ्टी को प्राथमिकता देते हुए पायलट ने तुरंत हेलीकॉप्टर की उड़ान कैंसिल करने का फैसला किया।

Printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabad - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.